@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 2 जून 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 208 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

देशभर में हीटवेव खत्म, बारिश से तापमान गिरा:राजस्थान के जैसलमेर में रेतीला तूफान

● उत्तराखंड के चंपावत में नदी में फंसे 50 लोगों का रेस्क्यू

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के अधिकांश हिस्सों में बारिश और बादलों के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक देशभर में फिलहाल हीटवेव की स्थिति खत्म हो गई है। कई राज्यों में बारिश और आंधी के चलते मौसम में बदलाव आया है। राजस्थान के कई हिस्सों में लगातार दूसरे दिन धूल भरी आंधी चली, जिससे तापमान में गिरावट आई। जैसलमेर में रेतीला तूफान आया। इससे विजिबिलिटी पर असर हुआ, हालांकि किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। राज्य के फलौदी में अधिकतम तापमान 42.6°C रहा। उत्तर प्रदेश के बलिया में 34.4mm और मुरादाबाद में 21.8mm बारिश हुई। लखनऊ में भी 2.4mm बारिश हुई। यहां अधिकतम तापमान 36.3एष्ट रहा, जो सामान्य से 3.9°C कम है। न्यूनतम तापमान 24.7°C रहा। उत्तराखंड में भारी बारिश और खराब मौसम के कारण केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। चंपावत के श्री रीठा साहिब गुरुद्वारे के वार्षिक जोड़ मेले के दौरान उफनती नदी में 50 से ज्यादा श्रद्धालु फंस गए, जिन्हें बाद में रेस्क्यू किया गया।

अगले दो दिन के मौसम का हाल

2 जून: पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड और राजस्थान के कुछ हिस्सों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं चल सकती है। महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुछ इलाकों में भी तेज हवा चलने और बिजली गिरने की आशंका है।

तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरलम और कर्नाटक में कई जगहों पर बारिश का अनुमान जताया गया है। कुछ इलाकों में भारी बारिश भी हो सकती है। पूर्वोत्तर राज्यों असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी बारिश और आंधी-तूफान का दौर जारी रहने की संभावना है।

3 जून: पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई हिस्सों में 40-50kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के कुछ क्षेत्रों में बारिश और आंधी की स्तिथि रह सकती है। केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश के बारिश का अनुमान है। तटीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं तेज बारिश भी हो सकती है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश और आंधी-तूफान का असर रहेगा।

मानसून 4 जून तक केरलम पहुंचेगा

मौसम विभाग ने बताया कि मानसून 4 जून तक केरलम पहुंच सकता है। हालांकि विभाग ने इस साल मानसून के सामान्य से कमजोर रहने का अनुमान भी जताया है।

IMD के मुताबिक जून से सितंबर तक देश में औसतन सामान्य से कम बारिश हो सकती है। इस बार मानसून सीजन में 78 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है। देश में सामान्य मानसूनी बारिश का औसत 87 सेंटीमीटर माना जाता है।

भारत में 'दिव्यास्त्र' ड्रोन बनाने का रास्ता साफ

● दिव्यास्त्र मार्क-1 का भरोसेमंद प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। अब भारत में 'दिव्यास्त्र' ड्रोन बनाने का रास्ता साफ हो गया है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद जरूरतों को देखते हुए

● जोधपुर में 50 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रेगिस्तानी तापमान में मोबाइल लॉन्चर से किया गया परीक्षण

लॉन्ग रेंज ड्रोन विकसित करने की कोशिशों में भारत को बड़ी सफलता मिली है। भारत के स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम को बढ़ावा देते हुए उत्तर प्रदेश के लखनऊ की डिफेंस स्टार्टअप कंपनी होवरइट ने दिव्यास्त्र मार्क-1 विकसित करके

सफल परीक्षण भी कर लिया है। राजस्थान के जोधपुर में 50 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रेगिस्तानी तापमान और तेज हवाओं में टेस्ट किए जाने पर इस प्लेटफॉर्म ने मुश्किल फील्ड स्थितियों में भी भरोसेमंद प्रदर्शन दिखाया। कंपनी के अनुसार दिव्यास्त्र मार्क-1 ने अपने ऑपरेशनल प्रदर्शन सफलतापूर्वक पूरे किए, जिसमें वाहन पर लगे मोबाइल लॉन्चर से कई लॉन्च, लाइव आईएसआर मिशन और टर्मिनल अटैक प्रोफाइल शामिल थे। इस प्रदर्शन के हिस्से के तौर पर दिव्यास्त्र मार्क-1 यूएवी को एक वाहन पर लगे मोबाइल लॉन्चर से कई बार सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इससे प्लेटफॉर्म की तेजी से तैनात होने की क्षमता, युद्ध के मैदान में गतिशीलता और जमीनी हालात में टैक्टिकल लॉन्च की तैयारी का प्रदर्शन हुआ। इस अभ्यास ने ऑपरेशनल माहौल में गतिशील आईएसआर और टोही मिशनों में मदद करने की यूएवी की क्षमता को भी और पुख्ता किया।

जल अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए 'महा ऑन वाटर' कार्यक्रम शुरु, इसरो से एमओयू

● जल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में जल संसाधन प्रबंधन, पेयजल सुरक्षा और जल संरक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार को नई गति देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 'मिशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ हाई-इम्पैक्ट एरियाज फॉर वॉटर' (महा ऑन वाटर) कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस महत्वाकांक्षी पहल के तहत जल शक्ति मंत्रालय और राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) संयुक्त रूप से 200 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे।

जल शक्ति मंत्रालय ने सोमवार

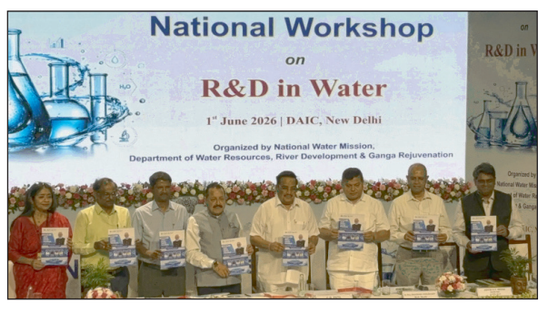

को डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में जल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्घाटन केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी और वी सोमन्ना भी उपस्थित रहे। कार्यशाला में स्टार्टअप्स और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रोत्साहित करने के लिए उत्पाद एवं प्रोटोटाइप विकास के लिए कंपनियों और स्टार्टअप्स को आमंत्रित भी किया गया है। साथ ही जल शक्ति मंत्रालय और इसरो के बीच उपग्रह आधारित जल अनुसंधान, जल गुणवत्ता निगरानी, नदी प्रवाह विश्लेषण तथा जल संरक्षण तकनीकों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

भाजपा ने नागेंद्र नाथ को बनाया राष्ट्रीय संगठक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को नागेंद्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का राष्ट्रीय संगठक (वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गयी है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं केंद्रीय मुख्यालय के प्रभारी अरुण सिंह ने सोमवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि नागेंद्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का नया राष्ट्रीय संगठक नियुक्त किया गया है। ये नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। उनका केंद्र दिल्ली होगा। भाजपा में यह पद नया है, जिसका सृजन वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं की समस्या, सुझाव सुनने के लिए किया गया है। इससे पहले वह बिहार एवं झारखंड राज्यों के संयुक्त क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के तौर पर कार्य कर रहे थे। इन दो राज्यों के संयुक्त दायित्व से पहले उन्होंने बिहार भाजपा के महामंत्री संगठन के रूप में कार्य किया। बिहार से पहले वे उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन थे।

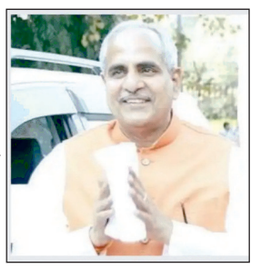

राजस्थान भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री बने अजेय कुमार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तराखंड के प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार को राजस्थान का नया प्रदेश संगठन महामंत्री नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गयी है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह की ओर से सोमवार को जारी बयान में इसकी जानकारी दी गयी है।राजस्थान के प्रदेश संगठन महामंत्री का यह पद जनवरी 2024 से खाली था। तत्कालीन संगठन महामंत्री चंद्रशेखर के तेलंगाना स्थानांतरण के बाद से राजस्थान भाजपा बिना संगठन महामंत्री के कार्य कर रही थी। भाजपा के एक पदाधिकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के मूल निवासी अजेय कुमार सितंबर 2019 से अब तक उत्तराखंड भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन के रूप में कार्य कर रहे थे। उत्तराखंड में सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और पार्टी कैडर को मजबूत बनाए रखने के लिए उनकी कार्यशैली की काफी तारीफ हुई थी।

ऑस्ट्रेलिया के साथ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के नए रास्ते खोजने के मुद्दे पर हुई चर्चा

● रक्षा मंत्री राजनाथ ने ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी पीएम और डिफेंस मिनिस्टर से बातचीत की

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली में अपने समकक्ष और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ इंडिया-ऑस्ट्रेलिया डिफेंस मिनिस्टर्स डायलॉग की सह-अध्यक्षता की। इस डायलॉग में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में हुई प्रगति का आकलन करने के साथ ही आपसी सहयोग के नए रास्ते खोजने के मुद्दे पर चर्चा की गई। भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी आने वाले वर्षों में लगातार प्रगति करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ द्विपक्षीय वार्ता करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मैं आपकी सरकार को हाल ही में जारी की गई 2026 की 'राष्ट्रीय रक्षा रणनीति' और 'एकीकृत निवेश कार्यक्रम' के लिए बधाई देना चाहूंगा। आज की चर्चा के दौरान मैं इस नीति दस्तावेज पर और भारत-ऑस्ट्रेलिया के रक्षा संबंधों में विकास की संभावनाओं पर आपके विचारों को जानने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा कि हमने मिलकर द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के संपूर्ण दायरे की समीक्षा

की और इसे और अधिक बढ़ाने के तरीकों और उपायों पर चर्चा की। राजनाथ सिंह ने दूसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा मंत्रियों के संवाद से पहले नई दिल्ली पहुंचने पर ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री मार्लेस का स्वागत किया। बाद में रिचर्ड मार्लेस को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में तीनों सेनाओं की ओर से 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि और नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन की मौजूदगी में 'डिफेंस मिनिस्टर्स डायलॉग' में रक्षा सहयोग की समीक्षा करने के साथ ही भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए नए अवसरों की तलाश की गई।रिचर्ड मार्लेस का यह दौरा अक्टूबर 2025 में ऑस्ट्रेलिया में हुई पहली 'डिफेंस मिनिस्टर्स डायलॉग' के बाद हो रहा है और यह इंडिया-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बढ़ती रफ्तार को दिखाता है। ऑस्ट्रेलिया, भारत के खुले, सबको साथ लेकर चलने वाले और खुशहाल इंडो-पैसिफिक के विजन में एक अहम साझेदार है। यह दौरा भारत-ऑस्ट्रेलिया डिफेंस पार्टनरशिप की बढ़ती मजबूती को भी प्रदर्शित करता है।

पेपर लीक से ध्वस्त हो रही शिक्षा व्यवस्था : पवन खेड़ा

● युवाओं का भविष्य संकट में : पवन खेड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करने का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि देश में लगातार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और कई छात्र मानसिक दबाव में आत्महत्या जैसे गंभीर कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं।

पार्टी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि देश में लगातार पेपर लीक की घटनाएं हो रही हैं

और कई परीक्षाओं में अनियमितताओं के चलते युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने एनईईटी, सीयूईटी, जेईई मेन और बीपीएससी जैसी परीक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि लाखों छात्र प्रभावित हुए हैं।

पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि सीबीएसई परीक्षा मूल्यांकन और स्कैनिंग प्रणाली में बदलाव के दौरान टेंडर प्रक्रिया में नियमों में संशोधन किया गया, जिससे एक विशेष कंपनी को लाभ पहुंचा। उन्होंने दावा किया कि पहले के टेंडर में टीसीएस जैसी बड़ी कंपनियां शामिल थीं, लेकिन बाद में शर्तों में बदलाव कर नए टेंडर में अलग कंपनी को अवसर मिला। खेड़ा ने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन और स्कैनिंग प्रक्रिया में बदलाव के कारण पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। पुनर्मूल्यांकन के लिए छात्रों से शुल्क लिया जा रहा है, जिससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर सरकारी खर्च में गिरावट आई है और इसे लेकर युवाओं के भविष्य पर संकट खड़ा हो रहा है। जहां देश के युवा परीक्षा और रोजगार से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं, वहीं सार्वजनिक संदेशों में अलग विषयों पर चर्चा की जा रही है।

राष्ट्रपति 12 जून को पहुंचेंगी देहरादून

आईएमए की 13 की पासिंग आउटपरेड में होंगी शामिल

एजेंसी

देहरादून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 13 जून को भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) की पासिंग आउट परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। राष्ट्रपति 12 जून को दो दिवसीय दौर पर देहरादून पहुंचेंगी। सरकारी प्रवक्ता ने सोमवार को जानकारी दी कि राष्ट्रपति मुर्मु 12 और 13 जून को दो दिवसीय देहरादून दौरे पर रहेंगी। राष्ट्रपति 13 जून को सुबह 7:30 बजे अकादमी ओ परिसर में ही आईएमए के 158वें रेगुलर कोर्स और 141वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स की पासिंगआउट परेड की सलामी लेंगी और प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले जेंटलमैन कैडेट्स को संबोधित करेंगी। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को सम्मानित भी किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि भारतीय सैन्य अकादमी की पासिंग आउट परेड देश की प्रतिष्ठित सैन्य परंपराओं में शामिल है। यह समारोह उन कैडेट्स के लिए विशेष महत्व रखता है, जिन्होंने कठोर सैन्य प्रशिक्षण पूरा कर भारतीय सेना में अधिकारी बनने की योग्यता हासिल की है। राष्ट्रपति का यह दौरा उत्तराखंड और विशेष रूप से देहरादून के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जस्टिस विवेक रूसिया मप्र हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

● सीजे संजीव सचदेवा के उच्चतम न्यायालय में प्रमोशन के बाद कानून मंत्रालय ने जारी किया आदेश

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को नया कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मिल गया है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, वर्तमान न्यायाधीश विवेक रूसिया को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह बदलाव मप्र हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा की उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में पदोन्नति होने के कारण हुआ है। इस संबंध में सोमवार को आदेश जारी किया गया । नवनियुक्त कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक

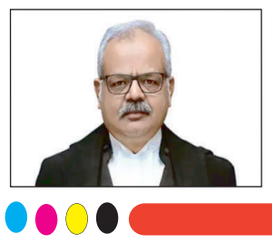

रूसिया मूल रूप से मध्य प्रदेश के जबलपुर शहर के ही रहने वाले हैं। उनका जन्म 2 अगस्त 1969 को जबलपुर के कोतवाली क्षेत्र में हुआ था। उन्होंने विज्ञान में स्नातक (बीएसी) और फिर कानून की पढ़ाई (एल.एल.बी.) पूरी की। इसके बाद, 8 अगस्त 1992 को मध्य प्रदेश राज्य बार काउंसिल ने उन्हें एक अधिवक्ता के रूप में नामांकित किया। उनके पिता स्वर्गीय प्रभाकर रूसिया भी मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के एक प्रतिष्ठित और वरिष्ठ अधिवक्ता थे। जस्टिस रूसिया ने अपने विधिक करियर की शुरुआत जबलपुर के ही दिग्गज विधि विशेषज्ञों स्वर्गीय पी. सदाशिवन नायर (वरिष्ठ अधिवक्ता), इंदिरा नायर (वरिष्ठ अधिवक्ता) और राजेंद्र मेनन (तत्कालीन प्रशासनिक न्यायाधीश, म.प्र. हाईकोर्ट) के मार्गदर्शन में एक सहयोगी अधिवक्ता के रूप में की थी।

भारत-म्यांमार संबंधों पर राष्ट्रपति मुर्मु का जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। पांच दिवसीय भारत दौरे पर भारत आए म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने अपनी भारतीय समकक्ष राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में उनका स्वागत किया। इस दौरान दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स हैंडल से इसकी जानकारी दी गई। मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि

भारत और म्यांमार के बीच साझा बौद्ध विरासत और सदियों पुराने पीपल-टू-पीपल कनेक्ट दोनों देशों की मित्रता को विशेष गर्मजोशी प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा, 'म्यांमार भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसे भारत का दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए प्रवेश द्वार माना जाता है।' राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रिश्तों का उल्लेख किया। इससे पहले राष्ट्रपति ह्लाइंग ने हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ सहयोग और साझेदारी को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' और 'एक्ट ईस्ट' नीति में म्यांमार की विशेष भूमिका है। दोनों देशों के बीच व्यापार, संपर्क, क्षमता निर्माण, सुरक्षा सहयोग और विकास परियोजनाओं के क्षेत्र में लगातार प्रगति हो रही है।

जेद्दा में भारत के महावाणिज्यदूत फहाद सूरी ने हज यात्रियों को मुबारकबाद दी

एजेंसी

नई दिल्ली। जेद्दा में भारत के महावाणिज्यदूत फहाद सूरी ने हज की रस्मों के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर सभी भारतीय हज यात्रियों को मुबारकबाद दी। उन्होंने प्रस्थान चरण के आरंभ होने के अवसर पर सभी हज यात्रियों की सुरक्षित और सुगम स्वदेश वापसी के लिए शुभकामनाएं भी दी। जेद्दा में भारत के महावाणिज्यदूत फहाद सूरी ने कहा, 'ये बताते हुए खुशी हो रही है कि हज का बुनियादी मरहला सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। और कल मीना से हुजाज की वापसी भी अमन और सुकून के साथ हो गई है। इस तरह हज के सबसे अहम अरकान मुकम्मल हो गए हैं। इस मुबारक मौके पर सभी हुजाज को हज की सफल अदायगी पर बहुत बहुत मुबारकबाद। हम दुआ करते हैं कि आपकी इबादत और मेहनत कबूल हो और आप घर लौटे तो अपने साथ बहुत सी बरकत और रुहानी फायदे लेकर जाएं। वापसी का मरहला 1 जून से शुरू होगा। सभी इंतजाम इस तरह किए गए हैं ताकि वापसी का सफर आसान, सुकून और अच्छे तरीके से हो। हम सभी हुजाज के लिए अमन, सुविधा और आराम भरे सफर की दुआ करते हैं। जो हुजाज अभी यहां रूके हुए हैं उनके लिए भी अच्छी सेहत और आराम की दुआ है।' हज यात्रा के लिए इस साल मक्का में 15 लाख से ज्यादा लोग पहुंच चुके हैं। इस बार की हज यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के खत्म होने की उम्मीदें जताई जा रही हैं।

संसदीय समिति नीट, एनटीए और सीबीएसई परीक्षा मुद्दों की समीक्षा करेगी

नई दिल्ली। नीट परीक्षा विवाद, एनटीए की कार्यप्रणाली और सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं में सामने आ रही समस्याओं को लेकर शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति अहम बैठकें करने जा रही है। समिति 1 और 2 जून को नई दिल्ली में दो महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित करेगी, जिनमें परीक्षा सुधारों और शिक्षा नीति से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। समिति 1 जून को सुबह 11 बजे होने वाली बैठक में नीट परीक्षा के पेन-एंड-पेपर मोड और कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) के बीच तुलना एवं संभावित बदलावों पर विचार करेगी। साथ ही, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से जुड़े विभिन्न मुद्दों, पेपर लीक, ग्रेस मार्किंग और परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता की गहन समीक्षा की जाएगी। इस बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव, एनटीए के महानिदेशक (डीजी) तथा यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट के प्रतिनिधि डॉ. (मेजर) गुलशन गर्ग शामिल होंगे। विभिन्न पक्षों के विशेषज्ञों और हितधारकों से भी सुझाव लिए जाएंगे। 2 जून को सुबह 11 बजे होने वाली बैठक में कक्षा 12 की सीबीएसई परीक्षाओं में लागू ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) व्यवस्था और उससे छात्रों को होने वाली समस्याओं पर चर्चा होगी। साथ ही, कक्षा 9 और 10 में तीन-भाषा फॉर्मूले के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा भी की जाएगी।

दिल्ली के तिमारपुर में पानी की किल्लत को लेकर बवाल, लोगों ने कहा- भाजपा के चुनावी वादे फेल

नई दिल्ली। दिल्ली के तिमारपुर विधानसभा क्षेत्र में पानी की किल्लत को लेकर स्थानीय लोगों और आम आदमी पार्टी (आप) कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। विजय नगर 8 ब्लॉक मंदिर से मदर डेयरी रोड तक 'मटका फोड़' प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि अगर जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो और उग्र आंदोलन किया जाएगा। स्थानीय निवासियों ने बताया कि पानी की कमी की वजह से रोजमर्रा की जिंदगी पूरी तरह प्रभावित हो गई है। कई लोगों को मजबूरी में पानी खरीदकर इस्तेमाल करना पड़ रहा है। कुछ इलाकों में पानी 50 रुपए प्रति कैन बिक रहे हैं, जिससे गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। प्रदर्शन में शामिल कुछ महिलाओं ने कहा कि एक महीने से पानी नहीं आने की वजह से घर चलाना मुश्किल हो गया है। नहाने, खाना बनाने और साफ-सफाई तक के लिए पानी की भारी कमी हो गई है। लोगों ने कहा कि सरकार बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात बेहद खराब हैं। उनका कहना है कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए गए थे कि दिल्ली में पानी की कोई कमी नहीं होगी, लेकिन अब स्थिति इसके बिल्कुल उलट है।

म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने एनएसए अजीत डोभाल से की मुलाकात

नई दिल्ली। म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने मुलाकात की तस्वीरें साझा कर जानकारी दी। म्यांमार के राष्ट्रपति ह्लाइंग पांच दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे हुए हैं। इस पांच दिवसीय दौरे की शुरुआत उन्होंने बिहार के बोधगया से की, जहां महाबोधि मंदिर है। बोध गया से राष्ट्रपति नई दिल्ली पहुंचे, जहां उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। 1 जून को वह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे और द्विपक्षीय वार्ता के जरिए दोनों देशों के बीच संबंध को मजबूत करेंगे। इसके साथ ही म्यांमार के राष्ट्रपति मुंबई के दौरे पर भी जाएंगे।

राष्ट्रपति ह्लाइंग के साथ मीटिंग के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था, 'आज नई दिल्ली में म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग से मिलकर खुशी हुई। हमारे लंबे समय से चले आ रहे आपसी सहयोग को और गहरा करने की उनकी सकारात्मक भावना की सराहना करता हूं।'

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्श आज भी सुशासन और नारी सशक्तिकरण की प्रेरणा : रविंद्र इंद्राज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती के अवसर पर बेगमपुर में आयोजित भव्य शोभायात्रा एवं जयंती समारोह में दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने सहभागिता कर लोकमाता को श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभा को संबोधित करते हुए रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का जीवन सेवा, सुशासन, न्याय, नारी सम्मान और जनकल्याण के आदर्शों का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि एक शासक के रूप में अहिल्याबाई ने समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और अपने कार्यों से यह सिद्ध किया कि संवेदनशील नेतृत्व ही वास्तविक सुशासन का आधार होता है। उन्होंने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर ने भारत की धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में असाधारण योगदान दिया। देशभर में मंदिरों, घाटों

और तीर्थ स्थलों के निर्माण एवं पुनर्निर्माण के माध्यम से उन्होंने भारतीय संस्कृति को नई ऊर्जा प्रदान की। साथ ही महिलाओं के सम्मान, सामाजिक सुधार और जनसेवा के क्षेत्र में उनके कार्य आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार भी लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों से प्रेरणा लेकर महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और जनकल्याण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महिलाओं के उत्थान और समाज के वंचित वर्गों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाएं समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मंत्री ने कहा कि भारतीय परंपरा में नारी को शक्ति, ज्ञान और समृद्धि का स्वरूप माना गया है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का जीवन इस सत्य का जीवंत उदाहरण है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, सेवा भावना और नैतिक नेतृत्व के माध्यम से समाज में व्यापक परिवर्तन लाया जा सकता है। आज आवश्यकता है कि उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए समरस, न्यायपूर्ण और विकसित समाज के निर्माण में योगदान दिया जाए। उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, दिल्ली में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर आधारित फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग भी की गई, जिससे नई पीढ़ी को उनके महान व्यक्तित्व और योगदान को जानने का अवसर मिला। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं एवं समाज के लोगों की उपस्थिति में निकाली गई विशाल शोभायात्रा मुख्य आकर्षण रही, जिसमें लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन, उनके लोककल्याणकारी कार्यों, न्यायप्रिय शासन तथा सांस्कृतिक योगदान को विभिन्न झांकियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

मुख्यमंत्री ने मेधावी छात्राओं के बीच वितरित की साइकिलें

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित 'विकसित मालवीय नगर का संकल्प समारोह' में मेधावी एवं आर्थिक रूप से जरूरतमंद 15 छात्राओं को साइकिलें वितरित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पक्षियों के लिए वॉटर पोट्स स्थापित कर पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दिया। उन्होंने नागरिकों से अपने घरों, पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी रखने की अपील की। श्री अरविंदो मार्ग स्थित एनसीयूआई ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज, मालवीय नगर के विधायक सतीश उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र-छात्राएं और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्थानीय विकास कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों और जनहितकारी परियोजनाओं की जानकारी प्राप्त की। विधायक सतीश उपाध्याय से जुड़ी संस्था उमा निरंजन फाउंडेशन द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने और बालिका सशक्तिकरण के उद्देश्य से मेधावी एवं आर्थिक रूप से जरूरतमंद 15 छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को साइकिलें प्रदान करते हुए कहा कि शिक्षा तक आसान पहुंच प्रत्येक बेटी का अधिकार है और ऐसी पहल छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के दौरान मालवीय नगर क्षेत्र में स्पोर्ट्स क्लब्स एवं कल्चरल क्लब्स की स्थापना की घोषणा भी की गई।

भ्रष्टाचार एक दीमक है, इसे समाप्त करना सभी की जिम्मेदारी: ज्यूडिशियल काउंसिल

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली नई दिल्ली (न्यूज़ वार्ता)- ज्यूडिशियल काउंसिल ने देश में बढ़ते भ्रष्टाचार पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि भ्रष्टाचार एक ऐसी दीमक है जो राष्ट्र की नींव को अंदर ही अंदर खोखला कर देती है। यदि समय रहते इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया, तो इसका दुष्प्रभाव समाज, प्रशासन, अर्थव्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों पर पड़ता रहेगा। काउंसिल ने देशवासियों से भ्रष्टाचार के विरुद्ध एकजुट होकर संघर्ष करने और ईमानदार भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया है। ज्यूडिशियल काउंसिल के चेयरमैन श्री राजीव अग्निहोत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार केवल आर्थिक अपराध नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय, समान अवसर और लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा आघात है। जब किसी व्यक्ति को अपने वैध कार्य के लिए रिश्वत देनी पड़ती है, तब यह केवल उस व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरे तंत्र का नैतिक पतन दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार गरीब और कमजोर वर्गों को सबसे अधिक प्रभावित करता है, क्योंकि उन्हें अपने अधिकार प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। श्री अग्निहोत्री ने कहा कि आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि समाज में ईमानदारी और नैतिकता की संस्कृति

विकसित करने की है। भ्रष्टाचार तब तक समाप्त नहीं हो सकता जब तक आम नागरिक स्वयं इसके खिलाफ खड़े होने का साहस नहीं दिखाएंगे। प्रत्येक व्यक्ति को यह संकल्प लेना होगा कि वह न तो रिश्वत देगा और न ही रिश्वत लेने वालों का समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि देश के विकास की गति तभी तेज होगी जब शासन व्यवस्था पारदर्शी और जवाबदेह बनेगी। भ्रष्टाचार के कारण विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाता। जनता के लिए निर्धारित संसाधनों का दुरुपयोग होता है और राष्ट्र की प्रगति बाधित होती है। इसलिए भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष केवल सरकारी एजेंसियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय कर्तव्य है। ज्यूडिशियल काउंसिल का मानना है कि युवाओं की भूमिका इस अभियान में सबसे महत्वपूर्ण है। यदि युवा पीढ़ी ईमानदारी, नैतिकता और पारदर्शिता के मूल्यों को अपनाएगी, तो भविष्य में एक मजबूत और भ्रष्टाचार-मुक्त भारत का निर्माण संभव होगा। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं को भी जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से भ्रष्टाचार विरोधी संदेश को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। श्री अग्निहोत्री ने कहा कि डिजिटल तकनीक और पारदर्शी प्रशासनिक प्रक्रियाएं भ्रष्टाचार को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। सरकारी सेवाओं का अधिकाधिक डिजिटलीकरण, शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करना तथा जवाबदेही सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। साथ ही, भ्रष्टाचार की शिकायत करने वाले नागरिकों और व्हिसलब्लोअर्स को पर्याप्त सुरक्षा और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। श्री राजीव अग्निहोत्री ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई किसी एक संगठन, संस्था या सरकार की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की लड़ाई है। जब तक समाज का प्रत्येक वर्ग इस बुराई के विरुद्ध जागरूक होकर अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाएगा, तब तक स्थायी परिवर्तन संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यदि हम सभी मिलकर ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं, तो निश्चित रूप से भारत को भ्रष्टाचार-मुक्त और विकसित राष्ट्र बनाया जा सकता है। अंत में ज्यूडिशियल काउंसिल ने सभी नागरिकों से भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने, नैतिक मूल्यों को अपनाने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। संस्था का संदेश स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार रूपी दीमक को समाप्त करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और एक जागरूक, ईमानदार तथा उत्तरदायी समाज ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

शालीमार बाग में सड़क चौड़ीकरण के लिए अवैध निर्माण पूरी तरह हटाने तक जारी रहेगा अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखने के बाद सुबह से शालीमार बाग स्थित गांव हैदरपुर क्षेत्र में रोड नंबर-320 के निर्धारित राइट ऑफ वे के भीतर बने अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई तब तक जारी रहेगी, जब तक निर्धारित क्षेत्र में स्थित सभी अवैध संरचनाओं (स्ट्रक्चर्स) को हटाकर सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए भूमि उपलब्ध नहीं करा दी जाती। मध्य-उत्तर जिला के जिलाधिकारी (डीएम) एसएस परिहार ने आज बयान जारी कर बताया कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में की जा रही है। संबंधित भूमि अधिग्रहित सरकारी भूमि है, जो दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के मास्टर प्लान में सार्वजनिक सड़क के रूप में चिन्हित है तथा रोड नंबर-320 के निर्धारित राइट ऑफ वे का हिस्सा है।उन्होंने बताया कि यह सड़क

शालीमार बाग रेलवे अंडर ब्रिज (आरयूबी) को आउटर रिंग रोड से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण यातायात गलियारे का हिस्सा है। यह मार्ग रिंग रोड, आजादपुर, शालीमार बाग तथा आसपास के बड़े आवासीय, व्यावसायिक एवं संस्थागत क्षेत्रों को जोड़ता है। इसके माध्यम से अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों और विकसित हो रहे प्रशासनिक परिसरों तक पहुंच सुनिश्चित होती है। उन्होंने कहा कि सड़क की वर्तमान चौड़ाई अतिक्रमणों के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुई है, जिससे नियमित यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न होती है और एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहनों तथा अन्य आपातकालीन सेवाओं को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। परिहार ने बताया कि 6 अप्रैल को दिल्ली हाईकोर्ट ने इससे संबंधित याचिका खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं के पास पूर्व-अधिग्रहण स्वामित्व के वैध दस्तावेज नहीं हैं, भूमि का अधिग्रहण वैध है तथा सार्वजनिक महत्व की सड़क परियोजना को रोका नहीं जा सकता। इसके बाद 18 मई को पुनर्विचार याचिका भी खारिज कर दी गई। उन्होंने बताया कि इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर की। 29 मई को सर्वोच्च न्यायालय में मामले की सुनवाई हुई और न्यायालय ने विशेष अनुमति याचिका खारिज करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। इसके साथ ही प्रशासन के पक्ष को अंतिम न्यायिक स्वीकृति प्राप्त हो गई। परिहार ने कहा कि दिल्ली सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए प्रभावित पात्र परिवारों के लिए विशेष सहायता पैकेज भी घोषित किया है। इसके अंतर्गत प्रत्येक पात्र परिवार अथवा इकाई को 3 लाख रुपये की एकमुश्त एक्स-ग्रेशिया सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त जिन परिवारों के पास दिल्ली में कोई वैकल्पिक आवास उपलब्ध नहीं है, उन्हें सावदा घेवरा स्थित आवासीय इकाइयों में 11 माह तक लाइसेंस आधारित अस्थायी आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट को पांच नए जज मिले, राष्ट्रपति ने नियुक्ति पर लगाई मुहर

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में पांच नए न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाले कॉलेजियम ने हाल ही पांच नामों की सिफारिश राष्ट्रपति को भेजी थी। इनमें चार अलग-अलग हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शामिल हैं, जबकि एक वरिष्ठ अधिवक्ता का नाम भी सूची में शामिल है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इन नियुक्तियों को मंजूरी दे दी है। इसकी जानकारी केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दी। अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर लिखा, 'भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद न्यायमूर्ति शील नागू (पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट), न्यायमूर्ति चंद्रशेखर (बॉम्बे हाईकोर्ट), न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा (मध्य प्रदेश हाईकोर्ट), न्यायमूर्ति अरुण पल्ली (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट) तथा वरिष्ठ अधिवक्ता वी. सुब्रमणि मोहना को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया है। मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं।' वी. सुब्रमणि मोहना उन चुनिंदा लोगों में शामिल हैं, जिन्होंने वकालत से सीधे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बनने तक का सफर तय किया है। वह ऐसे परिवार में जन्मीं, जिसका कानून के पेशे से कोई संबंध नहीं था। वर्ष 1983 में जब भारत में पहली बार पांच वर्षीय एकीकृत विधि पाठ्यक्रम शुरू किया गया, तब उन्होंने कोयंबटूर के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज के पहले बैच में प्रवेश लिया था।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 मई को सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। सरकार संसद के अगले सत्र में इससे संबंधित विधेयक पेश करेगी। मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद वर्ष 1956 के संबंधित कानून में संशोधन किया जाएगा।

एनडीएमसी के उपाध्यक्ष ने पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम ऑन संडे' अभियान के अंतर्गत आज नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने चाणक्यपुरी स्थित डिप्लोमैटिक एन्क्लेव ओनर्स एंड रेजिडेंट्स एसोसिएशन (डीईओआरए), मलचा मार्ग में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर स्थानीय निवासी, आरडब्ल्यूए पदाधिकारी, एनडीएमसी के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने अपनी माताओं के सम्मान में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में डीईओआरए के पदाधिकारी अशोक बहल, आदित्य टंडन, अंशु देवान एवं अवधेश सहित अनेक नागरिकों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों ने कहा कि यह अभियान मां के प्रति सम्मान और प्रकृति संरक्षण को एक साथ जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास है। पौधारोपण से पूर्व कुलजीत सिंह चहल ने क्षेत्र के निवासियों एवं आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी जनहित के कार्यों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि यह अभियान

केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का एक जनआंदोलन है। एक पौधा लगाकर हम अपनी माँ को सम्मान देने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य की नींव भी रखते हैं। उन्होंने बताया कि एनडीएमसी द्वारा पूरे वर्ष हर विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। लगाए गए पौधों की देखभाल और उनके संरक्षण के लिए बागवानी, स्वास्थ्य, सिविल, सड़क, जलापूर्ति, जल निकासी एवं विद्युत विभाग मिलकर कार्य कर रहे हैं। चहल ने यह भी जानकारी दी कि आगामी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एनडीएमसी द्वारा विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने द्वारा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करें और पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से और मजबूत बनाएं। इस अवसर पर कुलजीत सिंह चहल ने आरडब्ल्यूए को पक्षियों के लिए मिट्टी के पानी के बर्तन (परिंडे) भी भेंट किए।

जयशंकर ने समोआ को स्वतंत्रता दिवस पर दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने समोआ के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वहां की सरकार और जनता को शुभकामनाएं दी। विदेशमंत्री ने एक्स संदेश में कहा,

समोआ सरकार और वहां के लोगों को आज उनके स्वतंत्रता दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। जयशंकर का यह संदेश भारत और समोआ के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों तथा आपसी सहयोग को और मजबूत करने की भावना को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि समोआ प्रतिवर्ष 1 जून को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है। यह दिन वर्ष 1962 में देश की स्वतंत्रता प्राप्ति की स्मृति में मनाया जाता है।

मूल्यांकन प्रणाली पर चिंताओं के बीच साइबर सुरक्षा टीमें ऑनमार्क पोर्टल को कर रहीं मजबूत : सीबीएसई

एजेंसी

नई दिल्ली। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने कहा कि वह एग्जाम सर्विस के लिए इस्तेमाल होने वाले ऑनमार्क पोर्टल में कमियों पर नजर रख रहा है और उन्हें ठीक कर रहा है। सरकारी एजेंसियों और आईआईटी के साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट अब सिस्टम को मजबूत कर रहे हैं। सीबीएसई का यह बयान 12वीं कक्षा के मूल्यांकन के लिए नए लागू किए गए ऑनस्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम की बढ़ती जांच के बीच आया है, जिसकी तकनीकी दिक्कतों और असेसमेंट प्रोसेस से जुड़ी चिंताओं की रिपोर्ट के बाद आलोचना हुई है। खबर है कि बड़ी संख्या में छात्रों ने अपने स्कोर में अचानक बदलाव देखने के बाद अपनी मूल्यांकन की हुई आंसर शीट का एक्सेस मांगा है। बोर्ड ने एक बयान में कहा कि हम अपने सर्विस प्रोवाइडर के ऑनमार्क पोर्टल में उन कमजोरियों पर करीब से नजर रख रहे हैं जिन्हें पब्लिक डोमेन में फ्लैग किया जा रहा है। जारी बयान में कहा गया कि पिछले कुछ दिनों में सरकार के अलग-अलग हिस्सों के साथ-साथ आईआईटी से साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल्स की एक एक्सपर्ट टीम को इन सिस्टम्स को मजबूत करने के लिए लगाया गया है, जिसमें उन्हें ज्यादा सुरक्षित सेट-अप पर ले जाना भी शामिल है। पहचानी गई कमजोरियों को कंट्रोल

कर लिया गया है और दूसरी ऐसी कमजोरियों को भी दूर किया जा रहा है जिनका फायदा उठाया जा सकता है। सीबीएसई ने कमजोरियों को बताने के लिए सतर्क नागरिकों और एथिकल हैकर्स का भी शुक्रिया अदा किया और कहा कि एजुकेशन बोर्ड ने उनमें से कुछ से सीधे संपर्क किया है। सीबीएसई ने कहा कि हम बाकी लोगों से अपील करते हैं कि वे किसी भी और इनपुट के लिए सीबीएसई के सिक्योरिटी टीम से संपर्क करें। ओएसएम सिस्टम को लेकर विवाद तब और बढ़ गया जब 12वीं कक्षा के असेसमेंट प्रोसेस के दौरान तकनीकी गड़बड़ियों और मूल्यांकन से जुड़ी चिंताओं की रिपोर्ट सामने आईं। इंटरनल रिव्यू के दौरान सामने आई जानकारी के मुताबिक, बोर्ड ने इसे लागू करने से पहले देश भर में पायलट प्रोजेक्ट चलाए बिना डिजिटल इवैल्यूएशन सिस्टम शुरू किया। बाद की जांच में कथित तौर पर पाया गया कि डिजिटल इवैल्यूएशन प्रोसेस के दौरान दिक्कतें पता चलने के बाद काफी संख्या में आंसर बुक को एक्स्ट्रा प्रोसेसिंग से गुजरना पड़ा। मौजूदा जानकारी के मुताबिक 68,000 से ज्यादा आंसर शीट को दोबारा स्कैन किया गया, जबकि लगभग 13,500 आंसर बुक को इमेज-क्वालिटी की चिंताओं और उससे जुड़ी टेक्निकल दिक्कतों की वजह से मैनुअल वेरिफिकेशन की जरूरत पड़ी।

आलोचना के बावजूद सीबीएसई ने उन आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि सिस्टम में डेटा ब्रीच हुआ था या हैकिंग के जरिए कॉम्प्रोमाइज किया गया था। बोर्ड ने साफ किया कि एक साइबर सिक्योरिटी रिसर्चर द्वारा हाइलाइट किया गया एक वेब लिंक सैंपल जानकारी वाले टेस्टिंग एनवायरनमेंट से जुड़ा था और असल परीक्षा मूल्यांकन या स्टूडेंट डेटा के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले लाइव पोर्टल से लिंक नहीं था।

6 जून तक एनसीआर में गर्मी से राहत, 1 और 2 जून को बारिश-आंधी का येलो अलर्ट जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लोगों को फिलहाल भीषण गर्मी से राहत मिलने के आसार हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ताजा मौसम भविष्यवाणी के अनुसार 1 और 2 जून को क्षेत्र में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने इन दोनों दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके चलते अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी पर रोक रहेगी और पूरे सप्ताह पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार जाने की संभावना नहीं है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक 1 जून को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दोपहर और शाम के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश, गरज-चमक तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। 2 जून को भी मौसम लगभग इसी तरह बना रहेगा। अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन भी दोपहर और शाम के समय हल्की बारिश, बिजली चमकने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई है।मौसम विभाग के अनुसार 3 जून को अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन भी गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना बनी रहेगी, हालांकि किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है। 4 जून को भी मौसम का मिजाज लगभग ऐसा ही रहने की उम्मीद है। अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन भी गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है, लेकिन कोई विशेष चेतावनी नहीं है। इसके बाद 5 जून और 6 जून को मौसम अपेक्षाकृत साफ रहने की संभावना है। दोनों दिनों में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान क्रमशः 27 और 28 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

दिल्ली में संचालक, टीम ने खतरनाक हालात में की कार्रवाई

संभल/ लखनऊ। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी पर छापेमारी के दौरान आयकर विभाग को एक मदरसे से कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले। जांच में कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद और दो की शाहीनबाग में मिली। आयकर विभाग अब चारों से पूछताछ की तैयारी कर रहा है। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी के ठिकानों पर आयकर विभाग के छापों के दौरान एक कथित मदरसे से दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इस मदरसे में आयकर विभाग की टीम के पहुंचते ही वहां पढ़ रही लड़कियां बैग लेकर भाग गईं। हालांकि टीम ने कुछ घरों को चिह्नित कर बैग बरामद किए, जिसमें कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। वहीं छापे के दौरान कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद के इलाके में, जबकि अन्य दो की शाहीनबाग में पाई गई। आयकर विभाग अब चारों को तलब कर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी में है। दूसरी ओर कंपनी के स्लॉटर हाउस की जांच में पशुओं की निर्मम तरीके से कटान करने का खुलासा भी हुआ है। कंपनी को करीब 700 पशुओं के कटान की अनुमति दी गई थी, जबकि वहां पर एक हजार से अधिक पशुओं की कटान करने के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। यह भी पता चला है कि गर्भवती भैंसों और पड़वों को भी काटकर उनका मांस बेचा जा रहा था। आयकर विभाग इसकी गहनता से जांच करने के लिए पशु चिकित्सकों की रिपोर्ट, पशुओं की खरीद-फरोख्त से जुड़े दस्तावेजों और कंपनी द्वारा बेचे जा रहे मांस की मात्रा के आधार पर तथ्यों को जुटा रहा है। इसके बाद कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए संभल के जिला प्रशासन, नगर पालिका और उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पत्र लिखा जाएगा। जांच में संभल में तैनात कुछ विभागों के अफसरों की कंपनी संचालकों के साथ मिलीभगत के प्रमाण भी हाथ लगे हैं। ये सभी कंपनी के गैरकानूनी कृत्यों को संरक्षण दे रहे थे। दरअसल, कंपनी के ठिकानों से मिली कुछ डायरियों में कोड वर्ड में अफसरों को भेजी गई घूस की रकम का जिक्र है, जिसकी दिवाली के बाद गहनता से जांच की जाएगी। वहीं दूसरी ओर अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान यह सूचना भी मिली कि एक मस्जिद से आयकर विभाग की टीम को खदेड़ने का एलान किया गया है। जिसके बाद तत्काल एसपी संभल से संपर्क कर अतिरिक्त फोर्स बुलाई गई। वहीं छापे के तीसरे दिन ड्यूटी समाप्त होने पर पीएसी बल वापस जाने लगा तो अधिकारियों के सामने दोबारा पत्र भेजकर फोर्स बुलाने की नौबत आ गई।

प्रेमी युगल ने ट्रेन के सामने लगाई छलांग

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार को प्रेमी युगल ने ट्रेन के सामने कूदकर सुसाइड कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। साथ ही उनके घरवालों को सूचना दे दी गई है। घटना तालकटोरा थाना इलाके के आलमनगर स्टेशन के पासकी है। युवक की पहचान निशातगंज के न्यू हैदराबाद निवासी सूर्यकांत (40) व युवती की पहचान अर्जुनगंज निवासी दीपाली (25) के रूप में हुई है। बताया गया कि सूर्यकांत पहले से विवाहित था, जबकि दीपाली अविवाहित थी। प्रारम्भिक जांच में पता चला कि दो दिन पहले सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दीपाली की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

वह और सूर्यकांत दोनों कैंट थाना क्षेत्र के सदर में एक प्राइवेट ऑफिस में साथ कार्य करते थे।

PUBLIC NOTICE

I, Mr. Anil Kumar, S/o Mr. Maha Singh, R/o House no. 675 gali no. 11, Block L-I, Sangam Vihar, New Delhi, 110062, hereby declare that I have severed all my relations with my son, Mr. Kunal Dahiya, due to his conduct and activities, which are against my wishes and interests. Henceforth, Mr. Kunal Dahiya. S/o Mr. Anil Kumar, shall have no concern with my movable or immovable properties, assets, or affairs. Any person dealing with him shall do so at his/her own risk and responsibility.

(Anil Kumar)

NAME CHANGE

I, RESHMA, is legally spouse of Army No. 2814136H, Rank - Nk, Name - PATADE SARJERAO BAJIRAO, presently residing at Vill - Walwa BK, Post - Walwa BK, Teh - Radhanagari, Dist - Kolhapur, State - Maharashtra, Pin - 416221, have changed my name from RESHMA to RESHMA SARJERAO PATADE for all future purposes. Vide affidavit dated 01/06/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, INDIRA, is legally mother of Army No. 2811437F, Rank – Hav, Name – AGASHE VIKRAM SUKHDEO, presently residing at Vill – Nilaj Khurd, Post – Nawegaon, Teh – Mohadi, Dist – Bhandara, State – Maharashtra, Pin – 441905, have changed my name from INDIRA to INDIRA SUKHDEO AGASHE for all future purposes. Vide affidavit dated 01/06/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, MANDABAI, is legally mother of Army No. 2813374H, Rank – Sep, Name – ALGAT JANARDHAN VISHNU, presently residing at Vill – Rajapur, Post – Rajapur, Teh – Yeola, Dist – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 423403, have changed my name from MANDABAI to MANDABAI VISHNU ALGAT for all future purposes. Vide affidavit dated 01/06/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, VACHCHHALA, is legally mother of Army No. 2811396H, Rank – Hav, Name – KADU VIKAS BHAYYAJI, presently residing at Vill – Katol, Post – Katol, Teh – Katol, Dist – Nagpur, State – Maharashtra, Pin – 441302, have changed my name from VACHCHHALA to VACHCHHALA BHAYYAJI KADU and date of birth from 12/05/1965 to 07/07/1969 for all future purposes. Vide affidavit dated 01/06/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, INGALE SHALAN ASHOK, is legally mother of Army No. 2823454N, Rank – Sep, Name – INGALE ROHIT ASHOK, presently residing at Vill – Shirsawadi, Post – Shirsawadi, Teh – Khatav, Dist – Satara, State – Maharashtra, Pin – 415506, have changed my name from INGALE SHALAN ASHOK to SHALAN ASHOK INGALE for all future purposes. Vide affidavit dated 01/06/2026 before Public Notary Delhi.

DATE OF BIRTH CORRECTION

I, SUGADARE SHEETAL SURESH, is legally mother of Army No. 2815033W, Rank – Sep, Name – SUGADARE SURAJ SURESH, presently residing at Vill – Ghatkopar , Post – Barve Nagar, Teh – Kurla, Dist – Mumbai, State – Maharashtra, Pin – 400084, have corrected my date of birth from 18/03/1975 to 19/03/1975 for all future purposes. Vide affidavit dated 01/06/2026 before Public Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है, कि मेरे मुवक्किल श्री चरण सिंह और श्रीमती पिंकी, दोनों निवासी मकान नंबर ञ-98/2, ग्राम चिराग-दिल्ली, नई दिल्ली-110017 ने अपने पुत्र अभिषेक और पुत्र वधू श्रीमती मनीषा को उनके अवज्ञाकारी और दुर्व्यवहार आचरण, के कारण, अपनी सभी चल एवं अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है, और अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिए हैं। जो भी व्यक्ति उनसे भविष्य मे लेन-देन करेगा, वह अपने जोखिम, व्यय और जिम्मेदारी पर करेगा।

विनोद यादव अधिवक्ता
LL.M;D/1449/2006
चैंबर नंबर 606, लॉयर्स चैंबर ब्लॉक
साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स
नई दिल्ली-110017
मोबाइल- 9999561580
ईमेल-
ADVOCATEVINODYADAV@GMAIL.COM

NAME CHANGE

I, SAYRA BANO W/O SHAKIL AHMAD residing at H NO C-56, DEVLI ROAD, RAJU PARK, KHANPUR, NEW DELHI-110062. have changed my name to SAYRA PARVEEN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SANDEEP S/O SUMER SINGH MALIK R/O H.NO-B-210, SURYA VIHAR,NEAR SECTOR-4 POLICE STATION, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO SANDEEP MALIK FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE

Mr. Phool Singh Owner of the Residential House no 155-156A, Nyay Khand-2, Indirapuram , Ghaziabad, U.P. Mr. Phool Singh have lost Original allotment Letter dated 01.03.2002 issued by GDA in favour of Mr. Phool Singh for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his kumardk5920@gmail.com with docu-mentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

Mr. Tajwar Singh
Off. Prop No 42M, Upper Ground Floor, Right Side, KH No 147.
Rajpur Khurd, Chhattpur, Raj Pur Khurd, Lgnou, South Delhi, Delhi 110068
M-NO-081717 90189

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री मुफीद आलम पुत्र स्वर्गीय श्री शम्मीउल हसन, निर्मित प्लॉट संख्या 71, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, जो खसरा संख्या 67/14 से संबंधित है तथा ग्राम हस्तसाल, कॉलोनी ओम विहार, फेज-IV, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 में स्थित है, के स्वामी हैं। उक्त स्वामित्व उन्हें दिनांक 03.03.2026 के त्यागपत्र (Relinquishment Deed) के माध्यम से प्राप्त हुआ, जो श्रीमती शमा परवीन पत्नी श्री अनवर हुसैन एवं पुत्री स्वर्गीय श्री शम्मीउल हसन, श्रीमती रूबी पत्नी श्री शहनवाज एवं पुत्री स्वर्गीय श्री शम्मीउल हसन तथा श्री खुर्शीद आलम पुत्र स्वर्गीय श्री शम्मीउल हसन द्वारा निष्पादित किया गया था। उक्त दस्तावेज दस्तावेज संख्या 2026/25/ढ्ढ/8251, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 17753, पृष्ठ संख्या 41 से 52 तक, दिनांक 24.03.2026 को उप-पंजीयक (SR-West), जनकपुरी कार्यालय में पंजीकृत किया गया था। इसके अतिरिक्त, दिनांक 21.04.2026 का एक संशोधन विलेख (Rectification Deed) भी निष्पादित किया गया, जो दस्तावेज संख्या 2026/25/I/11142, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 18027, पृष्ठ संख्या 103 से 112 तक, दिनांक 22.04.2026 को उप-पंजीयक (SR-West), जनकपुरी कार्यालय में पंजीकृत किया गया था। यह भी अवलोकित किया गया है कि स्वर्गीय श्री शम्मीउल हसन पुत्र श्री बाबू खान का SMC (Surviving Member Certificate) विक्रेता के पास उपलब्ध नहीं है तथा शीर्षक दस्तावेजों (Property Chain) में भी उपलब्ध नहीं कराया गया है। उक्त संपत्ति को श्रीमती गीतांजलि कुमारी पत्नी श्री अभिषेक कुमार सिंह के पक्ष में विक्रय किया जाना प्रस्तावित है तथा उक्त संपत्ति का वित्तपोषण (Finance) बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I KAILASHI W/O MAHESH R/O E 46 GOVT PRESS 11 NOMBER , MINTO ROAD DHOBE GHAT KALI MANDI DELHI- 110002 have changed my name to KAILASHI DEVI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SNIGDHA D/O VINOD KUMAR VERMA R/O A-206 GEETANJALI APARTMENT KARKAR DOOMA DELHI -110092 have changed my name to SNIGDHA VERMA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I NELLI KKAYIL PADMANABHAN NAIR AJAY KUMAR S/O P PADMANABHAN NAIR R/O 147 -B POCKET-6 MIG FLAT MAYUR VIHAR PHASE -3 DELHI-110096 have changed my name to AJAY KUMAR N P Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, SHAMIM S/O MOHMMAD JANIF R/O H.NO C-177/5 STREET NO-8 SHASTRI PARK NEW SEECAMPUR DELHI 110053, CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD SHAMIM.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD SABIR SON OF SH MOHD SAFI R/O H NO.C-12/178, F/F, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME MOHD SABIR FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, SHAZIM MODI SON OF SH ABDUL MANNAN MODI R/O H NO.B-720, GALI NO-7, KABIR NAGAR, NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME SAZIM MODI FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Chetan Bhatia** is purchasing the Plot No. 79, area measuring 555.55 sq. yds., out of khasra no. 45 min., residential colony Ramprastha, Sector12, village Maharjpur, Pargana Loni, Distt. Ghaziabad, U.P. from Ms. Renu Singhal and Mr. Vinod Gupta who are the legal heirs of Late Mr. Amrit Lal Gupta and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, NO-2615317W, Rank-NK, Name-RAJ KUMAR BALI residing at 1-52, VPO MUDDURU, TEHSIL-BONDAPALLE, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535280, have changed my father's name from PYDI NAIDU to BALI PYDI NAIDU for all future purposes vide Affidavit dated 01/06/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I SURENDRA MOHAN S/O BAHADUR RAM ARYA R/O A-4 A. GALI NO 4, VISHWAS PARK EXTENSION RAJA PURI ROAD UTTAM NAGAR WEST DELHI-110059, HAVE CHANGED MY NAME TO SURENDRA MOHAN ARYA ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, SAYARA BANO W/O ABHISHEK TIWARI residing at H NO-3/191, TRILOK PURI, DELHI-110091. have changed my name to SONI TIWARI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ANKITA SINGH GOEL W/O ARPIT GOEL R/O FARM Notes,CLUB DRIVE, GHITORNI, GADAIPUR, SOUTH DELHI,DELHI-110030 HAVE CHANGED MY NAME ANKITA GOEL FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, MOHD ILLIYAS KHAN S/o Mohd Yusuf R/o R-635/1, Gali No.3, Joga Bai Extn., Jamia Nagar, Delhi-110025, have changed my name from MOHD ILLIYAS KHAN to MOHD ILIYAS permanently

NAME CHANGE

I, SANZOG KUMAR S/o Shashi Bhushan R/o F-21 D, Budh Vihar, Phase-1, Delhi-110086, have changed my name from SANZOG KUMAR to SANZOG SHRIVASTAV permanently.

NAME CHANGE

I, POONAM W/o MIHIR KUMAR R/o Bhojawas (42), Bhojawas, Mahendragarh - 123034 (Haryana) have changed my name from POONAM to POONAM DHANSOIYA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Repudaman Singh S/o Satnam Singh R/o 387-A, Second Floor, Gali No.5, Govindpuri, Kalkaji, New Delhi-110019 have changed my name to Ripudaman Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Pramod Kumar S/o Om Prakash Bansal R/o H. No. HR-21C, Pul Pehladpur, South Delhi-110044 have changed my name to Pramod Kumar Bansal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SATYAPAL S/O GIRIVAR SINGH R/O RAMPUR, PO: KASIMPUR, District Aligarh, Uttar Pradesh-202127, have changed the name of my minor daughter PURNMA aged 12 years and she shall hereafter be known as KHUSHI.

NAME CHANGE

I, Raja alias Alfaiz S/O Muktyar Ahmed R/O H. N. 7 Ward- 0023 Jawahar Nagar, Muradnagar, PO: Murad Nagar, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh -201206, have changed my name and shall hereafter be known as Alfaiz. I, have changed only my name not my religion

NAME CHANGE

I hitherto known as Kannu Prasad D/o Braham Prakash Bansal R/o A-98 sector-47 Noida Uttar Pradesh have changed my name and shall hereafter be known as Kajal Bansal.

NAME CHANGE

I hitherto known as Buti Sinha W/O: Ranjit Kumar, R/O Thana No-62, Bagodar, Nawada, Bihar - 805103, have changed my name and shall hereafter be known as BEAUTY SINHA.

NAME CHANGE

I,VISHAKHA MANCHANDA W/O SHABAD MANCHANDA R/O H - 38, BLOCK - H, JANGPURA EXTN., Jungpura,PO: Jungpura, DIST: South Delhi, DELHI 110014, CHANGED MY NAME TO VISHAKHA JOSHI.

NAME CHANGE

I, MOHAMMED ASHARAF S/o ABDUL MAJID R/o H NO-8, BAJYAWAS, SIKAR, RAJASTHAN-332601 have changed my name to MOHAMMAD ASHRAF.

NAME CHANGE

I, Saboo M J S/o Late Jacob M.D, R/o 484, 1st Floor Ashoka Enclave Part 3, Sector-35 Faridabad, Haryana 121003 have changed my name to Augustine M J.

NAME CHANGE

I, SUBODH S/o PARMESHWAR DASS R/o House No-23, 1st Floor, Khasra No-45/12, Tiranga Chowk, Outer Delhi, Delhi - 110043 have changed my name from SUBODH to SUBODH KUMAR for all intents and purposes.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Geeta Devi W/o Mr. Dharmendra Singh is the owner and in possession of a Freehold Residential Plot No. 3A and 3B, area measuring 250 Sq. Yards (209.025 Sq. Meters), out of Khasra No. 944, Situated at Sabhapur Extn, Village Loni, Pargana & Tehsil Loni & District Ghaziabad, U.P. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 18.05.2026, duly registered as Document No. 9915, in Book No. 1, Volume No. 4759, on Pages 313-336, on 18.05.2026, with the Sub-Registrar Office Loni II, Ghaziabad. In the chain of documents, the (1) Death Certificate & SMC of Late Shrimati Raj Sharma expired on 10.12.2022 & (2) Probate Order of Registered Will dated 14.08.2017 are not available; Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Jhandewalan New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I PATANG legally father of Army No - 2801414M, Rank - HAV, Name - SHINDE SANTOSH PATANG, Presently Residing At - RANJANI, POST - RANJANI Teh - KAVATHE, MAHANKAL, Dist - SANGLI, State- MAHARASTRA, Pin - 416411, have changed my name from PATANG to PATANGRAV TUKARAM SHINDE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 18/11/1961 instead of my correct date of birth as 01/06/1950 Vide Affidavit dated 01/06/2026 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE

I, YOGI TIWARI S/O GAURI TIWARI R/O 16/2-ARYA SAMAJ ROAD KAROL BAGH DELHI 110005, CHANGED MY NAME TO JOGI TIWARI.

NAME CHANGE

I SUBHADRABAI legally Mother of Army No - JC 462714K Rank - NB /SUB Name - GAVHANE RAMNATH PUNDLIK Presently Residing At - GOLEGAON (BUDRUKH), POST-GOLEGAON (BUDRUKH Teh -SILLOD , Dist - AURANGABAD State- MAHARASTRA, Pin - 431112 have changed my name from SUBHADRABAI to SUBHADRABAI PUNDLIKRAO GAVHANE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 10/01/1957 instead of my correct date of birth as 01/01/1953 Vide Affidavit dated 01/06/2026 before Notary Public Delhi

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती भारती गोयल पत्नी श्री प्रमोद कुमार, निर्मित द्वितीय तल (फ्रंट RHS), बिना छत अधिकार (Without Roof Rights), क्षेत्रफल 100 वर्ग गज अर्थात 83.61 वर्ग मीटर, संपत्ति संख्या A-10/2, कुल भूमि क्षेत्रफल 300 वर्ग गज, खसरा संख्या 632, 633, 642 एवं 643 में स्थित, ग्राम नवादा, दिल्ली राज्य, कॉलोनी नवादा एक्सटेंशन, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 की स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति उन्हें दिनांक 18.06.2023 के नोटरीकृत सामान्य मुख्तारनामा (General Power of Attorney) (एग्रीमेंट टू सेल सहित) के माध्यम से प्राप्त हुई है, जिसे श्रीमती सरिता कुशवाहा पत्नी श्री चंदर प्रकाश द्वारा निष्पादित किया गया था। उक्त संपत्ति को इच्छुक उधारकर्ता/उधारकर्ताओं (Intending Borrower(s) को विक्रय किया जाना प्रस्तावित है। कृपया अवगत रहें कि उक्त संपत्ति के विरुद्ध वित्तपोषण (Housing Finance) का प्रस्ताव Aditya Birla Housing Finance Limited, शाखा गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

आपको सूचित किया जाता है कि श्रीमती मंजू वर्मा, खसरा संख्या 409/274 में स्थित खसरा संख्या 560/1 (निजी दुकान संख्या 01) के भाग, भूतल (एल टाइप) पर एक दुकान की मालिक हैं। यह दुकान ब्लॉक-ए की आबादी में स्थित है, जो गांव चिल्ला सरोन्दा बंगेर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110096 के क्षेत्र में है। यह संपत्ति मेसर्स पी.सी.एस. डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दिनांक 27.02.2020 को निष्पादित नोटरीकृत जीपीए और एटीएस के माध्यम से से मलिक है और यह संपत्ति उपहार स्वरूप श्रीमती ज्योति वर्मा को दी जानी है और इसका वित्तपोषण वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कंपनी द्वारा किया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति को इस संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति है, तो कृपया नोटिस की तिथि से 7 दिनों के भीतर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक द्वारा और ईमेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजें। ऐसा न करने पर, उक्त दावा संबंधित संपत्ति के संबंध में अमान्य माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I SAKUBAI legally mother of Army no - 2809046X, Rank - SEP, Name - UBARHANDE SIDHDESHWAR Presently Residing At - Pangari, Post- Pangari, Teh - Buldhana, Dist - BuldhanaPin - 443301, State- Maharashtra have changed my name from SAKUBAI to SAKUBAI BHASKAR UBARHANDE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 03/04/1970 instead of my correct date of birth as 01/01/1968 Vide Affidavit dated 01/06/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I BHASKAR legally father of Army no - 2809046X, Rank - SEP, Name - UBARHANDE SIDHDESHWAR Presently Residing At - Pangari, Post- Pangari, Teh - Buldhana, Dist - Buldhana Pin - 443301, State- Maharashtra have changed my name from BHASKAR to BHASKAR SHRIRAM UBARHANDE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1960 instead of my correct date of birth as 15/05/1943 Vide Affidavit dated 01/06/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, BASANT S/o CHAND RAM R/o H.No.151, Vpo Chulliana, Rohtak-124501, Haryana, have changed my name from BASANT to BASANT KUMAR permanently

NAME CHANGE

I, SUDESH BALA W/o Ram Niwas R/o 6A, Chanchal Park, Bakkar Wala, Nangloi, Delhi-110041, have changed my name from SUDESH BALA to SUDESH permanently

NAME CHANGE

I, DEEPIKA DEWEDI W/o Rohit Shukla R/o Plot No.24, F. Floor, Hans Park, Part-2, Palam Vihar Extn., Gurugram-122017, Haryana, have changed my name from DEEPIKA DEWEDI to DEEPIKA DWIVEDI permanently

NAME CHANGE

I, Km Vinita John W/o Sunder Masih R/o House No. 002, UGF Plot No.211-212, Near Dada, Bhaiya Park, Nawada,Uttam Nagar, New Delhi-110059, have changed my name to Vineeta Masih for all future purposes

NAME CHANGE

I,Farooq Ahmed s/o Mohd Yaqoob R/o Rz-213-F, 2nd Floor B/s Gali N0-16, Tughlakabad Extn, Alaknanda, PO- Kalkaji, Delhi-110019 have changed my name to Farooq for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as Priya Gusain alias Priya Negi D/o Dharmendra Singh W/o Sachin Negi R/o Flat No C-3, Plot No 159, Near Mangal Chowk, Gyan Khand 4, Indirapuram, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 have changed my name and shall hereafter be known as Priya Negi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Shelu S/O Jai Singh, R/O KH NO -79, ILLAICHIPUR, VISTAR LONI, VTC: Loni Dehat, PO: Loni, uSub District: Ghaziabad, District: Ghaziabad, State: Uttar Pradesh, PIN Code: 201102, have changed my name and shall hereafter be known as Aman Verma.

NAME CHANGE

I hitherto known as Kamla W/O: Mohan Lal, R/O Tilbegumpur, Bulandshahr, Uttar Pradesh, 203205, have changed my name and shall hereafter be known as KAMALESH.

NAME CHANGE

I Army no -JC881491A, Rank - Nb Sub (Gnr), Name - Ravsaheb Santu Pawar, Presently Residing, At - Nashik, Post- Nashik Road Teh - Nashik Road, Dist - Nashik, State- Maharashtra Pin - 422101 have changed my name from PAWAR RAVSAHEB SANTU to RAVSAHEB SANTU PAWAR for all future purposes, Vide Affidavit dated 01/06/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I NABHU BEE legally mother Army No-2810006H Rank- Sep, Name - DARVESH ALLI, Presently Residing, At - Penchikalpadu, Post- Penchikalpadu, Teh- Ghattu, Dist- Jogulamba Gadwal, State- Telangana Pin- 509132 have changed my name from NABHU BEE to NABUBEE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 18/08/1965 instead of my correct date of birth as 01/12/1962 Vide Affidavit dated 01/06/2026 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE

I CH BALA LINGANNA legally father of Army No - 15228463F, Rank - Hav, Name - CHOUTIPALLE NARENDRA, Presently residing, At - Gundampadu Post- Gundampadu, Teh - Sirivella, Dist - Nandyal, State- Andhrapradesh, Pin - 518583, have changed my name from CH BALA LINGANNA to CHOWTAPALLE BALA LINGANNA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/11/1966 instead of my correct date of birth as 08/05/1960 Vide Affidavit dated 01/06/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I CHOUTIPALLE VENKATASUBBAMMA legally mother of Army No - 15228463F, Rank - Hav, Name - CHOUTIPALLE NARENDRA, Presently residing, At - Gundampadu Post- Gundampadu, Teh - Sirivella, Dist - Nandyal, State- Andhrapradesh, Pin - 518583, have changed my name from CHOUTIPALLE VENKATASUBBAMMA to KURUVA VENKATASUBBAMMA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 06/05/1969 instead of my correct date of birth as 08/05/1967 Vide Affidavit dated 01/06/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I SARJERAO legally father of Army no - JC-462770H Rank - Nb Sub, Name - Mhasake Pradip Sarjerao, Presently Residing At - Palsoshi, Post - Nere, Teh - Bhor, Dist - Pune State - Maharashtra, Pin no - 412206 have changed my name from SARJERAO to SARJERAO DAGADU MHASKE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 09/07/1947 instead of my correct date of birth as 01/01/1944 Vide Affidavit dated 01/06/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I FULABAI legally mother of Army no - JC-462770H Rank - Nb Sub, Name - Mhasake Pradip Sarjerao, Presently Residing At - Palsoshi, Post - Nere, Teh - Bhor, Dist - Pune State - Maharashtra, Pin no - 412206 have changed my name from FULABAI to FULABAI SARJERAO MHASKE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 09/07/1952 instead of my correct date of birth as 01/01/1950 Vide Affidavit dated 01/06/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I. Pardeep Kumar S/o Dharampal R/o H no. 2-C/228 Nangloi extension Delhi 110041 have changed my name to Pradeep

NAME CHANGE

I. Sushila w/o Pradeep R/o H no. 2-C/228 Nangloi extension Delhi 110041 have changed my name to Sheela

NAME CHANGE

I MAHESH KUMAR & MAHESH S/O BULAKI RAM R/O E 46 GOVT PRESS 11 NOMBER , MINTO ROAD DHOBE GHAT KALI MANDI DELHI- 110002 have changed my name to MAHESH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

It is for general information that I, BIJAY KUMAR TIRKEY S/o JOSEPH TIRKEY, R/o 1188/1185, Old Vijay Nagar, Sector-9, Vijay Nagar, PO-Vijai Nagar, Distt.-Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009, declare that name of mine and my father have been wrongly written as BIJAY KUMAR TIRKY and JOSHAF in my Service Record. The actual name of mine and my father are BIJAY KUMAR TIRKEY and JOSEPH TIRKEY respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

I, Mrs. RIPLA BHATIA W/O Mr. KAPIL BHATIA R/O D-314, SF, SEC-47, NOIDA UP, HAVE LOST/misplaced some where the original SALE DEED of my FLAT NO. 701, SAHYOG BUILDING, 58, NEHRU PLACE, NEW DLEHI-110019 (Regs No-1656, Book No-1, Vol No-10895, Page-45-55, date- 01.02.2011 Sub Reg V, MEHRAULI), PURCHASE AGREEMENT DATED 09.09.1979 executed between Vikas builders & engineers, and Shri Vinod Chand Rishi and further endorsement in favour of M/s LINK INTERNATIONAL, M/s CENTRAL HIMALAYAN LAND DEVELOPMENT COMPANY LIMITED and Mrs. RIPLA BHATIA, along with other documents of the said property no. 701, Sahyog Building AGREEMENT TO SELL (Regs No-10749, Book N0 -1, Vol No-8648, Page-166-173, Date 11.07.2008, SR V, MEHRAULI), PURCHASE AGREEMENT Date-08.09.1979 M/S VIKAS BUILDERS AND ENGINEERS AND SH VINOD CHAND RISHI (ALONG WITH OTHER DOCUMENTS) OF THE PROPERTY FLAT NO-701 SAHYOG BUILDING -58 NEHRU PLACE NEW DELHI.

NAME CHANGE

I, MONI RANI GOEL W/O MANISH KUMAR residing at C-16 KRISHN PARK DEOLI ROAD KHANPUR DEVLI AMBEDKAR NAGAR DELHI-110080 . have changed my name to MONIKA AGGARWAL for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SARITHA GITHEESH wife of JC-702719X, Rank-SUB Name-GITHEESH KUMAR KM residing at- KRISHNAVILASM, VPO-KARODE, DIST-THIRUVANANTHAPURAM, KERALA-695506, have changed my name from SARITHA GITHEESH to SARITHA T S for all future purposes vide Affidavit dated 01/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ALAPNA DEVI wife of No.-14674478A, Rank-HAV, Name-DHANNJAY KUMAR residing at VILL-DAUDPUR, PO-DANAPUR, TEHSIL-DANAPUR, DIST-PATNA, BIHAR-801502, have changed my name from ALAPNA DEVI to ALPANA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 01/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, CHANDRAWATI DEVI mother of No-15232190K, Rank-NK (GNR), Name-PRADEEP KUMAR residing at H.NO-139, AJAMPUR URF TORAI BANGAR, ANUPSHAHR, BULANDSHAHR, UTTAR PRADESH-202390, have changed my name from CHANDRAWATI DEVI to CHANDRAWATI for all future purposes vide Affidavit dated 30/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, LEELAWATI Mother of No.15146917X, Rank-HAV (GNR) Name- SANJAY CHAUHAN R/o H. No. 3, GALI NO-8, SITA VIHAR COLONY JANKIPURAM, LUCKNOW, U.P-226021, have changed my name from LEELAWATI to LILADEVI GIRDHARI CHAUHAN for all future purposes vide Affidavit dated 01/6/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, GIRIDHARI CHAUHAN father No.15146917X, Rank-HAV (GNR) Name- SANJAY CHAUHAN R/o H. No. 3, GALI NO-8, SITA VIHAR COLONY JANKIPURAM, LUCKNOW, U.P-226021, have changed my name GIRIDHARI CHAUHAN to GIRDHARI BIGAN CHAUHAN for all future purposes vide Affidavit Dated 01/06/2026 before Notary Public, Delhi.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr P.C./ 84 BNSS** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **अरशद सैफी, पुत्रः** श्री निसार, **पताः** गांव पहलेदगरी, म.नं. वसुंधरा, गाजियाबाद, यूपी, मयूर पब्लिक स्कूल के पास, ने **CCNI Act: 2232/23, U/s: 138 NI Act, थानाः फर्श बाजार,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **अरशद सैफी,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **अरशद सैफी,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CCNI Act: 2232/23, U/s: 138 NI Act, थानाः फर्श बाजार,** के उक्त अभियुक्त, **अरशद सैफी,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अभिनव अहलावत
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-02
कमरा नंबर 38, भूतल
कडकडडूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/7098/SHD/2026
(Court Matter)

RAMGARHIA CO-OPERATIVE BANK LTD.,
1/4, Desh Bandhu Gupta Road, Pahar Ganj, New Delhi – 110 055.

SYMBOLIC POSSESSION NOTICE SECTION 13(4)
(For Immovable property)

Whereas:

The undersigned being the Authorised Officer of the **Ramgarhia Co-operative Bank Ltd.** under Securitization And Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (Act 54 of 2002 (hereinafter referred to as "the Act") and in exercise of powers conferred under Section 13(2) read with Rule 3 of the Security Interest (Enforcement) Rules 2002, issued a Demand Notice details given as below we had pasted the same notice on the property calling upon the Borrower/Guarantor Borrower/ Co Borrower to repay the amount mentioned in the notice, respectively within 60 days from the date of receipt of the said notice.

The borrower having failed to repay the amount, notice is hereby given to the borrower and the public in general that the undersigned has taken possession of the property described herein below in exercise of powers conferred on him / her under section 13(4) of the said Act, read with Rule 8 & 9 of the said Rule on this **30th day of May of the year 2026.**

S. No	Name of the Borrower/ Guarantor/ Borrower/Co-Borrower	Property Details	Date of issuing 13(2)	Date of issuing 13(4)	Amount
1.	Sh. Chanchal Singh S/o Sh.Gurbaksh Singh (Guarantor) Smt. Bhupinder Kaur (Deceased) through all her legal heirs	All Piece and Parcels of: Freehold property No. 6/35, Entire Basement (without Terrace/Roof rights), Old Rajinder Nagar, New Delhi – 110060. (More fully described in Schedule A hereto)	31/01/2026	30/05/2026	Rs.12,09,927.00 (Rupees Twelve Lakh Nine Thousand Nine Hundred Twenty Seven only) as on 31/12/2025 + further interest and legal charges
2	M/s N.K. Enterprise Prop. Sh. Gurmeet Singh S/o Chanchal Singh, (Guarantor) Smt. Bhupinder Kaur (Deceased) through all her legal heirs Sh. Chanchal Singh	All Piece and Parcels of: Freehold property No. 6/35, Entire Basement (without Terrace/Roof rights), Old Rajinder Nagar, New Delhi - 110060(More fully described in Schedule A hereto)	12/01/2026	30/05/2026	Rs.35, 53,169/- (Rupees Five Lakh Fifty Three Thousand One Hundred Sixty Nine Only) as on 31/12/2025 + further interest and legal charges
3	Sh, Manoj Kumar S/o Sh. Man Singh, (Guarantor) Smt. Kushalya, Sh. Sandeep Chugh	All Piece and Parcels of: Third Floor with roof/terrace rights out of Property Bearing No.-10796, Manakpura, Karol Bagh, New Delhi-110005, land measuring 33.44 Sq. Yards. (More fully described in Schedule A hereto)	12/01/2026	30/5/2026	Rs.7,49,210/-. (Rs. Seven Lakh Forty Nine Thousand Two Hundred Ten Rupees Only) as on 31/12/2025 + further interest and legal charges

The borrower's attention is invited to the provisions of Section 13(8) of the Act, in respect of time available, to redeem the secured assets.

Authorized Representative
Phone : 011- 40192447, 011- 45595302
E-mail : rcbl_ho@ramgarhiabank.com

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सिरसा में यूरिया खाद की कालाबाजारी का भंडाफोड़, ट्रक कब्जे में

एजेंसी

सिरसा। सिरसा जिले के गांव भंबूर में कृषि ग्रेड की यूरिया खाद को 50 किलो के गट्टों में बदलकर टेक्निकल ग्रेड के नाम पर राजस्थान भेजे जाने का मामला सामने आया है। भारतीय किसान एकता के अध्यक्ष लखविंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि कृषि ग्रेड की यूरिया खाद गट्टों में बदलकर टेक्निकल ग्रेड में बेचा जा रहा है। लखविंद्र सिंह ने बताया कि खेती में प्रयोग होने वाली यूरिया खाद जो कि 45 किलो के गट्टे किसानों को सब्सिडी पर दिए जाते हैं, उन्हें कुछ लोगों द्वारा गलत तरीके से जिले गांव भंबूर में भैंसों के नोहरे में 50 किलो के सफेद गट्टों में भरकर उन पर टेक्निकल ग्रेड का मार्का लगाकर एक ट्रक में लोड किया जा रहा था। किसानों ने इसकी सूचना कृषि विभाग सिरसा व पुलिस को दी। शिकायत के बाद मौके पर पुलिस व कृषि विभाग की टीमें पहुंची। कृषि विभाग की टीम ने अवैध रूप से 50 किलो के गट्टों में भरी गई यूरिया खाद को अपने कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी। लखविंद्र सिंह ने बताया कि कई दिनों से यूरिया खाद अवैध रूप से बाहरी राज्यों की फैक्ट्रीयों में ब्लैक में बेची जाने की सूचनाएं मिल रही थी। यह यूरिया खाद 45 किलो की पैकिंग में 266.50 रुपए एमआरपी कृभको कंपनी की मई 2026 की बनी हुई थी, जो की गट्टे पलटकर 50 किलो के गट्टों में भरकर टेक्निकल ग्रेड का मार्का लगाकर राजस्थान के कोटा में भेजी जा रही थी।

भवन निर्माण मजदूरों ने फूंका श्रम मंत्री का पुतला

जींद। भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा के आह्वान पर निर्माण मजदूरों ने गांव मनोहरपुर में श्रम मंत्री का पुतला फूंक रोष जताया। मजदूरों ने सरकार द्वारा निर्माण मजदूरों की लगातार अनदेखी और उनके अधिकारों पर किए जा रहे हमलों को लेकर रोष जताया। पुतला दहन से पहले रोष बैठक को संबोधित करते हुए यूनियन के जिला सचिव संदीप जाजवान ने कहा कि हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड का पोर्टल पिछले 11 महीनों से बंद पड़ा है। जिसके कारण लाखों निर्माण मजदूर पंजीकरण, नवीनीकरण तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि वर्षों से कन्यादान योजना सहित अन्य योजनाओं की सहायता राशि भी मजदूरों को नहीं दी जा रही है। सरकार फर्जीवाड़े का बहाना बना कर निर्माण मजदूरों के हक व अधिकारों पर डाका डालने का काम कर रही है। यूनियन के ब्लॉक सचिव पवन कुमार ने कहा कि निर्माण मजदूर प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं लेकिन भाजपा सरकार मजदूरों की समस्याओं के समाधान की बजाय उनके अधिकारों को खत्म करने पर तुली हुई है। मजदूर लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं लेकिन सरकार उनकी सुनवाई नहीं कर रही है। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही निर्माण मजदूरों का पोर्टल नहीं खोला, कन्यादान एवं अन्य योजनाओं की लंबित सहायता राशि जारी नहीं की तथा मजदूर विरोधी नीतियों को वापस नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

विभाग ने काटे दर्जनों अवैध कनेक्शन, 110 को नोटिस

जींद। पेयजल को सर्विस स्टेशन, हरी सब्जी व हरा चारा लगाने में उपयोग वाले कनेक्शन सहित दर्जनों अवैध कनेक्शन को विभाग की टीम ने विशेष अभियान के तहत काट दिया ओर करीब 110 अवैध कनेक्शन व पानी बर्बाद करने वालों को नोटिस दिया गया है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार डा. रणधीर मताना ने बताया कि हर घर तक स्वच्छ व पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए चलाए जा रहे जल संरक्षण व पेयजल रिकवरी अभियान के तहत गांव करसिंधु, सुदकैन खुर्द, भगवानपुरा, बरसाना, खूंगा, किशनपुरा, ढाकल, जामनी, बुराडैहर व दनौदा खुर्द में अभियान चलाया। अगर कोई उपभोक्ता ऐसा करता पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा कुछ लोगों द्वारा सब्जी व हरे चारे के लिए भी पेयजल का गलत तरीके से उपयोग किया जाता है। अगर कोई भी उपभोक्ता पेयजल का उपयोग सब्जी उगाने व हरा चारा उगाने के लिए करता हुआ पाया जाता है तो उसका पेयजल का कनेक्शन काट कर उसके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जा रही है। स्वच्छ पेयजल के लिए विभाग की टीम पाइप लाइन लीकेज व अस्वच्छ कनेक्शन को तुरंत ठीक कर रही है।

फुटबॉल एसोसिएशन से प्रशासक हटाने की याचिका पर हाईकोर्ट का नोटिस जारी

गुरुग्राम। हरियाणा फुटबॉल एसोसिएशन (एचएफए) के पूर्व अध्यक्ष सूरज पाल अम्मू और छह अन्य सदस्यों द्वारा एसोसिएशन के प्रशासन को हटाने की हाईकोर्ट में दायर याचिका पर नोटिस जारी किया गया है। हाईकोर्ट की ओर से नोटिस जारी करके 14 अगस्त 2026 तक जवाब मांगा गया है। याचिका में कहा गया है कि एसोसिएशन के प्रशासक सेवानिवृत्त जस्टिस एचएस भल्ला को हटाया जाए और नये चुनाव कराए जाएं। न्यायमूर्ति जगमोहन बंसल की अदालत ने केंद्र सरकार, हरियाणा सरकार और अन्य पक्षों को यह नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ताओं ने राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम 2025 के प्रावधान लागू कर प्रशासक को हटाने और नए चुनाव कराने की मांग की है। उनका कहना है कि एचएफए के चुनाव 23 अगस्त 2024 को कोर्ट द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक की निगरानी में हुए थे ।

हरियाणा सरकार गुरुग्राम में मेक इन हरियाणा और 9 नई सेक्टरल पॉलिसी करेगी लॉन्च

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार 1 जून, 2026 को गुरुग्राम में आयोजित होने वाले एक बड़े उद्योग एवं निवेश कार्यक्रम में अपनी फ्लैगशिप 'मेक इन हरियाणा' पॉलिसी के साथ 9 नई सेक्टरल पॉलिसियों का शुभारंभ करेगी। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित होगा।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, निवेशक, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (रूस्स्रूद्य), विदेशी प्रतिनिधिमंडल तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हितधारक भाग लेंगे। सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि नई पॉलिसी रूपरेखा हरियाणा को देश के अग्रणी विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और निवेश गंतव्य के रूप में और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में तैयार की गई है। इन नीतियों का उद्देश्य औद्योगिक विकास को गति देना, क्षेत्र-विशिष्ट

औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना, एमएसएमई को प्रोत्साहन देना, रोजगार के अवसर सृजित करना, कारोबार सुगमता (Ease of Doing Business) को बढ़ावा देना तथा भविष्य उन्मुख औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापनों (MoUs) का आदान-प्रदान भी किया जाएगा, जो हरियाणा की औद्योगिक प्रगति और भविष्य की विकास दृष्टि में निवेशकों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है। प्रवक्ता ने बताया कि नई नीति व्यवस्था तेज़ और प्रभावी प्रशासन, उद्योगों के साथ मजबूत साझेदारी, सुदृढ़ औद्योगिक तंत्र तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप विकास के प्रति हरियाणा सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मजबूत कनेक्टिविटी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) तक राजनीतिक पहुंच, विश्वस्तरीय अवसंरचना, परिपक्व औद्योगिक आधार तथा तेजी से विकसित हो रहे लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के कारण हरियाणा ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, फूड प्रोसेसिंग, एडवांस मैन्युफैक्चरिंग, डेटा सेंटर, AVGC, फार्मास्युटिकल एवं मेडिकल डिवाइस, खिलौना एवं खेल सामग्री निर्माण, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) तथा सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है। कार्यक्रम के दौरान राज्य में औद्योगिक विकास और निवेशक सुविधा को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कुछ महत्वपूर्ण नई घोषणाएं भी की जाएंगी।

राज्य सरकार ने सक्रिय प्रशासन, निवेशक-केंद्रित सुविधा तंत्र और उद्योगोन्मुख सुधारों के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

हरियाणा सरकार गुरुग्राम में लांच करेगी इंडस्ट्रीयल पॉलिसी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार 1 जून को गुरुग्राम में आयोजित होने वाले एक बड़े उद्योग एवं निवेश कार्यक्रम में अपनी फ्लैगशिप 'मेक इन हरियाणा' पॉलिसी के साथ 9 नई सेक्टरल पॉलिसियों का शुभारंभ करेगी। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह की उपस्थिति में आयोजित होगा।इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, निवेशक, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, विदेशी प्रतिनिधिमंडल तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हितधारक भाग लेंगे। सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि नई पॉलिसी रूपरेखा हरियाणा को देश के अग्रणी विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और निवेश गंतव्य के रूप में और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में तैयार की गई है। इन नीतियों का उद्देश्य औद्योगिक विकास को गति देना, क्षेत्र-विशिष्ट औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना, एमएसएमई को प्रोत्साहन देना, रोजगार के अवसर सृजित करना, कारोबार सुगमता को बढ़ावा देना तथा भविष्य उन्मुख औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान भी किया जाएगा, जो हरियाणा की औद्योगिक प्रगति और भविष्य की विकास दृष्टि में निवेशकों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है। मजबूत कनेक्टिविटी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक राजनीतिक पहुंच, विश्वस्तरीय अवसंरचना, परिपक्व औद्योगिक आधार तथा तेजी से विकसित हो रहे लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के कारण हरियाणा ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, फूड प्रोसेसिंग, एडवांस मैन्युफैक्चरिंग, डेटा सेंटर, एवीजीसी,फार्मास्युटिकल एवं मेडिकल डिवाइस, खिलौना एवं खेल सामग्री निर्माण, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर तथा सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने डेरा ब्यास में लिया बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों का आशीर्वाद

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने डेरा राधा स्वामी सत्संग, ब्यास पहुंचकर डेरा प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से शिष्टाचार भेंट की और आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने आध्यात्मिक विषयों पर विचार-विमर्श भी किया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कपूरथला पहुंचे, जहां उन्होंने प्रसिद्ध माता भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं देशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत समाज को जोडऩे तथा सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने का कार्य करती है।अपने कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कपूरथला के सर्कुलर रोड मार्केट क्षेत्र में लोगों से मुलाकात की तथा स्थानीय नागरिकों का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान लोगों में मुख्यमंत्री के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री ने

स्थानीय नागरिकों से कहा कि सरकार जनकल्याण, विकास और सुशासन के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है तथा आमजन के हित सर्वोपरि हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी, स्थानीय गणमान्य व्यक्ति, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सभी वर्ग अपने युवाओं को नशा से दूर कर लें तो पूरा समाज नशा मुक्त हो जाएगा : गुलाब चंद कटारिया

एजेंसी

चंडीगढ़ । पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया कि वे अपने -अपने वर्ग के युवाओं को नशा से दूर कर लें तो पूरा समाज नशा मुक्त हो जाएगा। अगर समय रहते नहीं संभले तो नशा भावी पीढ़ी को मानसिक और शारीरिक तौर पर खोखला कर देगा। कटारिया आज यहां सेक्टर 27 स्थित जाट भवन में 'आओ नशामुक्त भविष्य का मिलकर निर्माण करें ' नामक राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर एक स्मारिका का भी विमोचन किया गया। राज्यपाल ने जाट समाज द्वारा नशा के खिलाफ जागरूकता फ़ैलाने के लिए आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए समाज के अन्य वर्गों को भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठनों का प्रभाव ज्यादा पड़ता है। जिस प्रकार समाज ने दहेज़ प्रथा या

अन्य सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अपना अभियान चलाकर लोगों में जागृति लाने का काम किया है , उसी प्रकार नशा के खिलाफ भी सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने सामाजिक संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों एवं कॉलेजों के अलावा अन्य शिक्षण संस्थानों में भी इस प्रकार के सेमिनार आयोजित करके युवाओं को देश और युवा पीढ़ी बचाने के लिए अपनी आहुति देनी चाहिए। कटारिया ने विभिन्न जेलों में नशा बेचने के आरोप में पकडे गए लोगों से किया गया संवाद सांझा करते हुए बताया कि कुछ लोग धन दौलत कमाने के चक्कर में गरीब लोगों और विशेष कर युवाओं को अपने जाल में फांसते हैं, असली दोषी इनको बरगलाने वाला है न कि नशा करने वाला। उन्होंने अभिभावकों से भी अपने बच्चों की मित्र मंडली पर नजर रखने की हिदायत दी और कहा कि किसी भी युवा पर सबसे ज्यादा प्रभाव उसके संगी -साथियों का पड़ता है। उन्होंने कहा कि नशा करने वालों से नफ़रत करने की बजाए उनको प्यार से समझाएं।

भारत के एडिशनल सॉलिसिटर जरनल एवं पूर्व सांसद सत्यपाल जैन ने सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जो व्यक्ति नशा करते हैं वो बाहरी तौर पर बेशक स्वस्थ दिखाई देते हैं लेकिन वो अंदर से खोखले हो चुके होते हैं।

हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड के चेयरमैन रोहताश जांगड़ा से बोले सीएम- ईमानदारी और सादगी से जनसेवा की नई पारी लिखें

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड के नवनियुक्त चेयरमैन एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रोहताश जांगड़ा ने चंडीगढ़ स्थित संत कुटीर में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उनके साथ बलवान जांगड़ा, परिवारजन तथा समर्थक भी मौजूद रहे। इसके अलावा जांगड़ा ने अंबाला में कैबिनेट मंत्री अनिल विज से भी मुलाकात की है और तमाम नेताओं की मौजूदगी में सोमवार को पंचकुला स्थित बोर्ड कार्यालय में चेयरमैन का कार्यभार ग्रहण करेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चेयरमैन रोहताश जांगड़ा को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपनी ईमानदार छवि, सादगीपूर्ण जीवनशैली और जनसेवा के अनुभव के बल पर श्रमिक वर्ग के हितों की रक्षा करते हुए जनकल्याण की नई पारी लिखें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रोहताश जांगड़ा हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड के चेयरमैन के रूप में पूरी जिम्मेदारी, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करेंगे तथा श्रमिकों और मजदूरों की

समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी पहल करेंगे। उल्लेखनीय हैं कि रोहताश जांगड़ा लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता के रूप में संगठन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। सिरसा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रह चुके जांगड़ा की पहचान जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेता के रूप में है। गांव-ढाणियों से लेकर शहरों तक संगठन विस्तार, जनसंपर्क और सामाजिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी रही है।श्रमिकों और मजदूर वर्ग से उनका विशेष जुड़ाव माना जाता है। विभिन्न सामाजिक अभियानों और जनकल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से वे लंबे समय से श्रमिक हितों से जुड़े मुद्दे उठाते रहे हैं। यही कारण है कि उनकी नियुक्ति को श्रमिक वर्ग की मजबूत आवाज के रूप में देखा जा रहा है। मुलाकात के दौरान रोहताश जांगड़ा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व और सरकार ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि श्रम कल्याण बोर्ड के माध्यम से मजदूरों, श्रमिकों और उनके परिवारों तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी।

सिरसा जिले में रोहताश जांगड़ा की नियुक्ति को बड़ी राजनीतिक उपलब्धि माना जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह संगठन के प्रति वर्षों की निष्ठा, समर्पण और मेहनत का सम्मान है। उनकी नियुक्ति के बाद जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों और समर्थकों में उत्साह का माहौल है।राजनीतिक जानकारों के अनुसार बीजेपी द्वारा जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने की नीति के तहत जांगड़ा की नियुक्ति महत्वपूर्ण है। इससे न केवल श्रमिक वर्ग का प्रतिनिधित्व मजबूत होगा बल्कि सिरसा क्षेत्र में भाजपा संगठन को भी नई ऊर्जा मिलेगी।

राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम बना मन की बात कार्यक्रम : डॉ. आशा खेदड़

एजेंसी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों को प्रेरणा देने, सामाजिक सरोकारों से जोड़ने तथा राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। डॉ.आशा खेदड़ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें संस्करण को हिसार विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 4 पर कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने साथ सामूहिक रूप से देख व सुन रही थी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसी ने किसी क्षेत्र में उपलब्धि प्राप्त नागरिकों से बात करके उनका हौंसला बढ़ाते हैं। यही नहीं, कितने हीनागरिक ऐसे हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री के इस संबोधन से प्रेरणा लेकर स्वरोजगार शुरू करके देश को आर्थिक तरक्की देना शुरू किया है। उन्होंने कहा कि हमें प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम से प्रेरणा लेनी चाहिए। जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपरा ने बताया कि पूरे ज़िले में हर बूथ पर कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह के साथ यह कार्यक्रम सुना। जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ की अध्यक्षता में बूथ नंबर चार कार्यक्रम का आयोजन मंडल अध्यक्ष दीपक अग्रवाल एवं पवन बिश्नोई के निवास पर किया गया। कार्यक्रम में गगन शर्मा, अमर पातड़, पीयूष मेहता, रामचंद्र गुप्ता, रमेश बंसल, टीनू जैन, रंजीव राजपाल, शंकर गोस्वामी, विनोद तोशावर, अजय बेनीवाल, सुमित लितानी, विकास गौड़, कृष्ण बिश्नोई, एडवोकेट रेणु मलिक, राधा बंसल सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गुरुग्राम में मुख्यमंत्री ने हरियाणा पुलिस के 312 नए वाहनों को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए हरियाणा पुलिस के बेड़े में शामिल 310 नई मोटरसाइकिलों और दो कारों को सोमवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये सभी वाहन आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन यानी ईआरवी के रूप में काम करेंगे। वाहन कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत होंडा मोटर फाउंडेशन द्वारा हरियाणा पुलिस को उपलब्ध कराए गए हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने हरियाणा पुलिस के रिस्पांस टाइम की सराहना करते हुए कहा कि देश में ईआरवी का औसत रिस्पांस टाइम लगभग 18 मिनट है, जबकि हरियाणा पुलिस ने इसे घटाकर सात मिनट तीन सेकेंड कर दिया है। मुख्यमंत्री ने इसे सुशासन का वास्तविक स्वरूप बताया।उन्होंने कहा कि हमने पुलिस विभाग में आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था कर आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को मजबूत किया है। ये ईआरवी उसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण कदम हैं। मुख्यमंत्री ने जनता से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की भी अपील की। नए वाहनों में से गुरुग्राम को 60 मोटरसाइकिलें और एक होंडा एलिवेट मिली है। फरीदाबाद को 40 मोटरसाइकिलें और एक होंडा

एलिवेट दी गई है। बाकी 210 मोटरसाइकिलें हरियाणा के अन्य जिलों को भेजी गई हैं। डीजीपी अजय सिंघल ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि इन अत्याधुनिक वाहनों के शामिल होने से राज्य में कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। उन्होंने बताया कि ईआरवी संकरी गलियों में भी कम समय में मौके पर पहुंचेंगे, जिससे जनता की सुरक्षा और पुख्ता होगी। कार्यक्रम में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह, विधायक बिमला देवी, विधायक मुकेश शर्मा, गुरुग्राम पुलिस आयुक्त शिवास कविराज, डीसीपी पूर्व संदीप कुमार और पूजा डाबला सहित पुलिस व प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस : सीएम नायब सिंह सैनी ने परिवार संग किया योगाभ्यास

नागरिकों से योग को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का किया आह्वान

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की श्रृंखला के अंतर्गत गुरुग्राम के महाराणा प्रताप स्वर्ण जयंती पार्क (लेज़र वैली) में अपने परिवारजनों के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को योग दिवस की शुभकामनाएं दीं और इसे जन-आंदोलन बनाने की अपील की। योगाभ्यास के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी प्रयासों से योग आज पूरे विश्व में भारत की प्राचीन धरोहर का गौरव बन चुका है। योग वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य, संतुलन और शांति का प्रतीक बन गया है। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में ही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने विश्व पटल पर एक विशेष और ऐतिहासिक पहचान स्थापित की है।' मुख्यमंत्री ने आमजन से इस मुहिम से जुड़ने का आग्रह करते हुए कहा कि स्वस्थ, सशक्त और रोगमुक्त समाज के निर्माण के लिए योग बेहद जरूरी है। उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों से नियमित रूप से योग अपनाने और इसे अपनी दैनिक जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

भाजपा की सफलता का आधार मजबूत संगठन, अनुशासित कार्यकर्ता: डा. सतीश पूनिया

एजेंसी

गुरुग्राम। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत माधवगढ़ फार्म में आयोजित जिला प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कार्य विस्तार, विचारधारा, संगठन की मजबूती, राष्ट्र निर्माण के संकल्प को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने पार्टी के कार्य विस्तार विषय पर कार्यकर्ताओं के साथ विस्तार से चर्चा की।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक व्यापक अभियान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। डॉ. पूनिया ने कहा कि भाजपा आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है तो उसके पीछे करोड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत, निष्ठा और सेवा भाव है। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और वही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। कार्यकर्ताओं ने

गांव-गांव और बूथ स्तर तक पहुंचकर संगठन को मजबूत किया है, जिसके परिणामस्वरूप भाजपा का जनाधार लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी का विस्तार केवल सदस्य संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का अभियान है। कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे सरकार की योजनाओं और नीतियों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं तथा जनता और संगठन के बीच मजबूत सेतु का कार्य करें। डॉ. पूनिया ने कहा कि भाजपा की सफलता का आधार उसका मजबूत संगठन और अनुशासित कार्यकर्ता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने, नए लोगों को पार्टी से जोड़ने तथा बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समर्पित कार्यकर्ताओं के बल पर भाजपा आने वाले समय में भी जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए राष्ट्र सेवा के अपने संकल्प को आगे बढ़ाती रहेगी।

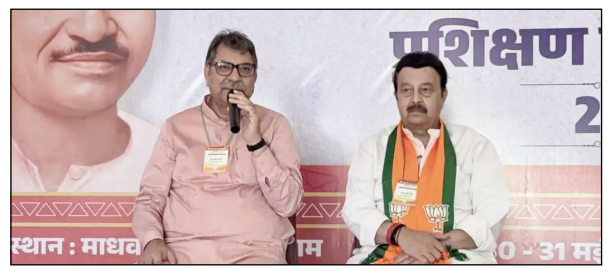

युवाओं के भविष्य से कब तक खिलवाड़ करती रहेगी भाजपा सरकार : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़ । सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि देश की परीक्षा प्रणाली लगातार अव्यवस्था और विवादों का शिकार होती जा रही है। पहले नीट पेपर लीक, फिर एसएससी भर्ती प्रक्रिया में अव्यवस्था, उसके बाद सीबीएसई से जुड़े गंभीर सवाल और अब सीयूईटी परीक्षा में सामने आई गड़बड़ियों ने भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।कुमारी सैलजा ने कहा कि देश के लाखों युवा वर्षों तक मेहनत करते हैं, लेकिन भाजपा सरकार की नाकामी के कारण उनकी मेहनत और भविष्य दोनों दांव पर लग जाते हैं। हर बड़ी परीक्षा के बाद विवाद सामने आना इस बात का प्रमाण है कि सरकार परीक्षा और भर्ती व्यवस्था को पारदर्शी तथा विश्वसनीय बनाए रखने में पूरी तरह विफल रही है। सांसद ने प्रश्न उठाया कि आखिर शिक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री देश के युवाओं के भविष्य को लेकर कितने गंभीर हैं? जब एक के बाद एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएं विवादों और अव्यवस्था की भेंट चढ़ रही हैं, तब इसकी जवाबदेही कौन तय करेगा? सरकार में कोई भी जिम्मेदारी लेने को तैयार क्यों नहीं है? कुमारी सैलजा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार युवाओं के साथ निरंतर न केवल भेदभाव कर रही है, बल्कि उनके जीवन और भविष्य के साथ भी खिलवाड़ कर रही है। बेरोजगारी पहले से ही युवाओं के सामने एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, और ऊपर से भर्ती परीक्षाओं तथा प्रवेश परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही गड़बड़िया उनकी उम्मीदों को तोडऩे का काम कर रही हैं। सांसद ने केंद्र सरकार से मांग की कि परीक्षा एवं भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो तथा युवाओं का विश्वास बहाल करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। देश के लाखों छात्र और उनके परिवार आखिर कब तक भाजपा सरकार की नाकामियों की कीमत चुकाते रहेंगे?।

19.50 प्रतिशत चढ़ा मुकुल अग्रवाल के निवेश वाली कंपनी का शेयर, नेट प्रॉफिट 143 प्रतिशत बढ़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर स्टॉक के शेयरों की कीमतों में आज 19.50 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 143 प्रतिशत बढ़ा है। यही वजह है कि आज कंपनी के शेयरों को खरीदने की होड़ सी मची है। बता दें, इस कंपनी में मुकुल अग्रवाल का भी निवेश है। उनकी हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से अधिक का है। बीएसई में आज सोमवार को पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयर बीएसई में 17199.85 अंक पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 19.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 19189.95 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। जोकि कंपनी के 52 वीक हाई 19439 रुपये के काफी नजदीक है। बता दें, कंपनी का 52 वीक लो लेवल 13300 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 27976 करोड़ रुपये रहा है। जनवरी से मार्च 2026 के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 59.91 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 143 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 24.57 करोड़ रुपये रहा था। बता दें, तिमाही दर तिमाही के आधार पर कंपनी का प्रॉफिट 226 प्रतिशत बढ़ा है। एक्सचेंज को दी जानकारी के अनुसार कंपनी ने बताया है कि मार्च तिमाही के दौरान कंपनी का रेवन्यू 225.47 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले कंपनी का रेवन्यू 121.91 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार कंपनी के रेवन्यू में 85 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें, दिसंबर तिमाही में 155.53 करोड़ रुपये का रेवन्यू रहा था। बता दें, पूरे वित्त वर्ष के दौरान पीटीसी इंडस्ट्रीज का नेट प्रॉफिट 101 करोड़ रुपये रहा है। एक्सपर्ट बुलिश सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार कॉल दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने 25770 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। बता दें, इस कंपनी में मुकुल महावीर अग्रवाल की हिस्सेदारी 1.07 प्रतिसत है। मुकुल अग्रवाल के पास कंपनी के 160,000 शेयर हैं। शेयरों का प्रदर्शन कैसा है पिछले एक साल में पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में एक साल में 21 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। पिछले एक साल में सेंसेक्स इंडेक्स 8.06 प्रतिशत गिरा है। दो साल में पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में 120 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है। 10 साल में पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में 28258 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

जून 2026 में एक हफ्ता बंद रहेंगे बैंक

नईदिल्ली, एजेंसी। जून 2026 में बैंक ग्राहकों को अपने जरूरी काम समय रहते निपटा लेने चाहिए, क्योंकि

महीने के दौरान विभिन्न छुट्टियों, रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के कारण कई दिनों तक बैंक बंद रहेंगे। बैंक अवकाश की सूची के अनुसार जून में अलग-अलग राज्यों में त्योहारों और स्थानीय आयोजनों के चलते शाखाएं बंद रहेंगी। महीने की शुरुआत में 7 जून को रविवार होने के कारण देशभर में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 13 जून को दूसरा शनिवार और 14 जून को रविवार होने से लगातार दो दिन बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। 15 जून को वायएमए डे और राजा संक्रांति त्योहार के अवसर पर आइजोल और भुवनेश्वर में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 21 जून को रविवार को छुट्टी रहेगी। इसके बाद 25 जून को मुहर्रम के कारण विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे, जबकि 26 जून को मुहर्रम के अवसर पर अगरतला, आइजोल, बेलापुर, बेंगलुरु, भोपाल, चेन्नई, हैदराबाद, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना, रायपुर, रांची, श्रीनगर समेत देश के अधिकांश हिस्सों में बैंकों की छुट्टी रहेगी। 27 जून को चौथा शनिवार और 28 जून को रविवार होने से लगातार दो दिन फिर बैंक बंद रहेंगे। महीने के अंत में 29 जून को संत कबीर जयंती के अवसर पर शिमला में बैंक अवकाश रहेगा, जबकि 30 जून को रेमना नी के कारण आइजोल में बैंक बंद रहेंगे। हालांकि, बैंक शाखाएं बंद रहने के बावजूद ग्राहक नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, एटीएम और डिजिटल पेमेंट सर्विस का उपयोग कर सकेंगे। बैंक ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि नकदी निकासी, चेक जमा करने या अन्य शाखा संबंधी कार्यों की योजना छुट्टियों को ध्यान में रखकर बनाएं।

चीन के जुगाड़ के आगे सब फेल, आंख में धूल झोंककर ले रहा प्रतिबंधित तेल

भारत के लिए मतलब, एक से दूसरे जहाज में ऐसे होता है तेल ट्रांसफर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के बढ़ते प्रतिबंधों और समुद्री नाकेबंदी के बावजूद चीन ईरानी तेल खरीदने में कामयाब है। अपने जुगाड़ तंत्र से उसने सारे अमेरिकी इंतजामों को फेल कर दिया है। ईरान पुराने टैंकरों के एक गुप्त नेटवर्क का इस्तेमाल करके चीन को कच्चा तेल भेजकर अरबों डॉलर का ऑयल रेवेन्यू कमा रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। चीन की इस खरीद-फरोख्त का भारत के लिए भी मतलब है। रिपोर्ट के अनुसार, मलेशिया के तट से 45 मील दूर समंदर में प्रतिबंधित टैंकर गुप्त रूप से एक जहाज से दूसरे जहाज में तेल ट्रांसफर करते हैं। ईरानी कच्चा तेल उन दूसरे जहाजों में उतार दिया जाता है जो चीनी बंदरगाहों की ओर जा रहे होते हैं। मई की शुरुआत में ऐसे ही एक ट्रांसफर को देखने के बाद बताया कि जहाजों के क्रू सदस्य जहाजों के नाम और पहचान नंबरों को तिरपाल या पेंट से छिपा देते हैं। अक्सर तेल के मूल स्थान को छिपाने के लिए ट्रैकिंग सिस्टम को बंद कर दिया जाता है। ये ऑपरेशन ईरान की अमेरिकी दबाव का सामना करने की क्षमता के लिए बहुत जरूरी हैं। ईरान के साथ चल रही बातचीत में अमेरिका

तेल प्रतिबंध हटाने से इनकार कर चुका है। अमेरिका ने हाल के महीनों में अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। उसने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की है। टैंकरों और चीनी तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रतिबंध लगाए हैं। हिंद महासागर में ईरान से जुड़े कई जहाजों को जब्त किया है। हालांकि, समुद्री विश्लेषकों के हवाले से जर्नल ने बताया कि इस व्यापार को पूरी तरह से रोकने के लिए एक अनिश्चितकालीन सैन्य मौजूदगी और चीन पर लगातार दबाव बनाए रखने की जरूरत होगी। एनर्जी एनालिटिक्स फर्म वोर्टेक्सा का अनुमान है कि लगभग 9 करोड़ बैरल ईरानी तेल नाकेबंदी से बाहर है। इसमें से ज्यादातर पहले से ही रास्ते में है या अपतटीय भंडार में रखा हुआ है। इससे तेहरान को भविष्य में अरबों डॉलर की कमाई हो सकती है। विश्लेषकों का कहना है कि तेल की खेप और पेमेंट में कई महीने लगने के कारण ईरान को शरद ऋतु तक पैसा मिलता रहेगा। चीन आधिकारिक तौर पर 2022 से ईरान से तेल आयात न करने की रिपोर्ट करता है। इसे विश्लेषक आगे के अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के प्रयासों का नतीजा मानते हैं। रिसर्चर्स सैटेलाइट इमेज, रुक-रुक कर मिलने वाले जहाज ट्रांसपोंडर संकेतों और सीमा शुल्क डेटा के जरिये व्यापार पर नजर रखते हैं। इससे पता चलता है कि चीन मलेशिया और इंडोनेशिया से असामान्य रूप से बड़ी मात्रा में तेल आयात कर रहा है।

ईरान ने चीन से तेल में कमाए 31 अरब डॉलर

अमेरिकी-चीनी आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग के अनुसार, इसके बावजूद तेहरान ने पिछले साल चीन से तेल राजस्व के रूप में लगभग 31 अरब डॉलर कमाए। आयोग ने कहा कि चीन ईरान के तेल निर्यात का लगभग 90 प्रतिशत और ईरानी सरकार के बजट का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा था। इस नेटवर्क को बनाए रखने में चीन की अहम भूमिका है। कई टैंकर-मालिक कंपनियां चीनी शहरों में रजिस्टर्ड हैं। क्रू सदस्य अक्सर चीनी होते हैं। तेल का बड़ा हिस्सा पूर्वी चीन में मौजूद स्वतंत्र 'टीपॉट' रिफाइनरियों तक पहुंचता है। जर्नल ने बताया कि बीजिंग ने सार्वजनिक रूप से अमेरिकी प्रतिबंधों का विरोध किया है। हाल ही में घरेलू कंपनियों को आदेश दिया है कि वे पांच चीनी रिफाइनरियों के खिलाफ अमेरिकी उपायों का पालन न करें।

फिर महंगा हुआ एलपीजी सिलेंडर, 53.50 तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 53.50 रुपये की बढ़ोतरी की है। बढ़ी हुई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। दिल्ली

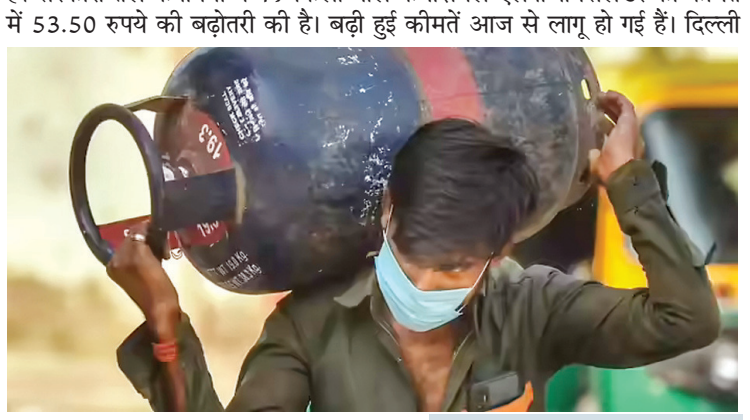

में इसकी कीमत अब 42 रुपये बढ़कर 3,113.50 रुपये हो गई है। कोलकाता में यह 53.50 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 3,255.50 रुपये का हो गया है। मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर अब 3,024 रुपये से बढ़कीर 3,067.50 रुपये का हो गया है जबकि चेन्नई में इसकी कीमत 3,237 रुपये से बढ़कर 3,283 रुपये हो गई है। इंडस्ट्री के सूत्रों का कहना है कि 5 किलो वाले छोटू सिलेंडर की कीमत में भी 11 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इसी कीमत अब दिल्ली में 821.50 रुपये हो गई है। हालांकि घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस तरह देश के करोड़ों उपभोक्ताओं को राहत दी गई है। 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 53.50 तक की बढ़ोतरी दिल्ली में इसकी कीमत अब 42 रुपये बढ़कर 3,113.50 रुपये हो गई है कोलकाता में यह 53.50 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 3,255.50 का हो गया है मुंबई में इसकी कीमत 3,067.50 रुपये और चेन्नई में 3,283 रुपये हो गई है 5 किलो वाले छोटू सिलेंडर की कीमत में भी 11 रुपये की बढ़ोतरी की गई है

कच्चे तेल की कीमत

ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। हालांकि पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद में पिछले हफ्ते कच्चे तेल की कीमत में 11 फीसदी गिरावट आई थी और इंडियन ऑयल बास्केट भी 6 मार्च के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया था। लेकिन आज हफ्ते के पहले दिन आज कच्चा तेल फिर उछला है। शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 2.55 फीसदी यानी 2.32 डॉलर की तेजी के साथ 93.44 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है।

मोदी सरकार की नई स्कीम, आपकी पूंजी आपका अधिकार

नईदिल्ली, एजेंसी। आपका पूंजी, आपका अधिकार अभियान : अगर आप या आपके परिवार के किसी सदस्य ने बैंक, बीमा, शेयर मार्केट या म्यूचुअल फंड में पैसा लगाकर भूल गया है। यह पैसा लगाने वाला व्यक्ति जीवित नहीं है तो उन पैसों को आप वापस पा सकते हैं। वित्त मंत्रालय ने नागरिकों को उनकी भूली-बिसरी और अनक्लेम्ड एसेट्स ढूंढने और वापस पाने में मदद करने के लिए एक साझा जागरूकता पहल शुरू की है जिसका नाम है 'आपका पूंजी, आपका अधिकार'। इसके तहत केंद्र सरकार ने एक वेबसाइट लॉन्च की है, जहां एक ही विंडो से यूजर्स को उपयुक्त नियामकों द्वारा संचालित पोर्टलों पर भेज दिया जाता है ताकि वे बैंक जमा, बीमा, शेयर आदि के क्लेम वापस ले सकें। वित्त मंत्रालय के बयान के अनुसार, इस सेवा के लिए किसी रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता नहीं है, यह पूरी तरह मुफ्त है, और इस पर केवल सरकारी नियामकों के आधिकारिक संसाधनों तक पहुंच दी जाती है। बैंकों में पड़ी अनक्लेम्ड जमा रकम कैसे खोजें इस पोर्टल के माध्यम से लोग भारतीय रिजर्व बैंक के उद्गम पोर्टल पर जाकर बिना दावे के बैंक में जमा रकम की खोज कर सकते हैं। यह पोर्टल यूजर्स को उन जमाओं का पता लगाने की सुविधा देता है, जो सहभागी बैंकों में निष्क्रिय हो चुकी हैं या जिन पर दावा नहीं किया गया है। अगर पुराने बचत खाते, आरडी या लंबे समय से निष्क्रिय पड़े खाते अनक्लेम्ड जमा की श्रेणी में आते हैं तो वे सर्च रिजल्ट में दिख सकते हैं।

जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड का आईपीओ 5 जून को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। प्रौद्योगिकी आधारित एंटरप्राइज़ परफॉर्मेंस एवं एनालिटिक्स समाधान प्रदाता जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड ने अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम को शुक्रवार, 05 जून 2026 को खोलने का प्रस्ताव रखा है। कंपनी का लक्ष्य ऊपरी प्राइस बैंड पर 54.66 करोड़ जुटाने का है। कंपनी के शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफ़ॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे।

इस इश्यू का आकार 47,28,000 इक्विटी शेयरों का है, जिनका अंकित मूल्य 10 प्रति शेयर है। आईपीओ का प्राइस बैंड 110 से 116 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है।

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग नए उत्पादों के विकास हेतु पूंजीगत व्यय, उधारों के पुनर्भुगतान, कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया गुरुवार, 04 जून 2026 को आयोजित की जाएगी। यह इश्यू शुक्रवार, 05 जून 2026 को खुलेगा और मंगलवार, 09 जून 2026 को बंद होगा।इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड हैं, जबकि रजिस्ट्रार की भूमिका बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड निभा रहा है। एनालिटिक्स और एआई समाधान प्रदाता के रूप में अपनी पहचान बनाई है। हमारा उद्देश्य विभिन्न उद्योगों के उद्यमों को मूल्य-आधारित डिजिटल परिवर्तन सेवाएं प्रदान करना है। जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राकेश अग्रवाल ने कहा, यह आईपीओ

जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पिछले वर्षों में हमने एक परामर्श-आधारित संगठन से विकसित होकर एक प्रौद्योगिकी-आधारित एनालिटिक्स और एआई समाधान प्रदाता के रूप में परिवर्तन किया है, जो विभिन्न उद्योगों के उद्यमों को मूल्य-आधारित डिजिटल परिवर्तन सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित है।

यह आईपीओ केवल पूंजी जुटाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि हमारी क्षमताओं के विस्तार और बाजार में हमारी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस इश्यू से प्राप्त राशि का उपयोग नए उत्पादों और तकनीकी समाधानों के विकास, कार्यशील पूंजी को सुदृढ़ करने, बुनियादी ढांचे और प्रतिभा में रणनीतिक निवेश करने तथा हमारी दीर्घकालिक विकास योजना को समर्थन देने के लिए किया जाएगा।

चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री रतिराज तिबरेवाल ने कहाभारत का डिजिटल परिवर्तन और एंटरप्राइज एनालिटिक्स उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसका प्रमुख कारण कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड तकनीक, ऑटोमेशन और डेटा-आधारित निर्णय प्रक्रिया को व्यवसायों द्वारा तेजी से अपनाया जाना है। हमारा मानना है कि यह बदलता हुआ परिदृश्य जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड जैसी प्रौद्योगिकी-केंद्रित कंपनियों के लिए दीर्घकालिक अवसर प्रदान करता है।

125 करोड़ के नए ऑर्डर के साथ सथलोखर सिनर्जीज़ की एफवाय27 ऑर्डर बुक 840 करोड़ के स्तर पर

चेन्नई, एजेंसी। ईपीसी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सथलोखर सिनर्जीज़ ई एंड सी ग्लोबल लिमिटेड को लगभग 125 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) के अतिरिक्त पुष्ट ऑर्डर प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही कंपनी की एफवाय27 के लिए कुल पुष्ट ऑर्डर बुक बढ़कर 840.22 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) हो गई है, जिससे आने वाली अवधि के लिए मजबूत राजस्व दृश्यता सुनिश्चित हुई है। नए प्रोजेक्ट्स औद्योगिक और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों से जुड़े हैं, जो कंपनी की मजबूत निष्पादन क्षमता और ग्राहकों के भरोसे को दर्शाते हैं। कंपनी को ग्रैंड अटलांटिया पनपक्कम एसइजेड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड से चेन्नई के रानीपेट स्थित एसआइपीसीओटी पार्क में सिविल और पीइबी निर्माण कार्य का बड़ा ऑर्डर मिला है, जिसकी अनुमानित कीमत 105.37 करोड़ (जीएसटी सहित) है। इस परियोजना में वर्कशॉप भवनों, सहायक संरचनाओं और पार्किंग सुविधाओं का निर्माण शामिल है, जिसे मार्च 2027 तक पूरा किया जाना है। इसके अलावा, कंपनी को इसी औद्योगिक परियोजना के फेज 1बी के लिए 22.53 करोड़ (जीएसटी सहित) का अतिरिक्त सिविल और पीइबी कार्य ऑर्डर भी मिला है, जिसके फरवरी 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है।

सथलोखर सिनर्जीज़ को सीलोन बेवरेज कैन प्राइवेट लिमिटेड से महाराष्ट्र स्थित विनिर्माण इकाई में सिविल, पीइबी एमईपी, पाइपलाइन और प्लांट कोऑर्डिनेशन कार्यों के लिए 15.36 करोड़ (जीएसटी सहित) का ऑर्डर प्राप्त हुआ है। यह परियोजना सितंबर 2026 तक पूरी होने की संभावना है। कंपनी को श्रीलंका स्थित सीलोन बेवरेज कैन प्राइवेट लिमिटेड से भी एमईपी कार्यों के लिए लगभग 3.68 करोड़ का अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिला है, जिसे जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मजबूत हुई है, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उसकी उपस्थिति को बढ़ावा मिलेगा तथा आने वाली तिमाहियों में स्थिर राजस्व वृद्धि और कारोबारी विस्तार को समर्थन मिलेगा।

भारतीय कंपनी की 'जादुई दवा' को अमेरिका में मंजूरी, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे

भारतीय कंपनी की 'जादुई दवा' को अमेरिका में मंजूरी, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे कंपनी के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। फार्मा कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। वॉकहार्ट के शेयर सोमवार को बाजार खुलते ही 19 पर्सेंट के जोरदार उछाल के साथ 2420 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर जा पहुंचे हैं। वॉकहार्ट लिमिटेड ने घोषणा की है कि यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने उसकी नोवेल इंट्रावेनस एंटीबायोटिक जैनिच को अमेरिकी मार्केट के लिए मंजूरी दे दी है। यह एंटीबायोटिक वयस्कों में कॉम्प्लीकेटेड यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शंस के इलाज में काम आती है। वॉकहार्ट की इस एंटीबायोटिक को मैजिक पिल या मिरकल ड्रग भी कहा गया है। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल

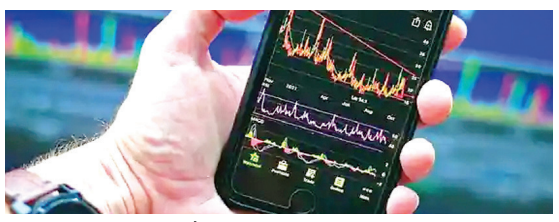

ऑर्गेनाइजेशन ने भी जैनिच के इंपोर्ट और इंडियन मार्केट में इसकी मार्केटिंग को मंजूरी दे दी है।

1425 रुपये से 2400 रुपये के पार पहुंचे शेयर: इंडियन फार्मा कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयरों में पिछले एक महीने में गजब की तेजी देखने को मिली है। वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयर 4 मई 2026 को 1425.50 रुपये पर थे। फार्मा कंपनी के शेयर 1 जून 2026 को 2420 रुपये पर जा पहुंचे हैं। इस अवधि में कंपनी के शेयरों में 68 पर्सेंट से अधिक का उछाल देखने को मिला है। अगर पिछले 5 दिन की बात करें तो फार्मा कंपनी के शेयर 45 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर इस अवधि में 1579 रुपये से बढ़कर 2420 रुपये पर पहुंच गए हैं। फार्मास्युटिकल कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड ने बताया है कि जैनिच को 27 मई 2026 को ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से भी मंजूरी मिल गई है।

एंटीबायोटिक को लेकर वॉकहार्ट ने क्या कहा...

फार्मा कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड के मुताबिक, जैनिच फोर्थ जेनरेशन सेफलॉस्पोरिन सेफेपाइम और जाइडबैक्टम को कंबाइंड करती है और यह एक साथ मई पेंसिलिन-बाइंडिंग प्रोटीन्स को टारगेट करती है। इस एंटीबायोटिक को पहले एफडीए से क्वॉलीफाइड इंफेक्शास डिसीज प्रॉडक्ट और फास्ट ट्रैक डेजिग्नेशंस मिल चुका है। यूएस एफडीए का यह अप्रूवल ऐसे समय आया है, जब एंटीमाइक्रोबिएल रेजिस्टेंस एक बड़ी हेल्थकेयर चुनौती बना हुआ है। वॉकहार्ट ने डेटा का हवाला देते हुए बताया है कि अमेरिका में हर साल 2.8 मिलियन से ज्यादा एंटीमाइक्रोबिएल-रेजिस्टेंट इंफेक्शंस होते हैं।

सेबी ने लगाया कंपनी पर 29 करोड़ रुपये जुर्माना, शेयर 4.8 प्रतिशत तक लुढ़का

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में की कीमतों में आज शुक्रवार को करीब 5 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट सेबी की तरफ से लगाई गई पेनाल्टी के बाद देखने को मिली है। मार्केट रेगुलेटर ने सुजलॉन एनर्जी पर 29 करोड़ रुपये की पेनाल्टी लगाई है। बता दें, बीएसई में आज सुजलॉन एनर्जी के शेयर 56.12 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव करीब 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद यह स्टॉक 54.40 रुपये के स्तर पर आ गया है।

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड पर 15.95 करोड़ रुपये, विनोद आर तांती पर 5.75 करोड़ रुपये और गिरीश आर तांती पर 5.45 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। बाजार नियामक पूर्व मुख्य वित्त अधिकारियों - कीर्ति जे वागड़ी पर 1.5 करोड़ रुपये और अमित अग्रवाल पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। जलॉन एनर्जी लिमिटेड ने कहा कि वह कंपनी, उसके दो प्रवर्तकों और पूर्व मुख्य वित्त

अधिकारियों (सीएफओ) पर 28.95 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने वाले सेबी के आदेश के खिलाफ प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में अपील करेगी। बीएसई को दी जानकारी में सेबी ने 29 मई, 2026 को एक आदेश पारित किया, जिसमें उसने 27 जून, 2025 को दिए गए एक पूर्व न्यायिक निर्णय को रद्द कर दिया। सुजलॉन एनर्जी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 5.6 प्रतिशत घटकर 1,114 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से डिफर्ड टैक्स क्रेडिट में कमी से कंपनी का लाभ घटा है। सुजलॉन ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,181 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। हालांकि, इस तिमाही में कंपनी की ऑपरेटिंग रेवन्यू बढ़कर 5,468 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 3,774 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ बढ़कर 3,163 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 2,072 करोड़ रुपये था। पिछले तीन महीने में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 28 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है।

21 दिन तक लाल मिर्च न खाने से शरीर में क्या बदलाव आता है? एक्सपर्ट से जानें

पीसी हुई लाल मिर्च का इस्तेमाल भारतीय खाने में खूब किया जाता है. तीखी हुई लाल दिखने वाली ये मिर्च कई बार नुकसान भी कर सकती है. ऐसे में चलिए जानते हैं कि अगर 21 दिन तक लाल मिर्च न खाई जाई तो इससे शरीर पर क्या असर पड़ता है.

भारतीय खाने में पीसी हुई लाल मिर्च का इस्तेमाल आमतौर पर किया जाता है. ये खाने में तीखापन लाती है और स्वाद को बढ़ाती है. लेकिन क्या हो अगर आप 21 दिन तक लाल मिर्च को पूरी तरह से अपने खाने से हटा दें. हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, लाल मिर्च छोड़ने के बाद शरीर में कुछ पॉजिटिव बदलाव देखने को मिल सकते हैं. खासकर उन लोगों को फायदा महसूस हो सकता है जो अक्सर एसिडिटी, सीने में जलन या पेट में जलन जैसी समस्याओं से परेशान रहते हैं.दरअसल, लाल मिर्च भले ही खाने में तीखापन जोड़ती हो. लेकिन ये कई लोगों के लिए नुकसानदायक भी होती है. ऐसे में कई स्थिति में लाल मिर्च न खाने की भी सलाह दी जाती है. हालांकि, इसका असर हर व्यक्ति की शारीरिक स्थिति और खानपान की आदतों के अनुसार अलग-अलग हो सकता है. चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं कि 21 दिन तक अगर लाल मिर्च न खाई जाई तो शरीर में क्या-क्या बदलाव आ सकते हैं.

क्या कहती हैं एक्सपर्ट?

दिल्ली के गंगाराम हॉस्पिटल की सीनियर डायटीशियन डॉ. फारेहा शानम बताती हैं कि, अगर कोई 21 दिन तक पीसी हुई लाल मिर्च खाना छोड़ देता है तो शरीर में कई पॉजिटिव चेंज देखने को मिल सकते हैं. हालांकि, इसका असर हर किसी की बॉडी टाइप और फिजिकल हेल्थ के मुताबिक ही पड़ता है. साथ ही आप किस तरह से इसका सेवन कर रहे हैं ये भी मायने रखता है. लेकिन अगर इसे लाल मिर्च की जगह बैलेंस मसालों का यूज किया जाए तो पाचन तंत्र को इससे काफी आराम मिलता है. साथ ही पेट के लिए लाल मिर्च का सेवन न करना एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है.

पेट की जलन और एसिडिटी में राहत

लाल मिर्च में मौजूद कैप्साइसिन कुछ लोगों में पेट की लेयर को डिस्टर्ब कर सकता है. ऐसे में 21 दिनों तक लाल मिर्च न खाने से एसिडिटी, सीने में जलन और पेट में होने वाली असहजता कम हो सकती है. जिन लोगों को पहले से गैस्ट्रिक समस्या रहती है, उन्हें इसका ज्यादा फायदा मिल सकता है.

पाचन तंत्र को मिल सकता है आराम

एक्सपर्ट बताती हैं कि कुछ लोगों को तीखे मसाले का सेवन करने से पेट दर्द या बार-बार शौच आने जैसी समस्या हो जाती है. ऐसे में अगर आप लाल मिर्च से दूरी बनाते हैं तो ये डाइजेशन प्रोसेस को सही करने में मदद कर सकता है.

मुंह और गले की जलन से राहत

ज्यादा लाल मिर्च का सेवन करने से कुछ लोगों के मुंह में छाले और गले में जलन की शिकायत देखने को भी मिलती है. ऐसे में अगर आप लाल मिर्च का सेवन बंद कर देते हैं तो इस समस्या से भी राहत मिल सकती है.

ध्यान रखने वाली बात

हालांकि, डायटीशियन ये भी बताती हैं कि लाल मिर्च पूरी तरह से हानिकारक नहीं होती है. बस इसका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए. इसमें मौजूद कैप्साइसिन कुछ हेल्थ बेनिफिट्स भी दे सकते हैं. लेकिन अगर आपको बहुत ज्यादा स्वास्थ्य समस्याएं हैं तो कुछ समय के लिए लाल मिर्च का सेवन बंद कर देना ठीक है.

नाज़ुक आर्थिक दौर में संरचनात्मक बदलावों का समय

भारत को अनुसंधान और नवाचार में निवेश, श्रम उत्पादकता में सुधार, व्यापारिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत और क्षेत्रीय व्यापार एकीकरण को सुदृढ़ करना चाहिए। ये निवेश अर्थव्यवस्था में आवश्यक संरचनात्मक बदलावों को गति दे सकते हैं और वर्तमान संकट से उबरने के दौरान भी दीर्घकालिक विकास को समर्थन प्रदान करेंगे। यह संकट एक ऐसा सबक साबित हो सकता है जो भारत को विकास की गति को बनाए रखने हेतु आवश्यक बदलाव लाने के लिए बाध्य करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सुधारों को नई गति देने पर ध्यान देना समयोचित है। गुरुवार को मंत्रिपरिषद की साढ़े चार घंटे चली बैठक में हुई चर्चा से लगता है कि मौजूदा आर्थिक स्थिति को देखते हुए कई नये सुधारों का रास्ता खुलेगा। मध्य पूर्व का मौजूदा संकट, होर्मुज़ जलडमरूमध्य में व्यवधान, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल के बाजारों में अस्थिरता आदि अब क्षेत्रीय चिंताएं मात्र नहीं रह गई हैं- ये आपूर्ति में व्यवधान और बढ़ती कीमतों से उत्पन्न वैश्विक आर्थिक झटके बन गए हैं। जापान से लेकर अमेरिका तक, विश्व भर की अर्थव्यवस्थाएं व्यापक आर्थिक अनिश्चितता एवं असुरक्षा से जूझ रही हैं।भारत अपने कच्चे तेल का 80 प्रतिशत से अधिक, एलपीजी का 60 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस 50 फीसदी, उर्वरक 30 फीसदी, हीलियम शत-प्रतिशत और अन्य तेल उप-उत्पादों का आयात करता है। इसमें मध्य पूर्व से 54 फीसदी कच्चा तेल, 90 फीसदी एलपीजी, 50 प्रतिशत प्राकृतिक गैस, 31 प्रश उर्वरक और 50 फीसदी से अधिक हीलियम और ऐसे अन्य उप-उत्पाद प्राप्त होते हैं। वास्तव में ऊर्जा आयात व्यापारिक मार्गों, प्रेषण और प्रवासी भारतीयों के संबंधों के माध्यम से भारत पश्चिम एशिया से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह स्थिति भारत को मध्य पूर्व में किसी भी दीर्घकालिक संघर्ष के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील बनाती है। यह उथल-पुथल मुद्रास्फीति, व्यापार संतुलन, राजकोषीय प्रबंधन, औद्योगिक उत्पादन और उपभोक्ता मांग को प्रभावित कर रही है।उल्लेखनीय है कि छह महीने से भी कम समय पहले आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भारत की व्यापक आर्थिक स्थिति को दुर्लभ स्वर्णिम काल (रेयर गोल्डी लॉक पीरियेड) बताया था- एक ऐसी आर्थिक स्थिति जहां अर्थव्यवस्था न तो बहुत गर्म है और न ही बहुत ठंडी होती है। यह नाम बच्चों की कहानी गोल्डिलॉक्स एंड द थ्री बेयर्स (गोल्डिलॉक्स और तीन भालू) से लिया गया है। इसका प्रयोग बिल्कुल सही स्थिति का वर्णन करने के लिए किया जाता है।

उस समय असाधारण रूप से उच्च आर्थिक विकास के साथ-साथ उल्लेखनीय रूप से कम मुद्रास्फीति का दौर चल रहा था, लेकिन भू-राजनीतिक घटनाओं के तेजी से बदलते स्वरूप और वैश्विक स्तर पर झटकों के कारण स्थिति में नाटकीय रूप से बदलाव आया है।भारत में थोक मुद्रास्फीति अप्रैल 2026 में ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण तेजी से बढ़कर 8.3 प्रतिशत हो गई। खुदरा मुद्रास्फीति 3.48 प्रति सैकड़ा तक पहुंच गई है। 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर तेल की कीमतें स्थिर रहने से मुद्रास्फीति का दबाव और बढ़ जाएगा। तेल की बढ़ती कीमतों का प्रभाव भारत तक ही सीमित नहीं है। दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा आयातकों में से एक जापान में अप्रैल 2026 में पिछले तीन वर्षों में सबसे तेज थोक मुद्रास्फीति दर्ज की गई। थाईलैंड, फिलीपींस और कई अन्य दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाएं गंभीर स्थिति में हैं। हालांकि शुरुआत में निर्यात में वृद्धि देखी गई लेकिन होर्मुज़ जलडमरूमध्य के आसपास परिवहन में बाधा ने व्यापार प्रवाह को प्रभावित करना शुरू कर दिया है जिससे खाद्य पदार्थों, निर्मित वस्तुओं और औद्योगिक इनपुट की कीमतें बढ़ गई हैं। उपभोग कमजोर हो रहा है, यात्रा और पर्यटन बाधित हैं और वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति का खतरा बढ़ गया है।

सवाल यह है कि भारत को वर्तमान संकट का प्रबंधन कैसे करना चाहिए? जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है- ऊर्जा सुरक्षा आर्थिक सुरक्षा का आधार है। नवीकरणीय ऊर्जा- सौर, पवन, परमाणु, हरित हाइड्रोजन और जलविद्युत को बढ़ावा देकर ऊर्जा सुरक्षा को मिशन मोड में लाना होगा। भारत को अनुसंधान और नवाचार में निवेश, श्रम उत्पादकता में सुधार, व्यापारिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत और क्षेत्रीय व्यापार एकीकरण को सुदृढ़ करना चाहिए। ये निवेश अर्थव्यवस्था में आवश्यक संरचनात्मक बदलावों को गति दे सकते हैं और वर्तमान संकट से उबरने के दौरान भी दीर्घकालिक विकास को समर्थन प्रदान करेंगे। यह संकट एक ऐसा सबक साबित हो सकता है जो भारत को विकास की गति को बनाए रखने हेतु आवश्यक बदलाव लाने के लिए बाध्य करेगा।इसके अलावा सेमीकंडक्टर, उर्वरक और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आयात प्रतिस्थापन से बाहरी निर्भरता को कम किया जा सकता है। उच्च विकास वाली प्रौद्योगिकी और मूल्य वर्धित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने से संयुक्त रूप से बीस खरब डॉलर के वस्तु और सेवा निर्यात के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

आपूर्ति स्थिरीकरण, मुद्रास्फीति नियंत्रण और मांग प्रबंधन को प्राथमिकता देने के साथ यह दिशा तात्कालिक नुकसान को कम करने में मदद करेगी और भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी। इसके अलावा मानसून से संबंधित जोखिमों के उभरने से पहले वैकल्पिक स्रोतों से पर्याप्त ईंधन की खरीद तथा भंडार बनाए रखने, रसद संबंधी बाधाओं को कम करने, सट्टेबाजी के कारण कीमतों में होने वाली वृद्धि की निगरानी करने, लक्षित सब्सिडी के माध्यम से कमजोर परिवारों का मदद करने एवं खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।भारतीय रिज़र्व बैंक को लिक्विडिटी को अत्यधिक सख्त किए बिना मौद्रिक सतर्कता को भी मजबूत करना चाहिए क्योंकि ब्याज दरों में वृद्धि से निवेश की मांग और कमजोर हो सकती है। नीति-निर्माताओं को अब अल्पकालिक समस्याओं से निपटने से आगे बढ़कर एक बहुस्तरीय प्रतिक्रिया रणनीति बनानी चाहिए। ध्यान केंद्रित करने योग्य मुख्य बिंदु हैं- लचीलापन, खरीद के कई विकल्प, घरेलू विनिर्माण, आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण, रेल और बहुस्तरीय रसद निवेश में वृद्धि और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार। भारत को व्यापार लागत को कम करना होगा तथा निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए बढ़ती इनपुट कीमतों से प्रभावित सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यम (माइक्रो, स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेस) को सहायता देनी चाहिए।

हम जिस संकट का सामना कर रहे हैं वह एक क्लासिक मैक्रो इकॉनॉमिक समस्या को जन्म दे रहा है- एक ऐसी समस्या जो कुल आपूर्ति और कुल मांग दोनों को एक साथ चुनौती देती है। तेल की ऊंची कीमतें निर्माताओं के लिए इनपुट लागत बढ़ाती हैं। उत्पादन लागत में वृद्धि या नकारात्मक आपूर्ति झटके के कारण, फर्म हर मूल्य स्तर पर कम उत्पादन करने का फैसला करती हैं। इसकी वजह से कीमतें बढ़ती हैं। निर्माता इन लागतों को उपभोक्ताओं पर डाल देते हैं जिससे मुद्रास्फीति होती है। ईंधन एवं खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों का सामना कर रहे परिवार ऐच्छिक खर्च कम कर देते हैं। इससे कुल मांग कमजोर हो जाती है। यह संयोजन स्टैगफ्लेशन% की खतरनाक संभावना पैदा करता है- उच्च मुद्रास्फीति के साथ धीमी वृद्धि।

गुणक प्रभाव समस्या को और भी गंभीर बना देता है। जब व्यवसायों को बढ़ती लागत और कमजोर मांग का सामना करना पड़ता है तो वे निवेश में कटौती करते हैं, भर्तियां घटाते हैं और विस्तार को स्थगित कर देते हैं। अनिश्चितता का सामना कर रहे श्रमिक कम खर्च करते हैं जिससे समग्र मांग और भी कम हो जाती है। एक क्षेत्र द्वारा खर्च में गिरावट दूसरे क्षेत्र की आय को कम कर देती है जिससे पूरी अर्थव्यवस्था में मंदी और बढ़ जाती है। भारत के वित्त मंत्रालय ने कहा है कि मौजूदा आपूर्ति संकट घरेलू मांग को संकु चित और आर्थिक गतिविधियों को धीमा कर सकता है। इसके राजकोषीय परिणाम जल्द ही सामने आने वाले हैं। वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत का राजकोषीय घाटा लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 फीसदी अनुमानित था लेकिन बढ़ती सब्सिडी, ईंधन प्रबंधन लागत और कमजोर उपभोक्ताओं के संरक्षण के कारण इस लक्ष्य को प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है। गिरता रुपया आयात लागत को बढ़ा रहा है और मुद्रास्फीति के चक्र को और मजबूत कर रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा है।हालांकि यह पहली बार नहीं है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और न ही यह आखिरी बार होगा। भारत जिस समस्या का सामना कर रहा है वह कूटनीतिक पहेली नहीं बल्कि एक मूलभूत आर्थिक और रणनीतिक असुरक्षा है। मध्य पूर्व संघर्ष राष्ट्रीय आर्थिक निर्भरताओं को कम करने का एक अवसर है जिसके तहत केन्द्रीकरण को कम किया जा सकता है, आपूर्ति और पारगमन मार्गों के वैकल्पिक स्रोत बनाए जा सकते हैं, उत्पादों तथा सेवाओं का प्रतिस्थापन किया जा सकता है और विकास के कारकों में विविधता लाई जा सकती है। जैसा कि जॉन मेनार्ड कीन्स ने सलाह दी थी- कठिनाई नए विचारों को विकसित करने में उतनी नहीं है जितनी पुराने विचारों से छुटकारा पाने में है।

संपादकीय

जन के हित के हेत

भले ही हिंदी पत्रकारिता गफलत में अपनी पहली शताब्दी न मना सकी हो, लेकिन वह द्विशताब्दी के मौके पर खासी उत्साहित है। वह आत्ममंथन के दौर से गुजर रही है। आज से दो सौ साल पहले उत्तर भारत से जाकर तत्कालीन कलकत्ता को कर्मभूमि बनाने वाले पं. युगल किशोर शुक्ल ने 'उदन्त मार्तण्ड' के रूप में हिंदी पत्रकारिता का बीजारोपण किया था। भले ही वह पत्र आर्थिक झंझावातों से अधिक समय तक न चल सका, लेकिन अपनी 'आदि प्रतिज्ञा' से वह जो पत्रकारिता का लक्ष्य तय कर गया, वह आज भी उतना ही जरूरी व प्रासंगिक है। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रवेशांक में पं. शुक्ल ने लिखा था कि इस समाचार पत्र का प्रकाशन- ' हिंदुस्तानियों के हित के हेत' .. किया जा रहा है। निस्संदेह, ध्येय वाक्य के गहरे निहितार्थ थे और आज भी हैं। सही मायने में पत्र ने दो सदी पहले पत्रकारों को उनका 'कर्मपथ' बता दिया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जबकि यह हिंदी भाषा का समाचार पत्र था, लेकिन उसकी फिक्र केवल हिंदी भाषियों की ही नहीं थी। उसकी 'आदि प्रतिज्ञा' समस्त हिंदुस्तानी समाज के हित को लेकर थी। पत्र का नाम 'उदन्त मार्तण्ड' यानी उगता सूरज था। बाकायदा समाचार पत्र के नाम के साथ संस्कृत में लिखा होता था कि जैसे सूरज के प्रकाश के बिना अंधेरा दूर नहीं होता, उसी तरह अज्ञ जन समाचार पत्र के बिना ज्ञानवान नहीं बन सकते। यह भी कि ज्ञान के प्रकाश को फैलाने के मकसद से इस समाचार पत्र का प्रकाशन किया जा रहा है। निश्चय ही उदन्त मार्तंड की 'आदि प्रतिज्ञा और ध्येय' में सभी भाषाओं की पत्रकारिता का लक्ष्य आज भी यही है। निश्चय ही यह पत्रकारिता बिरादरी को आईना दिखाता है कि हमारी पत्रकारिता हर हिंदुस्तानी के हित के हेत है? क्या हम हम समाज में अज्ञ को ज्ञानवान बनाने का काम कर रहे हैं? क्या हमारे शब्द उतने ही अर्थवान व सारवान हैं, जितना इस पेशे से अपेक्षित है। निश्चय ही यह अवसर पत्रकारिता बिरादरी को आत्ममंथन का मौका देता है।हिंदी पत्रकारिता के प्रतीक पुरुष स्व. प्रभाष जोशी ने एक बार पत्रकारिता के छात्रों से बातचीत करते हुए कहा था कि पत्रकारिता 'ऋषिकर्म' है। जिसमें घर फूंक तमाशा देखने का जज्बा हो, वही पत्रकारिता में आए। पैसे कमाने के लिये तमाम पेशे हैं। साथ ही यह भी कि किसी डेढ़ पेज की प्रेस विज्ञप्ति में यदि कोई डेढ़ लाइन की खबर निकाल सके, तो वही असली पत्रकार है। बाकी सब विज्ञापन है। लेकिन विडंबना यह है कि आज विश्वविद्यालयों से निकलने वाले पत्रकारिता के छात्रों में बिरले ही ऐसे होते हैं, जो वेतन, पैकेज व पद के सम्मोहन से मुक्त होकर मिशनरी पत्रकारिता का जज्बा रखते हों। आज पत्रकारिता के नवसाक्षरों की बड़ी फौज पत्रकारिता के ग्लैमर व प्रसिद्धि के प्रलोभन में इस पेशे में आती है। उसे आजादी की लड़ाई में सर्वस्व अर्पित करने वाले 'स्वराज' अखबार का शायद ही भान हो, जिसके ढाई वर्ष के अल्पकाल में संपादकों को डेढ़ सौ साल की सजाएं हुई। लेकिन उसके बावजूद संपादक पद के लिये विज्ञापन देने पर जज्बे के पत्रकारों की लाइन लग जाती थी। निश्चित रूप से पत्रकारिता जीवन मूल्यों की शुचिता व सामाजिक दायित्वों का पेशा है। यह विशुद्ध कारोबार या व्यवसाय नहीं हो सकता है। विडंबना यह है कि तकनीकी क्रांति के बाद जब से बड़ी पूंजी की समाचारों के प्रकाशन में दखल बढ़ी है, तब से संपादक नामक संस्था क्षीण हुई है और पूंजीपति की दखल में वृद्धि हुई है। पिछली सदी में एक दिग्गज संपादक की वह टिप्पणी आज भी प्रासंगिक है कि 'भविष्य के अखबार रूप-रंग व प्रकाशन में तो आकर्षक होंगे, लेकिन उनमें पत्रकारिता की आत्मा न होगी।' निश्चय ही आज बाजार और राजनीति की दखल के चलते पत्रकारिता के समक्ष बड़ी चुनौती बनी है। वहीं नई पीढ़ी के कथित ऑनलाइन व डिजिटल सम्मोहन के चलते प्रिंट पत्रकारिता से छिटकना भी चिंता की बात है। कॉन्वेंट स्कूलों से निकलने वाले छात्र हिंदी भाषायी समाचार पत्रों से विमुख हुए हैं। उनका समाचार पत्रों से विमुख होना भारतीय परिवेश, संस्कृति व मातृभाषा से दूर होना भी है। ये संपादकों को सोचना होगा कि समाचार पत्रों से नई पीढ़ी का लगाव कैसे गहरा किया जाए।

साइकिल की सवारी में बेहतरी हमारी

गांव में स्थित स्वयंसेवी संस्था के कार्यकर्ता साइकिल से चलते थे। संस्था की ओर से सचल पुस्तकालय (मोबाइल लाइब्रेरी) संचालित किया जाता था। यह हमारे लिए अनोखा था। इसमें कार्यकर्ता की साइकिल में टंगे दो झोले होते थे, उनमें किताबें भरी होती थीं। गांवों की चौपालों पर किताबें फैला दी जाती थीं,और फिर गांव के बच्चे, वयस्क और बड़े किताबें उलटते पलटते थे, और पढ़ने के लिए किताबें ले जाते थे।

वैश्विक स्तर पर तेल के संकट को देखते हुए साइकिल की सवारी ही सबसे बेहतर है। यह न केवल हमें तेल संकट से बचाती है, बल्कि प्रदूषण से भी निजात दिलाती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बेहतर है और दुर्घटनाओं से भी बचाती है। जून के पहले सप्ताह में विश्व साइकिल दिवस भी है। आज इस कॉलम में इस पर ही बात करना चाहूंगा, जिससे हम आत्मनिर्भर होने की दिशा में आगे बढ़ सकें।अगर मैं बचपन को याद करूं तो उस समय मोटर साइकिल और कार बहुत कम थीं। अधिकांश लोग पैदल और बैलगाड़ी से चलते थे। कुछ लोगों के पास ही साइकिल हुआ करती थी। साइकिल दुकानों से किराये पर मिलती थीं। प्रति घंटे के हिसाब से किराया लिया जाता था।साइकिल दुकानों पर मरम्मत करवाने वालों की भीड़ लगी रहती थी। हमारे घर भी हरक्यूलिस साइकिल थी, यह पुरानी थी, जिसे मेरे पिताजी ने उनके किसी मित्र से खरीदा था। मैंने भी उसी साइकिल से चलाना सीखा।उस दौर में सड़कों पर साइकिलें दिखा करती थीं। किसान, अपना अनाज बाजार ले जाकर बेचते थे, पशुपालक घास का गट्ठर ले जाते थे। दूध वाले, सब्जी वाले, लाते ले जाते थे, बेचते थे। दूरदराज के गांवों में शहर में रहने वाले शिक्षक भी साइकिल से स्कूल जाते थे।

सरकारी बसें चलती थीं, पर दिन में एक दो ही बार। वह भी बहुत लेट होती थीं। अगर कहीं जाना होता था, तो कई-कई घंटे बस के इंतजार में बैठना पड़ता था। बसों से आने-जाने वाले यात्रियों को देखकर कौतूहल होता था। गांवों में वैसी भी जीवन की गति धीमी होती है, ऐसे में कोई भी नया व्यक्ति बस से आता था तो उसकी चर्चा होती थी।साप्ताहिक बाजार, जो हमारे पास के कस्बे में शुक्रवार को लगता था, उस दिन सड़कों पर गठरियां लेकर चलने वाले लोगों को देखना अच्छा लगता था। रंग-बिरंगे कपड़ों में कतारबद्ध रैला चलता रहता था। बैलगाड़ियों की चूं चर्र... की आवाजें सुनाई पड़ती थीं। मेहमानी व रिश्तेदारी में लोग पैदल आया जाया करते थे। शादी-विवाह या बारातों में बैलगाड़ी का उपयोग किया जाता था। साइकिल व बैलगाड़ी, नदी या कुओं से पानी भरने के काम भी आती थीं।हमारे गांव में स्थित स्वयंसेवी संस्था के कार्यकर्ता साइकिल से चलते थे। संस्था की ओर से सचल पुस्तकालय (मोबाइल लाइब्रेरी) संचालित किया जाता था। यह हमारे लिए अनोखा था। इसमें कार्यकर्ता की साइकिल में टंगे दो झोले होते थे, उनमें किताबें भरी होती थीं। गांवों की चौपालों पर किताबें फैला दी जाती थीं, और फिर गांव के बच्चे, वयस्क और बड़े किताबें उलटते पलटते थे, और पढ़ने के लिए किताबें ले जाते थे। मेरे लिए भी किताबों की दुनिया यहीं खुली थी।दूध वाले, गांव से दूध एकत्र कर शहर ले जाते थे। वे घर-घर से दूध इकट्ठा करते थे, और फिर साइकिल से नजदीकी रेलवे स्टेशन जाते थे, वहां से ट्रेन से बड़े शहर दूध बेचने जाते थे। और शाम को वापस उसी ट्रेन से वापस आ जाते थे।स्कूली विद्यार्थी भी हाईस्कूल की कक्षाओं में पढ़ने के लिए साइकिल से जाते थे। साइकिल की दुकानें ज्यादा नहीं थीं, इसलिए घरों में ही साइकिल मरम्मत का सामान हुआ करता था। हवा भरने के लिए पंप, पिचिंस, पाना इत्यादि। अगर जब कभी साइकिल पंचर हो जाती थी, तो घर पर ही पंचर बना लेते थे। अक्सर हमें स्कूल जाते समय ही पता चलता था कि साइकिल पंचर है, तो जल्दी-जल्दी पंचर बनाते थे।आजकल सरकार स्कूली बच्चों के लिए निशुल्क साइकिल वितरण करती है। यह बहुत ही अच्छी योजना है। यह कई राज्यों में है। जब भी स्कूली बच्चों को साइकिल चलाते देखते हैं, तो एक अलग ही तरह का सुखद एहसास होता है। ऐसे दृश्य हमें रोमांचित करते हैं।विशेषकर, यह लड़कियों के लिए तो आजादी की प्रतीक है। उनके लिए आने-जाने के लिए यह बहुत ही सुविधाजनक है। 90 के दशक में साक्षरता अभियान के दौरान साइकिल से पढ़ने-पढ़ाने का सिलसिला काफी चल रहा था। शुक्रवार के दिन इसी संस्था की एक महिला डॉक्टर साइकिल से गांव आती थीं और एक ग्रामीण के आंगन में बैठकर गांव के लोगों की छोटी-मोटी बीमारियों का इलाज करती थीं। इस कार्यक्रम का नाम जरूरी दवाई सुविधा रखा गया था। गांव में किसी महिला को साइकिल चलाते देखना कौतूहल जगाता था। क्योंकि एक तो लोग उस समय साइकिल ही कम चलाते थे, और महिलाएं तो बिलकुल भी साइकिल नहीं चलाती थीं।डाकिया और पेपर बांटने वाला तो रोज ही साइकिल से आते हैं, जिनका सभी को इंतजार रहता है। इनकी पहचान ही साइकिल से होती है। डाकिया, तो दूर-दराज के गांवों में साइकिल से आता जाता था। हमारे गांव में कस्बे से वही डाक लाता था। मुझे याद है, जब मैं गांव में था, डाकिया के साइकिल की घंटी से ही मैं समझ जाता था कि डाकिया आया है, कौतूहल से भर जाता था। अगर कोई पोस्टकार्ड आता था, तो बड़े जतन से कई दिनों तक रखते थे।लगातार तेल के दाम बढ़ते जा रहे हैं और तेल के भंडार खत्म होने की कगार पर हैं। अगर हम साइकिलों का उपयोग करें तो हमें मोटरवाहनों में प्रयोग होने वाला पेट्रोल व डीजल को आयात नहीं करना पड़ेगा या कम से कम करना पड़ेगा।

इससे हमें कुछ अर्थव्यवस्था में राहत महसूस होगी।अच्छी सेहत के लिए साइकिल चलाना जरूरी है। साइकिल चलाने वालों को अलग से शारीरिक कसरत की जरूरत नहीं होती, क्योंकि इससे मांसपेशियों की अच्छी कसरत हो जाती है। तनाव भी कम होता है। हमारी गति भी धीमी होगी, या नियंत्रित होगी, जिससे हमें सामान्य बने रहने में मदद मिलेगी।मोटरसाइकिल की अपेक्षा साइकिल काफी हल्की होती हैं, इसे बच्चे से लेकर बुजुर्ग भी चला सकते हैं। सड़क हादसों का जोखिम भी नहीं रहता। अगर साइकिल से गिर भी जाएं तो ज्यादा चोट नहीं आती। जबकि अन्य वाहनों से सड़क हादसे गंभीर होते हैं।साइकिल के लिए पार्किंग की समस्या नहीं है। न तो खड़ी करने के लिए और न ही सड़क पर चलाने के लिए इसे ज्यादा जगह चाहिए। इसे घर में रखा जा सकता है। जबकि कारों के लिए सड़क पर, पार्किंग में सभी के लिए जगह चाहिए,जो एक बड़ी समस्या है।साइकिल से सड़क जाम होने की समस्या नहीं है। इसे संकरे रास्तों व गलियों में चलाया जा सकता है। अगर इसके लिए अलग से लेन हो तो, न तो यह दूसरे वाहनों की गति में रूकावट होगी और न ही साइकिल चलाने वालों को असुविधा का सामना करना पड़ेगा। साइकिल उनके लिए भी अच्छी है, जो भीड़ से बचना चाहते हैं।पर्यटक और पक्षी दर्शकों के लिए भी साइकिल बहुत अच्छी है। इत्मीनान से देखना, क्योंकि चलते-चलते हर पल, हर क्षण दृश्य बदलते रहते हैं, जरा भी भूल हुई कि अच्छे दृश्य देखने से रह जाएंगे। मैं जब कभी यात्रा में जाता हूं तो आंखों को विश्राम नहीं मिल पाता, क्योंकि मैं समझता हूं कि जरा भूल हुई कि कुछ ऐसा देखने से रह जाएगा तो जो मुझे देखना अच्छा लगता। साइकिल में आराम से सभी दृश्य देखे जा सकते हैं।सड़कों पर वाहनों का बोझ बढ़ता जा रहा है। सड़क जाम, दुर्घटनाएं, प्रदूषण की खबरें आती रहती हैं। साइकिल के चलन से इन सभी में कमी आ सकती है। छोटे व कस्बों में इन्हें बढ़ावा दिया जा सकता है। दुनिया के कई देश साइकिल को बढ़ावा दे रहे हैं। क्या हम भी इस दिशा में आगे बढ़ना चाहेंगे?

ईरान समझौता चाहता है, जो देश हमारे साथ उनका भविष्य बेहतर होगा : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को फिर कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है। उन्होंने सोशल प्लेटफॉर्म पर इसे लेकर अपना बयान जारी किया। इसमें लिखा है, 'ईरान समझौता चाहता है,' और यह 'अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए अच्छा होगा।' ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में विपक्षी डेमोक्रेट्स और कुछ रिपब्लिकन नेताओं पर भी निशाना साधा और बयानबाजी को वार्ता का रोड़ा बताया। उन्होंने लिखा, 'डेमोक्रेट्स और कुछ ऐसे रिपब्लिकन (जो देशभक्ति से रहित प्रतीत होते हैं) यह नहीं समझते कि जब राजनीतिक लोग लगातार नकारात्मक टिप्पणियां करते रहते हैं जैसे मुझे तेजी से आगे बढ़ना चाहिए, धीमे चलना चाहिए, युद्ध करना चाहिए, नहीं करना चाहिए, या कुछ और तो मेरे लिए अपना काम ठीक तरह से करना और बातचीत करना कहीं अधिक कठिन हो जाता है? ' ट्रंप ने लोगों से संयम बरतने की अपील करते हुए उम्मीद जताई की सब सकारात्मक तरीके से संपन्न होगा। उन्होंने कहा, 'बस आराम से बैठिए, आखिर में सब अच्छा होगा। हमेशा ऐसा ही होता है। ' हालांकि ट्रंप की इस पोस्ट में सेंट्रल कमांड के आत्मरक्षा में किए गए नवीनतम हमले और आईआरजीसी के जवाबी हमले का जिक्र नहीं है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड, यानी सेंटकाम ने सोमवार को ही बताया कि उसने ईरान के गोरुक शहर और केश्म द्वीप पर आत्मरक्षा में हमले किए हैं। एक्स पर जारी बयान में कहा गया कि यह कार्रवाई ईरान की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की गई।

समझौते के मसौदे पर अभी भी मतभेद, ईरान कर रहा संशोधन की तैयारी: रिपोर्ट

तेहरान । ईरान, अमेरिका की हालिया प्रतिक्रिया मिलने के बाद, संभावित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के मसौदे में अपने भी कुछ बदलाव करेगा। ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी ने एक सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी। अमेरिकी मीडिया ने कहा कि? अमेरिका ने मसौदा समझौते के कुछ हिस्सों में बदलाव करके उसे तेहरान को वापस भेजा है। इन मीडिया रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए तस्नीम समाचार एजेंसी ने एक जानकार सूत्र के हवाले से बताया कि ईरान भी अपने अनुसार मसौदे में संशोधन करेगा और 'अभी कुछ भी अंतिम नहीं है।' सूत्र ने कहा कि ईरान सिर्फ उसी मसौदे को स्वीकार करेगा, जिस पर उसकी सहमति होगी, और अमेरिका की ओर से किए गए बदलाव का मतलब यह नहीं है कि तेहरान उन्हें मंजूर करता है। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मसौदे के कुछ हिस्सों पर आपत्ति जताई है, खासकर ईरान की जमी हुई संपत्तियों (फ्रोजन एसेट्स) को जारी करने वाले हिस्से पर। इसके अलावा, उन्होंने समझौते में और सख्त शर्तें जोड़ने की मांग की है, खासकर ईरान के परमाणु पदार्थों को लेकर। रिपोर्टों के अनुसार, ईरान और अमेरिका एक ऐसे समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका मकसद 28 फरवरी को शुरू हुए उस युद्ध को खत्म करना है, जो अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों के बाद शुरू हुआ था।

इजरायल के साथ सीजफायर प्रयासों को कमजोर कर रहा हिज्बुल्लाहः मार्को रुबियो

वॉशिंगटन । अमेरिका ने आरोप लगाया है कि हिज्बुल्लाह, इजरायल के साथ युद्धविराम की कोशिशों को कमजोर कर रहा है। अमेरिका का कहना है कि यह समूह हमले रोकने से इनकार कर रहा है, जबकि अमेरिका ने तनाव कम करने के लिए एक प्रस्ताव दिया था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हाल ही में लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। यह बातचीत इजरायल और लेबनान के बीच चल रहे कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा थी। अमेरिका ने तनाव कम करने के लिए एक आसान सा रास्ता सुझाया था। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, 'इस बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका ने एक साफ योजना दी। पहले हिज्बुल्लाह को इजरायल पर सभी हमले रोकने होंगे। इसके बदले में इजरायल बेरूत में किसी तरह की और सैन्य कार्रवाई नहीं करेगा। इससे धीरे-धीरे तनाव कम करने और लड़ाई खत्म करने का रास्ता बनेगा। ' अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति जोसेफ आउन इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाना चाहते थे और सभी पक्षों के बीच सहमति बनवाने की कोशिश कर रहे थे।

अंतहीन प्रक्रिया की ओर बढ़ रहा ईरान-अमेरिका समझौता, दोनों देश नई शर्तों के साथ कर रहे संशोधन की तैयारी

वाशिंगटन । अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ चल रहे समझौते की शर्तों में बदलाव करने की योजना बना रहे हैं, ताकि युद्ध को खत्म किया जा सके। वहीं दूसरी तरफ तेहरान नए बदलाव जोड़ने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों से मिजी जानकारी के अनुसार 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने बताया कि इस अंतहीन प्रक्रिया में व्हाइट हाउस बातचीत में ईरान की नई प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। लगता है कि यह बातचीत फिर से शुरुआती और मुश्किल स्थिति में पहुंच सकती है। एडनक्रोनोस समाचार एजेंसी ने एक अधिकारी के हवाले से बताया कि ट्रंप बातचीत को तेज करना चाहते हैं और दूसरी तरफ दबाव बढ़ाकर समझौता जल्दी करना चाहते हैं। लेकिन उन्हें ईरान की जटिल सत्ता व्यवस्था से भी निपटना पड़ रहा है।

जारी है अमेरिका-ईरान वार्ता, बाकी बयानबाजी सिर्फ अटकलें, महत्व के योग्य नहीं: विदेश मंत्री अब्बास अराघची

एजेंसी

तेहरान । अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर जारी उठापटक के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अभी जो कुछ भी कहा जा रहा है, वह अटकलें हैं और उन्हें महत्व नहीं दिया जाना चाहिए। ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत और संदेशों का आदान-प्रदान अभी भी जारी है। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज़ एजेंसी (आईआरएनए) के अनुसार, ईरान के सरकारी टीवी चैनल से बातचीत करते हुए विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान और वाशिंगटन के बीच बातचीत अभी जारी है और जब तक कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आता, तब तक उसके बारे में कोई अंतिम राय नहीं बनाई जा सकती। उन्होंने कहा कि इस समय ईरान-अमेरिका वार्ता को लेकर जो भी बातें कही जा रही हैं, वे सिर्फ अनुमान हैं और उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए। तेहरान

और वाशिंगटन के बीच आठ अप्रैल को युद्धविराम लागू होने के बाद से बातचीत जारी है।

इस युद्धविराम ने 40 दिनों तक चले जवाबी हवाई हमलों के दौर को रोक दिया। यह संघर्ष तब शुरू हुआ था, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। उस समय ईरान और अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर कूटनीतिक बातचीत भी कर रहे थे। दोनों पक्ष इस मुद्दे पर समाधान निकालने के लिए तीन दौर की वार्ता कर चुके थे। पिछले साल भी ईरान और अमेरिका परमाणु वार्ताओं में शामिल थे, जब 13 जून को इजरायल ने ईरान पर हमला किया था।

इन दोनों अनुभवों का हवाला देते हुए ईरान का कहना है कि मौजूदा बातचीत का मुख्य उद्देश्य युद्ध को स्थायी रूप से खत्म करना होना चाहिए। इसके बाद परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी वार्ताएं आगे बढ़ाई जानी चाहिए। इस बीच, ईरान की राजनीति को लेकर स्थिति और भी जटिल बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने मोज्तबा खामेनेई को अपना इस्तीफा सौंपने का एक पत्र भेजा है। यह जानकारी लंदन स्थित ईरानी विपक्षी वेबसाइट 'ईरान इंटरनेशनल' से जुड़े एक सूत्र ने दी है, लेकिन ईरान सरकार ने इस खबर को तुरंत खारिज कर दिया और इसे 'झूठी मीडिया रिपोर्ट' बताया।

ईरान का तर्क, 'हमने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की'

एजेंसी

तेहरान । ईरान का कहना है कि उन पर हो रहे हवाई हमलों के जवाब में उन्होंने अमेरिका के क्षेत्रीय ठिकानों को निशाना बनाया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने तर्क दिया कि आत्मरक्षा के कानूनी अधिकार के तहत कार्रवाई की गई। इसके साथ ही उन्होंने ईयू के 'सिलेक्टिव अप्रोच' पर भी सवाल खड़े किए। बाघेई ने कहा कि ईरान को उन 'क्षेत्रीय ठिकानों और संपत्तियों' पर जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार है, जिनका उपयोग उसके खिलाफ हमले करने के लिए किया जा रहा है। यह बयान कुवैत के उस बयान के बाद आया जिसमें उसने मिसाइल और ड्रोन हमलों का जिक्र किया था। ईरानी प्रवक्ता ने एक्स पर लिखा कि देशों की यह जिम्मेदारी है कि वे अपनी जमीन या संसाधनों का इस्तेमाल दूसरे देशों पर हमले के लिए न होने दें।उन्होंने यूरोपीय संघ (ईयू) पर भी आरोप लगाया कि वह इस मामले में 'चुनिंदा नैतिक प्रतिक्रिया' दे रहा है। उन्होंने कहा कि ईयू का वह बयान, जिसमें ईरान की कार्रवाई को 'आत्मरक्षा' के नाम पर गलत बताया गया है, उनके 'पाखंड और लापरवाह' रवैए को दर्शाता है। बाघेई ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह किस ईयू बयान का जिक्र कर रहे थे। हाल ही में ईयू की विदेश सेवा ने ईरान के कुवैत पर कथित हमलों की आलोचना करते हुए कहा था कि ये कुवैत की संप्रभुता का उल्लंघन हैं और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। वहीं, विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक प्रेस वार्ता में बाघेई ने लेबनान पर इजरायली हमले का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, 'हम इस बात पर जोर देते हैं कि लेबनान में संघर्ष समाप्त करने के लिए किसी भी समझौते की एक जरूरी शर्त सीजफायर है,' जबकि इजरायल लेबनान में अपना सैन्य अभियान बढ़ा रहा है।

इजरायल के पीएम नेतन्याहू ने हिज्बुल्लाह ठिकानों पर हमले का दिया आदेश

एजेंसी

तेल अवीव । इजरायल ने हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हमला करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने सेना को आदेश दिया है कि वो बेरूत के दक्षिणी उपनगर दहियेह स्थित ठिकानों को निशाने पर ले। एक्स पोस्ट में लिखा गया कि इजरायली शहरों पर हमले के जवाब में पीएम नेतन्याहू और रक्षा मंत्री ने हिज्बुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाने का आदेश दिया है। इससे पहले अपने आधिकारिक एक्स पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आरोप लगाया कि हिज्बुल्लाह की तरफ से लगातार संघर्षविराम का उल्लंघन हो रहा है और वो इजराइली शहरों पर हमले जारी रख रहा है। इसके जवाब में उन्होंने सेना को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

पोस्ट में कहा, 'हिज्बुल्लाह के बार-बार हो रहे हमलों और हमारे नागरिकों को निशाना बनाने के जवाब में, मैंने रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज के साथ मिलकर आईडीएफ को बेरूत के दहियेह इलाके में आतंकी ठिकानों पर हमला करने का आदेश दिया है। ' इस बीच लेबनान की सरकारी न्यूज़ एजेंसी एनएनए के मुताबिक, इजरायली हमलों में 6 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी लेबनान के ब्रैकाआ कस्बे में इजरायली ड्रोन हमले में 2 लोग मारे गए। वहीं पास के तूल कस्बे में हुए ड्रोन हमले में एक सीरियाई नागरिक की मौत हुई। एनएनए ने बताया कि लितानी नदी के उत्तर में स्थित कफरसीर कस्बे में रातभर हुए हमलों में 3 और लोगों की जान गई। इस बीच लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने शांति वार्ता पर जोर दिया है। उन्होंने अमेरिका के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने और हिज्बुल्लाह के करीबी माने जाने वाले संसद के

स्पीकर नबीह बेरी से सहमति लेने की कोशिश की। अल जजीरा ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि, नबीह बेरी ने दावा किया कि वह सीजफायर को लेकर हिज्बुल्लाह की प्रतिबद्धता की गारंटी दे सकते हैं लेकिन इसकी पहली शर्त यही है कि इजरायल गोलीबारी बंद करे।

कुवैत पर मिसाइल और ड्रोन हमलों का अलर्ट, एयर डिफेंस सिस्टम ने संभाला मोर्चा

एजेंसी

कुवैत । कुवैत में सोमवार को मिसाइल और ड्रोन हमलों को लेकर अलर्ट जारी किया गया। सभी नागरिकों से अनुरोध किया गया कि वो सेना की ओर से जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दी गई। अमेरिका के ईरानी द्वीप पर हमले और आईआरजीसी की जवाबी कार्रवाई के बीच कुवैत से ये खबर आई। कुवैत आर्मी ने एक्स पर एक बयान जारी किया। जिसके मुताबिक, कुवैत के एयर डिफेंस सिस्टम ने मिसाइलों और ड्रोन को नष्ट करने का काम किया है। सेना के जनरल स्टाफ ने कहा कि अगर विस्फोट की आवाजें सुनाई दें, तो लोग समझ लें कि ये वायु रक्षा प्रणालियों की इंटरसेप्शन की वजह से हो रहा है।इसके साथ ही अपील की कि वे सुरक्षा एजेंसियों की ओर से जारी सुरक्षा और सावधानी संबंधी निर्देशों का पालन करें।

सोमवार को अमेरिका और ईरान के बीच टकराव की जानकारी दोनों ओर से दी गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड, यानी सेंटकाम ने सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अपनी कार्रवाई का लेखा-जोखा दिया, जिसमें कहा गया कि उसने ईरान के गोरुक शहर और केश्म द्वीप पर आत्मरक्षा में हमले किए हैं। बयान में कहा गया कि यह कार्रवाई ईरान की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की गई। अमेरिका ने आरोप लगाया कि ईरान ने इससे पहले अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक एमक्यू1 ड्रोन को गिराया था।

सेंटकाम के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो वन-वे अटैक ड्रोन नष्ट किए। दावा है कि ये ड्रोन क्षेत्रीय समुद्री रास्तों से गुजर रहे जहाजों के लिए खतरा पैदा कर रहे थे।

इसके बाद इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, यानी आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने अमेरिका की तरफ से हमले के लिए इस्तेमाल हुए एयरबेस को निशाना बनाया है। यह वही बेस है जहां से अमेरिकी सेना ने दक्षिणी ईरान के सीरिक द्वीप के टेलीकॉम टावर पर हमला किया था। हालांकि, आईआरजीसी ने यह नहीं बताया कि यह एयरबेस कुवैत में है या किसी और जगह पर है।

फ्रांस की अपील पर यूएनएससी ने बुलाई आपात बैठक, लेबनान में जारी लड़ाई मुद्दा

एजेंसी

पेरिस । संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) सोमवार को लेबनान में जारी लड़ाई पर चर्चा के लिए एक आपात बैठक करने जा रही है। यह बैठक फ्रांस के अनुरोध पर बुलाई गई है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि 'दक्षिण लेबनान में सेना की बढ़ती संख्या किसी भी तरह से उचित नहीं है,' और उन्होंने लड़ाई को तुरंत रोकने की अपील की। मैक्रों से पहले फ्रांस के विदेश मंत्री जीन नोएल बारो ने भी यूएनएससी के पास जाने की बात कही थी। उन्होंने ब्यूफोर्ट किले पर इजरायली कब्जे पर चिंता जताई थी। बीएफएमटीवी चैनल से बातचीत में बारो ने कहा, 'मैंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। हम इजरायल के आत्मरक्षा के अधिकार को स्वीकार करते हैं, जैसा कि हर देश को है, लेकिन लेबनान में इजरायली सैन्य अभियानों की निरंतरता और लेबनानी क्षेत्र पर उसके बढ़ते कब्जे को किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता। '

लेबनान 2 मार्च को मध्य पूर्व युद्ध में शामिल हो गया था, जब हिज्बुल्लाह ने इजरायल पर रॉकेट दागे थे। यह हमला अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर 28 फरवरी को किए हवाई हमलों में सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामेनेई की हत्या के जवाब में किया गया था। इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच 17 अप्रैल को संघर्षविराम शुरू हुआ था, लेकिन यह कभी पूरी तरह लागू नहीं हो सका। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर रोजाना संघर्षविराम तोड़ने का आरोप लगाते हैं और अपनी कार्रवाइयों को दूसरे की गलती का जवाब बताते हैं। सप्ताहांत में, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि वह लेबनान में और गहराई तक सैन्य कार्रवाई करेंगे, और रविवार की कार्रवाई को उन्होंने अभियान में 'बड़ा बदलाव' बताया। तो वहीं, सोमवार को नेतन्याहू और इजराइल काट्ज ने आईडीएफ को बेरूत के दक्षिणी उपनगर दहियेह स्थित हिज्बुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाने का आदेश दिया।

इजरायली पीएम के अनुसार हिज्बुल्लाह बार-बार सीजफायर नियमों का उल्लंघन कर रहा है और लगातार इजरायली शहरों पर हमले कर रहा है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने चल रही कूटनीतिक बातचीत पर चर्चा की और कहा कि पहले हिज्बुल्लाह को अपने हमले रोकने होंगे।

जेलेंस्की का दावा: अमेरिका में एंटी-बैलिस्टिक मिसाइलों का उत्पादन पर्याप्त नहीं, मांगा प्रोडक्शन के लिए लाइसेंस

एजेंसी

कीव । यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिका में एंटी-बैलिस्टिक मिसाइलों का उत्पादन पर्याप्त नहीं है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'अमेरिका में एंटी-बैलिस्टिक मिसाइलों का उत्पादन पर्याप्त नहीं है और इससे दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में संकट पैदा हो सकता है। वहीं, रूस अपनी बैलिस्टिक मिसाइलों का घरेलू उत्पादन लगातार बढ़ा रहा है।'

उन्होंने बताया कि उन्होंने इस बारे में व्हाइट हाउस और अमेरिकी कांग्रेस को भी एक पत्र भेजा है। जेलेंस्की ने कहा, 'मौजूदा चुनौतियों को देखते हुए हर महीने 60-65 एंटी-बैलिस्टिक मिसाइलों का उत्पादन बहुत कम है। यह कोई रहस्य नहीं है और रूस भी यह बात जानता है। हमें उत्पादन बढ़ाने की जरूरत है। मैंने पिछली अमेरिकी सरकार से भी अनुरोध किया था और अब मौजूदा प्रशासन से भी कह रहा हूं कि यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइलों के उत्पादन का लाइसेंस दिया जाए। '

उन्होंने आगे कहा, 'हम पैट्रियट मिसाइलों का उत्पादन बढ़ा सकते हैं। इससे हमारी मदद होगी। इससे मध्य पूर्व और उन दूसरे देशों को भी फायदा होगा जिनकी मदद करने का फैसला अमेरिका करेगा। जब तक हम यूरोप का अपना एंटी-बैलिस्टिक सिस्टम विकसित नहीं कर लेते, तब तक हमें अमेरिका के समर्थन की जरूरत रहेगी। '

अपने एक इंटरव्यू का हिस्सा साझा करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन सभी रूसी ड्रोन को रोकने की कोशिश कर रहा है, भले ही उनमें से कुछ रोमानिया, मोल्दोवा, पोलैंड या बाल्टिक देशों की दिशा में जा रहे हों।

इक्वाडोर-कोलंबिया व्यापार विवाद सुलझा, 100 प्रति?शत टैरिफ शुल्क को हटाने का फैसला

एजेंसी

क्विटो । इक्वाडोर की कस्टम अथॉरिटी ने सोमवार एक जून से कोलंबिया के सामान पर लगाए गए 100 प्रतिशत टैरिफ को हटाने का फैसला किया है। इससे दोनों देशों के बीच हाल के महीनों से चला आ रहा व्यापार विवाद खत्म हो गया है, जिसने उनके रिश्तों में तनाव पैदा कर दिया था। इक्वाडोर के नेशनल कस्टम्स सर्विस के डायरेक्टर जनरल सैंड्रो कैस्टिलो ने 'एक?स' पर लिखा कि अब कोलंबिया से आने वाले या वहां से होकर आने वाले सामान पर लगाया गया सुरक्षा शुल्क घटाकर शून्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह कदम दोनों देशों के बीच सुरक्षा, व्यापार और विकास के क्षेत्र में सहयोग के एक नए दौर की शुरुआत करेगा। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, कैस्टिलो ने बताया कि कस्टम्स विभाग इस फैसले को ठीक से लागू

करेगा, ताकि कानूनी व्यापार को बढ़ावा मिले, क्षेत्रीय एकजुटता मजबूत हो और अवैध गतिविधियों के खिलाफ मिलकर काम किया जा सके। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ ने यह फैसला कोलंबिया के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बेलार्डो डे ला एस्प्रीला के साथ बातचीत के बाद घोषित किया था। इक्वाडोर ने यह शुल्क जनवरी में कोलंबिया से आने वाले सामान पर लगाया था। इसका कारण सीमा सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं और ड्रग तस्करी के खिलाफ सहयोग में कमी बताया गया था। शुरुआत में यह शुल्क 30 प्रतिशत था, जिसे बाद में बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया और फिर एक मई को इसे बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर दिया गया। यह नियम कोलंबिया से आने वाले या वहां से बने सभी सामान पर लागू था, और इसकी गणना सामान की कस्टम वैल्यू के आधार पर की जाती थी। अधिकारियों का कहना था कि यह कदम सीमा सुरक्षा और कस्टम नियंत्रण को मजबूत करने के लिए उठाया गया था। हालांकि, कुछ क्षेत्रों को इससे छूट दी गई थी, जैसे तेल और ऊर्जा जैसे रणनीतिक सेक्टर और अस्थायी आयात, कस्टम ट्रांजिट और री-एक्सपोर्ट जैसी विशेष व्यवस्थाएं। निजी पर्यटक वाहनों को भी इससे बाहर रखा गया था।

व्यापारिक संगठनों ने चेतावनी दी थी कि इस फैसले से सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है, व्यापार घट सकता है और रोजगार पर असर पड़ सकता है। जवाब में कोलंबिया ने भी कुछ इक्वाडोरियन उत्पादों पर 75 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिए थे और कुछ समय के लिए इक्वाडोर को बिजली का निर्यात भी रोक दिया था।

अमेरिका और ईरान के बीच समझौता कराने में हम कर रहे हैं मदद : मिस्र के राष्ट्रपति

एजेंसी

काहिरा। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ क्षेत्रीय हालात पर बातचीत की। उन?होंने कहा कि? उनका देश अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता कराने में मदद कर रहा है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, फोन बातचीत में सीसी ने कहा कि मिस्र विभिन्न संबंधित पक्षों के साथ लगातार और गहन संपर्क में है, ताकि अमेरिका और ईरान के बीच एक व्यापक समझौता कराने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि इस मामले में मिस्र का रुख अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों और देशों की संप्रभुता तथा उनके संसाधनों के सम्मान पर आधारित है। वहीं, मैक्रों ने बताया कि फ्रांस क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करने और मध्य पूर्व को अराजकता की ओर जाने से रोकने के लिए प्रयास कर रहा है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि होर्मुज स्ट्रेट खुला रहना चाहिए और वहां से जहाजों की आवाजाही पर कोई रोक नहीं लगनी चाहिए। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौता होने के काफी करीब पहुंच गए हैं। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बातचीत सफल नहीं होती है तो सैन्य कार्रवाई भी एक विकल्प बनी रहेगी। व्हाइट हाउस में फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। ट्रंप ने कहा, 'हम एक बहुत अच्छे समझौते के करीब हैं। अगर यह समझौता हो जाता है तो अच्छा है, नहीं तो फिर हमें सैन्य विकल्प पर आगे बढ़ना पड़ेगा। 'उन्होंने दावा किया कि ईरान ऐसी शर्तों पर सहमत हो गया है जिनके तहत वह परमाणु हथियार विकसित नहीं करेगा और न ही हासिल करेगा। ट्रंप ने कहा, 'मेरे लिए सबसे जरूरी गारंटी यही है कि परमाणु हथियार नहीं होंगे। उन्होंने इस बात पर सहमति जताई है। ' उन्होंने बताया कि जब उन्होंने यह चिंता जताई कि ईरान कहीं और से परमाणु हथियार खरीद सकता है, तो बातचीत की शर्तों को और विस्तृत किया गया। ट्रंप ने कहा, 'शुरुआत में उन्होंने कहा था कि हम परमाणु हथियार विकसित नहीं करेंगे। मैंने पूछा कि अगर आप किसी और से खरीद लें तो क्या होगा? अब इसमें यह भी शामिल है कि हम न तो परमाणु हथियार बनाएंगे ।

दक्षिण कोरिया के डेजॉन स्थित हानवा एयरोस्पेस फैक्ट्री में धमाका, चार की मौत और दो घायल

एजेंसी

सोल । दक्षिण कोरिया के मध्य शहर डेजॉन में स्थित डिफेंस कंपनी हनव्हा एयरोस्पेस की एक फैक्ट्री में सोमवार को हुए धमाके में चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों को सुबह 10:59 बजे इस धमाके की सूचना मिली थी। वे अभी सही हताहतों की संख्या की पुष्टि करने में लगे हुए हैं। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, फायर विभाग की टीमें मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कोशिश कर रही हैं। पुलिस और फायर अधिकारियों का मानना है कि धमाका फैक्ट्री की पहली मंजिल पर हुआ था। आग पूरी तरह बुझने के बाद वे घटना के सही कारण की जांच करेंगे। समाचार एजेंसी के अनुसार, पुलिस ने हनव्हा एयरोस्पेस के इस प्लांट में हुए हादसे में चार लोगों की मौत और दो लोग घायल होने की पुष?टी? की है। यह कंपनी दक्षिण कोरिया की एक बड़ी एयरोस्पेस और डिफेंस कंपनी है।फायर विभाग ने सुबह करीब 11:17 बजे लेवल-1 इमरजेंसी रिस्पॉन्स जारी किया और आग बुझाने का काम शुरू किया।

उधर, दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री किम मिन-सियोक ने इस धमाके के बाद बचाव कार्यों के लिए सभी जरूरी उपकरण और कर्मचारियों को पूरी तरह से लगाने का आदेश दिया है।

भीषण तूफान के बाद पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में बड़े पैमाने पर नुकसान, 70 हजार से ज्यादा घरों की बिजली गुल

एजेंसी

सिडनी । पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में सप्ताहांत के दौरान आए भीषण तूफानों के बाद हजारों घरों की बिजली गुल हो गई है। इन तूफानों से कई संपत्तियों और बिजली की लाइनों को नुकसान पहुंचा है। बिजली कंपनी वेस्टर्न पावर के अनुसार, सोमवार सुबह तक पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में लगभग 70,000 उपभोक्ता, जिनमें पर्थ के लोग भी शामिल हैं, बिजली के बिना थे। शनिवार और राज्य के दक्षिणी हिस्से में आए तेज तूफानों ने काफी नुकसान पहुंचाया। दक्षिण और दक्षिण-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के कई इलाकों में सौ किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार वाली हवाएं चलीं। करीब 24 घंटे तक चले इस खराब मौसम के कारण कई जगहों पर नुकसान और जलभराव की स्थिति पैदा हो गई।

स्टेट इमरजेंसी सर्विस (एसईएस) ने बताया कि सोमवार सुबह तक उन्हें मदद के लिए लगभग 700 कॉल मिली थीं। ज्यादातर शिकायतें छतों के नुकसान, इमारतों को हुए नुकसान

और पेड़ों के गिरने से जुड़ी थीं। अधिकारियों ने कहा कि अब तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग के अनुसार, पर्थ के समुद्र किनारे स्थित 'कॉटस्लो' इलाके में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग की छत तेज हवाओं से उड़ गई। आसपास रहने वाले लोगों को घरों में रहने की सलाह दी गई है।

पर्थ के पश्चिमी उपनगरों से शनिवार शाम लापता हुआ 11 साल का एक लड़का रविवार सुबह सुरक्षित मिल गया। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। वेस्टर्न पावर का अनुमान है कि ज्यादातर इलाकों में बिजली आपूर्ति सोमवार रात तक बहाल कर दी जाएगी।

कुछ क्षेत्रों में चक्रवात जैसी तेज हवाएं दर्ज की गईं। केप नैचुरलिस्ट में हवा का झोंका 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंच गया।

वेस्टर्न पावर पूरे पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में बिजली बहाल करने के लिए काम कर रही है। फिलहाल लगभग 69,000 उपभोक्ता बिजली कटौती से प्रभावित हैं और दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में तूफान से जुड़े 250 से अधिक बिजली व्यवधान दर्ज किए गए हैं। कंपनी का कहना है कि ज्यादातर बिजली आपूर्ति शाम करीब 6:30 बजे तक बहाल हो सकती है, लेकिन यह काम काफी बड़ा और चुनौतीपूर्ण है।

वेस्टर्न पावर के ऑपरेशनल मेंटेनेंस प्रमुख ब्रेट होविंग ने कहा, 'इस समय हमारे नेटवर्क पर लगभग 1,300 घटनाएं दर्ज हैं, इसलिए यह बिल्कुल भी छोटा मामला नहीं है। ' पर्थ और राज्य के दक्षिणी तथा पश्चिमी तटीय इलाकों में सड़कों पर गिरे पेड़, बिजली के तार और अन्य मलबा देखा गया है। प्राधिकरण ने वाहन चालकों से सावधानी से गाड़ी चलाने की अपील की है।

हृदय रोग की समस्या जीवनशैली से जुड़ी है जो हमारी अज्ञानता, अत्यधिक व्यस्तता, तनाव, व भोजन की गलत आदतों के कारण बढ़ रही है। इसके उपचार के लिए सर्जरी के अलावा खानपान में भी परिवर्तन लाना होता है...

बंद धमनियां : जीवनशैली में बदलाव जरूरी

आज की इस भागती-दौड़ती जिंदगी का सबसे बड़ा शिकार हुआ है हमारा दिल, जो हमारे शरीर का सबसे नाजुक भाग भी है। हर चौबीस घंटे में एक लाख बार धड़कने वाले इस दिल पर ही हमारा जीवन आश्रित है। दिन-प्रतिदिन हृदय रोगों का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। दुनिया भर में हार्ट अटैक मौत का एक प्रमुख कारण बना हुआ है। लगभग 8 से 10 से प्रतिशत लोग हार्ट अटैक से एक माह के अंदर और लगभग 10 प्रतिशत हार्ट अटैक के बाद पहले साल में ही मौत के मुंह में चले जाते हैं। एक चौंकाने वाला आंकड़ा यह है कि जहां विकसित देशों में हृदय रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है। दरअसल यह बीमारी व्यक्तियों की जीवनशैली से जुड़ी है जो हमारी अज्ञानता, अत्यधिक व्यस्तता, तनाव व भोजन की गलत आदतों के कारण बढ़ रही है।

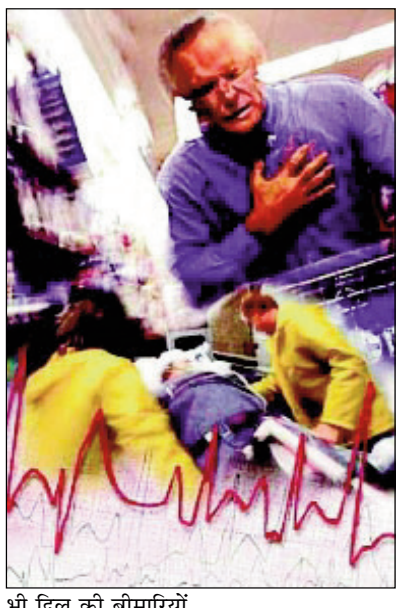

बीमारी का कारण ?

नई दिल्ली स्थित साओल हार्ट सैंटर के निदेशक डा. बिमल छाजेड़ का कहना है कि पुरूषों की तरह ही महिलाओं के लिए भी दिल की बीमारियों के लिए धूम्रपान, उच्च रक्तचाप, आनुवांशिक आदि तथ्य शामिल होते हैं। कुछ पल के लिए अपनी जीवनशैली, पारिवारिक इतिहास और अपने सामान्य स्वस्थ्य की ओर देखें, यद्यपि आप अपने पारिवारिक इतिहास या आयु के बारे में कुछ नहीं कर सकते, लेकिन आप बहुत से अन्य तथ्यों को बदल तो सकते हैं। तो बताए गए कारणों के साथ आज हार्ट-अटैक का सर्वोपरि कारण है कोलेस्ट्रोल। शरीर में सामान्य मात्रा में कोलेस्ट्रोल का होना स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। अगर शरीर में जरूरत से ज्यादा कोलेस्ट्रोल हो तो एथेस्कलेरोसिस रोग होता है। इस रोग में धमनियों में मोम जैसा पदार्थ जम जाता है जिससे वे बहुत संकरी हो जाती हैं। इससे रक्त का प्रवाह सही तरह से नहीं हो पाता है जिससे दिल का दौरा पड़ जाता है।

लक्षण और इलाज

एंजाइना या हार्ट अटैक का रोग हृदय की तीन शिराओं में कोलेस्ट्रोल के जमने से होता है। कोलेस्ट्रोल जमने की वजह से हृदय की मांसपेशियों में ऑक्सीजन की कमी से एंजाइना का दर्द होता है। अधिक तेज दर्द से कई बार मरीज की जान बचाना मुश्किल हो जाता है। अक्सर सीने, छाती तथा शरीर के ऊपरी हिस्सों में होने वाले दर्द को लोग पेट में होने वाली गैंस का दर्द समझ बैठते हैं और घरेलू अथवा आसपास के डॉक्टरों के पास भागते हैं। दरअसल उसी समय यदि हृदय रोग विशेषज्ञों से जांच करवायी जाए तो उस दर्द वास्तविक कारण पता चल सकता है और फिर उपचार होने पर व्यक्ति हृदयाघात से बच सकता है।

क्या विकल्प है ?

डा. बिमल छाजेड़ का कहना है कि आज इन सभी थैरेपियों से अलग एक नई पद्धति है जो हृदय रोगियों के लिए स्थायी उपचार प्रदान करने के लिए एक आधुनिक तकनीक है जिसे 9 बायोकैमिकल एंजियोप्लास्टी के नाम से जाना जाता है। दरअसल ये ब्लॉकेज (हृदय की धमनियों में रूकावट) एकदम से नहीं बनते, ये धीरे-धीरे बनते हैं लेकिन जिस तरह ये बनते हैं उन्हें वैसे ही घटाया भी जा सकता है। यह तकनीक ठीक उसी तरह काम करती है जिस प्रकार आजकल घर की औरतें रसोईघर के रूके हुए पाइपों को साफ करने के लिए उसमें ड्रेनैक्स डाल जाता है। जिससे फंसे हुए या जमें हुए कण बाहर आ जाएं व धमनियां पुनः ठीक प्रकार से काम करने लगें। यह इस चिकित्सा की बहुत बेहतर व सुरक्षित पद्धति है क्योंकि इसमें रोगी के शरीर में किसी भी प्रकार की चीड़फाड़ करने की आवश्यकता नहीं होती, रोगी को अस्पताल में भर्ती करने की भी जरूरत नहीं होती, कुछ रोगियों को केवल दो या तीन हफ्तों में ही इस बीमारी से निजात मिल जाती है। इस चिकित्सा के परिणाम अधिक प्रभावशाली हो सकते हैं यदि इन्हें जीवनशैली बदलाव कार्यक्रम जैसे (खाना पीना, व्यायाम, योग ध्यान, स्ट्रेस-मैनेजमेंट) के साथ अपनाया जाए। याद रखिए कि हृदय संबंधी रोगों के पनपने का कारण है रक्त में चर्बी या कोलेस्ट्रोल का बढ़ना, उच्च रक्तचाप, नशा करना, दिमागी तनाव, मधुमेह, मोटापा, व्यायाम न करना, ठीक प्रकार से खाना न खाना आदि। यदि हम इन सब पर पूरा ध्यान दे पाएं तो हृदय रोगों को कम किया जा सकता है। आज यहां कई ऐसे तथ्य मौजूद हैं जिनसे यह साबित हो सकता है कि बॉयोकैमिकल एंजियोप्लास्टी जादुई असर करती है।

हेल्थ प्लस

क्या नहीं है करेले में?

- करेले की सब्जी बना कर खाने से कब्ज व गैस की शिकायत दूर होती है। साथ ही रक्त साफ होता है जिससे शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है।
- करेले का रस पीने से पेट के कीड़े मरते हैं।
- करेले के रस से कुल्ले करने से मुंह के छाले ठीक हो जाते हैं।
- मधुमेह, बवासीर, लकवा आदि रोगों में करेला लाभकारी है।
- करेले के रसपान से शरीर के फोड़े-फूंसियां दूर होते है।

आयरन का भरपूर खजाना हैं 'पालक' में

पालक लौह तत्त्व (आयरन) से भरपूर सब्जी है। इसकी तासीर ठंडी होती है। शरीर में खून बनाने में पालक बहुत सहायक सिद्ध होता है। पालक को पकाने से इसके अंदर मौजूद गुण नष्ट नहीं होते। कब्ज के इलाज में पालक का नित्य सेवन रामबाण है। नियमित रूप से कुछ दिन पालक की सब्जी का सेवन करने से कब्ज से छुटकारा मिलता है।

जिसे रात में बार-बार पेशाब आता हो उसके लिए संध्या में पालक की सब्जी खाना लाभप्रद है। इससे कुछ दिनों में यह शिकायत दूर हो जाती है। पायरिया के रोग में भी पालक काफी उपयोगी सिद्ध होता है। पालक के रस का सुबह सेवन करने से पायरिया से मुक्ति मिलती है। आंतों की सूजन अथवा आंतों के किसी भी रोग में पालक की सब्जी खाना लाभदायक होता है। यह उदर विकारों को भी दूर करता है।

पालक के उपयोग के साथ कुछ सावधानियां बरतना आवश्यक है। पालक के पत्तों को बहुत अच्छी तरह खुले पानी में सफाई से धोयें, और फिर थोड़ी देर इन्हें पोटाश के पानी में भिगोकर रख दें। ऐसा करने से इनके पत्तों पर मौजूद कीड़े-मकोड़े मर जाते हैं। फिर साफ पानी से धोकर इसे इस्तेमाल किया जा सकता है। बरसात केमहीनों में पालक के सेवन से बचें। इन दिनों मौसमी कीड़े-मकोड़े अधिक होते हैं, जो इन पत्तों के साथ शरीर में प्रवेश कर सकते हैं जिन पर पोटाश का भी असर नहीं होता।

पालक की सब्जी में चूंकि लवण और जल की मात्रा अधिक होती है, इसलिए नमक का इस्तेमाल नाम मात्र ही करना बेहतर होगा।

मोटापा और शरीर में फैट सैल्स

वजन कम करने या बढ़ाने से सिर्फ कोशिकाओ में स्टोर किये गये फैट की मात्रा की प्रभावित होती है, कोशिकाओं की संख्या पर कोई फर्क नहीं पड़ता।

आप मोटे हैं या पतले, भले ही आपका वजन बढ़ता हो या घटता हो, लेकिन हर साल आपकी 10 प्रतिशत फैट कोशिकाएं मर जाती हैं और हर साल जो कोशिकाएं मरती हैं उनकी जगह नयी फैट कोशिकाएं उनका स्थान ले लेती हैं। ऐसा स्वीडन के शोधकर्ताओं का कहना है। इसका नतीजा यह होता है कि साल दर साल, पूरे वयस्क जीवन तक, शरीर में फैट कोशिकाओं की कुल संख्या समान रहती है। वजन कम करने या बढ़ाने से सिर्फ कोशिकाओ में स्टोर किये गये फैट की मात्रा ही प्रभावित होती है, कोशिकाओं की संख्या पर कोई फर्क नहीं पड़ता।

यह शोध हाल ही में ऑनलाइन नेचर पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन में कहा गया है कि मोटापे की जांच करने वाले शोधकर्ताओं ने कुछ चुटकी लेने वाले प्रश्न उठाये हैं। मसलन, यह कैसे तय होता है कि व्यक्ति के शरीर में कितनी फैट कोशिकाएं हैं, इसी किस्म के अन्य सवाल हैं-

फैट कोशिकाओं की संख्या कब तय होती है ?

क्या कोई हस्तक्षेप का ऐसा तरीका है कि वयस्क होने तक लोगों में फैट कोशिकाओं की संख्या कम हो जाये ?

फैट कोशिकाओं की मृत्यु दर को जन्म दर से तेज करके क्या मोटापे का इलाज किया जा सकता है ?

'यह मोटापे को देखने का बिलकुल नया तरीका है।' ऐसा लेस्टर सैलान्स का कहना है। वह मोटापे के शोधकर्ता और न्यूयार्क स्थित माउंट सिनाई स्कूल ऑफ मेडिसिन में एमिरेट्स प्रोफेसर हैं। लेकिन फिलहाल के लिए, शोधकर्ताओं के अनुसार, उनके पास इन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए कोई रास्ता नहीं है। एक अन्य मोटापे के शोधकर्ता व हार्व 24 मेडिकल स्कूल में डीन जैफरी लासर का कहना है, 'एक सिस्टम इंतजार में है, जिसकी खोज की जानी है।' लासर व अन्य मोटापे पर शोध करने वालों ने इस संदर्भ में सावधानी बरतने को कहा है कि अगर वैज्ञानिकों को यह मालूम भी हो जाये कि फैट कोशिका सिस्टम किस तरह से काम करता है तो भी यह स्पष्ट नहीं है कि मोटापे का हस्तक्षेप करके इलाज करना सुरक्षित रहेगा। पिछले कई दशकों के अध्ययन ने एक कड़वा पाठ यह पढ़ाया है कि वजन बरकरार रखने के लिए शरीर के पास अतिरिक्त नियंत्रण हैं। सैलान्स का कहना है, 'मेरा मानना है कि शरीर के पास वजन को नियंत्रित करने का इतना जटिल तरीका है कि अगर आप एक जगह हस्तक्षेप करें तो इस हस्तक्षेप को निरस्त करने के लिए किसी दूसरी जगह कुछ और हो जायेगी।'

लेकिन इस खोज से यह फायदा हुआ है कि मोटापे से संबंधित प्रश्नों को संबोधित करने के लिए नये रास्तों की तलाश की जा रही है। मसलन, उन लोगों के साथ क्या होता है जो एडल्टहुड तक पतले रहते हैं और उसके बाद उनका वजन बहुत बढ़ जाता है ?

अध्ययन का फोकस उन लोगों पर था जो बचपन से ही मोटे थे जो कि एडल्ट मोटापे के लिए सामान्य रास्ता है। जो लोग बाद में मोटे होते हैं उनके लिए स्थिति भिन्न हो सकती है। शायद उनमें वास्तव में नयी फैट कोशिकाएं विकसित हो जाती हों-जो कोशिकाएं उनके पास थीं वे फैट से इतनी भर गयी हैं कि और फैट संभाल न पा रही हों।

एक अन्य प्रश्न यह है कि लिपोसक्शन के जरिये जो फैट कोशिकाएं हटायी जाती हैं, क्या वह फिर से विकसित हो जाती हैं ?

इन दोनों ही प्रश्नों पर स्वीडन के शोधकर्ता नये सिरे से जांच कर रहे हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन का की कू घ ड छ के को हा

स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 4072

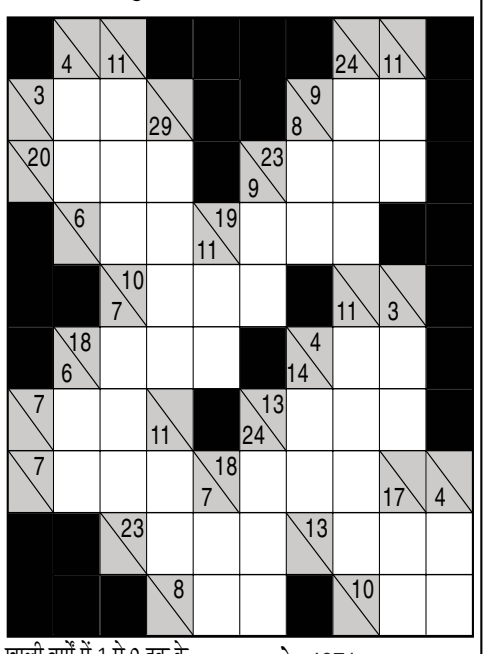

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

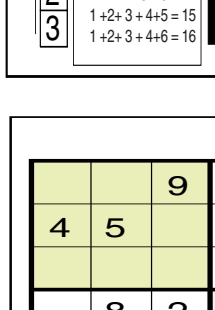

काकुरो -4071 का हल

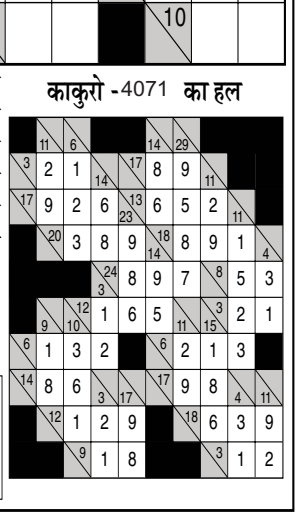

लॉफिंग ज़ोन

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा- जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला- तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

□ □ □

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा -क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका- तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी- अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी- अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका - तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4072

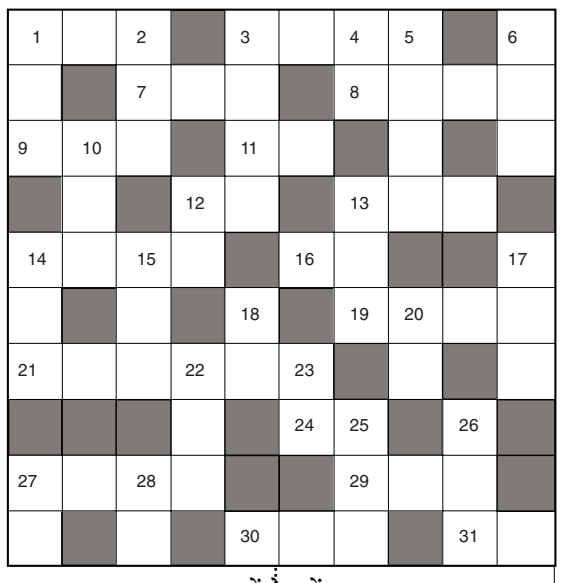

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4071

बं	ध	न	■	क्ष	त्रि	य	■	ज	ख्मी
दि	■	सी	मा	■	दे	श	प्रे	मी	■
श	बा	ब	■	दे	व	■	म	न	■
■	बु	■	जो	श	■	बा	गी	■	खु
दौ	ल	त	■	द्रो	ही	■	त	ला	शी
ड़	■	ला	■	ही	■	पा	■	ट	■
■	रे	श	नी	■	आ	प	के	सा	थ
जं	ग	■	य	की	न	■	■	ब	■
ग	■	■	त	■	बा	द	ल	■	जी
ल	की	र	■	डों	न	■	की	म	त

4072

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

4071

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 4072

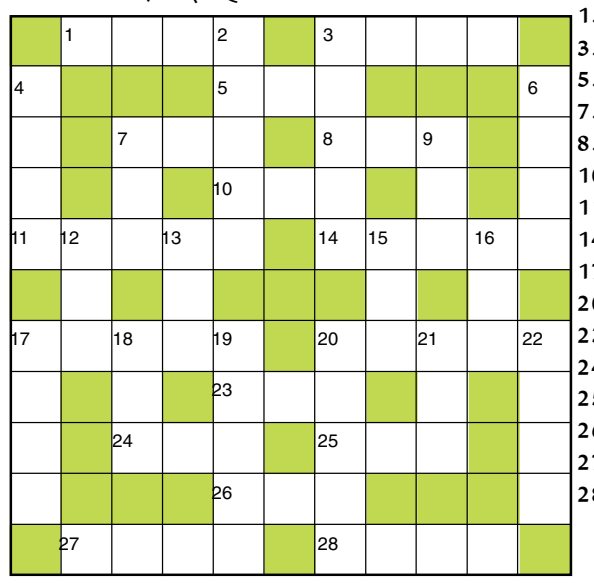

बाएँ से दाएँ

1. छुट्टी,रजा-4
3. वध,आघात-4
5. दशानन-3
7. अनमोल,अनूठा-3
8. अनाथ,बेसहारा-3
10. खजूर-3
11. रहम करना-2,3
14. गहराई नापना-2,3
17. लगातार,सतत-5
20. संतुष्ट होना-2,3
23. बीच में,दौरान-3
24. खुश,आनंदित-3
25. शिक्षा-3
26. शोक-3
27. जांचना,परखना-4
28. धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2. मयखाना,मधुशाला-5
3. प्रेमकहानी-5
4. चापलूसी-4
6. नटना,वचन तोड़ना-4
7. फिजूल,व्यर्थ-3
9. अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12. गुजर करना-3
13. वेग,गति-3
15. खूबसूरत-3
16. पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17. गुजारिश,मांग-4
18. सुअर-3
19. गुस्सा होना-5
20. ममतापूर्ण-5
22. अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 4071 का हल

क	ल	र	व	■	■	■	मु	का	ब	ला
मी	■	■	त	म	त	मा	ना	■	■	ज
श	व	■	न	या	■	न	दी	■	जी	वा
न	र	क	■	न	म	क	■	ख	रा	ब
■	■	दा	म	न	■	जा	■	न	फा	■
■	■	न	■	ख	त	■	म	न	■	म
■	■	■	सा	रा	■	आ	■	द	म	न
अ	ना	र	■	र	स	म	■	त	ह	री
मा	ता	■	ल	क	■	सौ	त	■	र	त
न	■	■	च	म	क	दा	र	■	■	स
त	क	दी	र	■	■	■	ल	ल	का	र

वंदे भारत एक्सप्रेस में तकनीकी खराबी से चार घंटे तक वाराणसी में खड़ी रही ट्रेन

एजेंसी

वाराणसी। बनारस-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह तकनीकी खराबी के कारण वाराणसी जंक्शन (कैंट रेलवे स्टेशन) के समीप लगभग चार घंटे तक खड़ी रही। इसकी वजह से ट्रेन का संचालन प्रभावित हुआ, जिससे यात्रियों को भी काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। रेलवे की तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंच मरम्मत कार्य करने के बाद ट्रेन गंतव्य के लिए रवाना की गई। जानकारी के अनुसार मंडुवाडीह स्थित बनारस रेलवे स्टेशन से वंदे भारत एक्सप्रेस निर्धारित समय पर सुबह 5:15 बजे खजुराहो के लिए रवाना हुई थी। ट्रेन जैसे ही वाराणसी जंक्शन के निकट पहुंची, पैंटोग्राफ में चिंगारी निकलती देखकर रेलवे गेटमैन ने तत्काल इसकी सूचना स्टेशन मास्टर को दी। इसके बाद सुरक्षा के मद्देनजर ट्रेन को प्लेटफॉर्म संख्या-3 के पास रोक दिया गया। दरअसल, वाराणसी जंक्शन पर इस वंदे भारत एक्सप्रेस का निर्धारित ठहराव नहीं है। तकनीकी खराबी की सूचना मिलते ही उत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे की तकनीकी टीम मौके पर पहुंची और पाया कि पैंटोग्राफ (ओएचई से विद्युत आपूर्ति प्राप्त करने वाला उपकरण) के रॉड में खराबी आ गई। इसके बाद रेलवे की तकनीकी टीमों ने पैंटोग्राफ का टेढ़ा रॉड बदला कर समस्या का समाधान किया गया। इसके बाद ट्रेन सुबह 9:35 बजे अपने गंतव्य के लिए रवाना हुई।

पहली ही बारिश में हलवारा हवाई अड्डा के नुकसान पर केंद्रीय मंत्री ने मांगी रिपोर्ट

चंडीगढ़। हलवारा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परिसर में पहली ही बारिश के दौरान हुए नुकसान को लेकर केंद्रीय रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट जैसे महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट की गुणवत्ता तथा सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि नुकसान का विस्तृत आकलन करवाने के लिए संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की गई है। रवनीत सिंह बिट्टू ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एयरपोर्ट से जुड़ा एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि उन्हें बारिश के कारण हुए नुकसान की जानकारी मिली है और इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की गई है। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि करोड़ों रुपये की लागत से बने हलवारा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की पहली ही बारिश ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री खांडू के इस्तीफे की खबर फर्जी : भाजपा

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोशल मीडिया और कुछ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हो रही उन खबरों का कड़ा खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि मुख्यमंत्री पेमा खांडू अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। भाजपा ने इन खबरों को फर्जी खबर बताते हुए चेतावनी दी कि केंद्रीय भाजपा से चर्चा के बाद गलत सूचना फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। भाजपा अध्यक्ष कालिंग मोयोंग ने रविवार को इटानगर स्थित भाजपा कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि इन खबरों में जरा भी सच्चाई नहीं है और उन्होंने जोर देकर कहा कि खांडू पूर्ण अधिकार और जिम्मेदारी के साथ मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करना जारी रखेंगे मुख्यमंत्री पेमा खांडू के इस्तीफे की खबरें पूरी तरह से फर्जी और भ्रामक हैं। हम इस तरह की झूठी सूचना के प्रसार की कड़ी निंदा करते हैं। हालांकि, भ्रष्टाचार के आरोपों पर मुख्यमंत्री पेमा खांडू के खिलाफ सीबीआई जांच का उच्चतम न्यायालय का आदेश है, लेकिन ऐसी कोई खबर नहीं है और न ही पार्टी के भीतर ऐसी कोई योजना है।

वास्तव में, भाजपा के सभी 46 विधायक मुख्यमंत्री खांडू के साथ हैं और राज्य के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। मोयोंग ने कहा कि अगर उच्चतम न्यायालय मुख्यमंत्री के खिलाफ फैसला सुनाता है, तो पार्टी उचित निर्णय लेगी। लेकिन अभी नहीं, क्योंकि जांच अभी जारी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली और अरुणाचल प्रदेश आपस में अच्छी तरह जुड़े हुए हैं। अगर ऐसी कोई घटना होती, तो हमें जरूर पता चलता। इन अफवाहों में बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। भाजपा महासचिव तादार निगलर ने पार्टी की एकता को दोहराते हुए कहा कि पार्टी के सभी विधायक मुख्यमंत्री के साथ मजबूती से खड़े हैं।कहा कि सभी विधायक एक ही नेतृत्व में हैं, पार्टी में कोई विभाजन नहीं है।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के 51 सदस्यीय छात्र दल ने रोली-खोली हिमालय पर्वत पर किया ध्वजारोहण समारोह

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश की कुल्लू घाटी स्थित रोली-खोली हिमालय पर्वत पर एक भव्य और ऐतिहासिक संस्कृत ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के 51 सदस्यीय छात्र-छात्राओं के दल ने पूरे उत्साह के साथ संस्कृत ध्वज फहराया और भाषा के संवर्धन का संकल्प दोहराया। इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (नई दिल्ली), संस्कृत भारती, तरुणोदय संस्कृत सेवा संस्था (शिवमोग्गा), यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की तरुणोदय इकाई (शिवमोग्गा) तथा गीर्वाण भारती इकाई (श्री आदिचुंचनगिरि क्षेत्र) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित युवाओं ने संस्कृत प्रचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए एक प्रेरणादायी श्लोक प्रस्तुत किया, 'हिमाद्रौ तरुणाः सर्वे संस्कृतध्वजवाहकाः । ज्ञानदीपं नयामोऽद्य भारतस्य नवोदितम् ॥ जिसका अर्थ है कि हिमालय की ऊँचाइयों पर खड़े ये युवा संस्कृत ध्वज के वाहक बनकर, नवभारत के निर्माण के लिए ज्ञान का दिव्य दीप प्रज्वलित कर रहे हैं।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने सुधीर परमार को भ्रष्टाचार के मामले में बरी करने वाले जज को किया सस्पेंड

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंचकूला में सीबीआई कोर्ट के तत्कालीन स्पेशल जज राजीव गोयल को तुरंत सस्पेंड कर दिया है और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने पर विचार किया जा रहा है। 29 मई को हाईकोर्ट के जारी सस्पेंशन ऑर्डर में कहा गया कि यह फैसला चीफ जस्टिस और जजों ने संविधान के आर्टिकल 235 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए हरियाणा सिविल सर्विसेज (पनिशमेंट एंड अपील) रूल्स, 2016 के रूल 4(बी) के साथ लिया। आदेश में कहा गया कि चीफ जस्टिस और जजों ने तत्कालीन स्पेशल जज सीबीआई कोर्ट, पंचकूला राजीव गोयल (अब कैथल में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज) को तुरंत सस्पेंड कर दिया है, ताकि उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जा सके। निलंबन के दौरान गोयल का हेडक्वार्टर कैथल में रहेगा और उन्हें डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज कैथल की इजाजत लिए बिना हेडक्वार्टर न छोड़ने का निर्देश दिया गया है। आदेश में आगे कहा गया कि वह हरियाणा सिविल सर्विसेज (जनरल) रूल्स, 2016 के अनुसार गुजारे के लिए अलाउंस के हकदार होंगे। हालांकि, पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश में यह नहीं बताया गया कि आरोप किस तरह के हैं या उन आधारों पर ज्यूडिशियल ऑफिसर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने का प्रस्ताव है। यह घटनाक्रम इसलिए अहम है क्योंकि सीबीआई कोर्ट पंचकूला में गोयल से पहले तैनात रहे निलंबित जज सुधीर परमार पर भी गंभीर करप्शन के आरोप लगे थे, जिसके बाद हरियाणा एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) और एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) ने हाईप्रोफाइल जांच शुरू की थी। पिछले हफ्ते पंचकूला में सीबीआई कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज के तौर पर काम करते हुए राजीव गोयल ने सुधीर परमार, उसके भतीजे अजय परमार और रियल एस्टेट फर्मों के तीन रिप्रेजेंटेटिव को प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत दर्ज करप्शन केस से बरी कर दिया था। सुधीर परमार को अप्रैल 2023 में पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने एक कथित रिश्वत मामले में उनके घर पर एसीबी की रेड के बाद सस्पेंड कर दिया था।

इसके बाद ईडी ने 2024 में सुधीर परमार के खिलाफ कथित रिश्वतखोरी रैकेट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में चार्जशीट दायर की। फेडरल एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग एजेंसी ने अगस्त 2023 में अपनी मुख्य प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट और अक्टूबर 2023 में सस्पेंडेड जज समेत 10 आरोपियों के खिलाफ एक सप्लीमेंट्री कंप्लेंट फाइल की थी। ईडी के मुताबिक, मामले की जांच हरियाणा एसीबी द्वारा दर्ज की गई एफआईआर से शुरू हुई और रिश्वत से हुए कथित क्राइम के पैसे का पता लगाने की कोशिश की गई।

पासिंगआउट परेड के साथ आईटीबीपी में शामिल हुए 133 नए 'हिमवीर' अधिकारी

एजेंसी

देहरादून। मसूरी में मौसम की बेरुखी भी देशभक्ति के जज्बे को नहीं डिगा सकी। रिमझिम बारिश के बीच भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) अकादमी में पासिंगआउट परेड में 133 युवा अधिकारी राष्ट्र सेवा की शपथ लेकर बल की मुख्यधारा में शामिल हो गए। कदमताल करते युवा अधिकारियों का जोश, अनुशासन और समर्पण देख हर आंख गर्व से चमक उठी। इन अधिकारियों में कई डॉक्टर, इंजीनियर और उच्च शिक्षित हैं। परेड ग्राउंड पर आयोजित आईटीबीपी की पासिंग परेड के समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत भी शामिल हुए।लगभग 18 से 50 सप्ताह तक चले कठिन प्रशिक्षण के बाद 132 सहायक सेनानी और एक महिला उप-सेनानी (विशेषज्ञ चिकित्सक) ने देश की सीमाओं की रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शिरकत कर नवनियुक्त अधिकारियों का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि आईटीबीपी देश की सुरक्षा का मजबूत स्तंभ है। सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ आपदा प्रबंधन, आंतरिक सुरक्षा और राष्ट्रीय आपात स्थितियों में बल की भूमिका हमेशा अग्रणी रही है। उन्होंने कहा कि आज पास आउट हुए युवा अधिकारी देश की नई ताकत हैं और उन्हें पूरी निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा।

आईपीएस अधिकारी अनन्या अवस्थी ओडिशा राज्यपाल की पहली महिला एडीसी नियुक्त

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा के गवर्नर डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने आईपीएस अधिकारी अनन्या अवस्थी को गवर्नर की एडीसी नियुक्त किया है, जिससे वह इस प्रतिष्ठित पद पर काम करने वाली पहली महिला ऑफिसर बन गई हैं। एक ऑफिशियल बयान के मुताबिक, लोक भवन में एक फॉर्मल इंडक्शन सेरेमनी हुई, जहां गवर्नर कंभमपति ने अवस्थी का एडीसी के रूप में स्वागत किया। इस मौके पर गवर्नर सेक्रेटेरिएट के सीनियर अधिकारी मौजूद थे। यहां यह बताना जरूरी है कि अपनी नियुक्ति से पहले अनन्या अवस्थी कटक के अर्बन पुलिस डिस्ट्रिक्ट में असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (एसीपी) के तौर पर काम कर रही थीं। ओडिशा के गवर्नर की एडीसी के तौर पर काम करने वाली पहली महिला होने के नाते उनकी नियुक्ति पब्लिक सर्विस में महिलाओं की भागीदारी के लिए एक मील का पत्थर है। 2022 बैच की आईपीएस अधिकारी साथी आईपीएस अधिकारी कुलदीप मीणा की जगह लेंगी, जो पहले गवर्नर के पुलिस एडीसी के तौर पर काम कर रहे थे। गवर्नर के नेवल एडीसी बने रहेंगे।

एडीसी ऑफिशियल कामों, सेरेमोनियल फंक्शन और दूसरे प्रोटोकॉल से जुड़े कामों के दौरान राज्य सरकार द्वारा हाल ही में किए गए फेरबदल के दौरान, 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी मीणा को बौध डिस्ट्रिक्ट का सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस नियुक्त किया गया है। खास बात यह है कि ओडिशा के गवर्नर को दो एड-डी-कैंप मदद करते हैं। इनमें से एक इंडियन नेवी से और दूसरा ओडिशा पुलिस से है। अनन्या अवस्थी पुलिस एडीसी के तौर पर काम करेंगी, जबकि इंडियन नेवी के लेफ्टिनेंट हर्षित देव गवर्नर की मदद करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इस बीच, ओडिशा के गवर्नर की पहली महिला एडीसी के तौर पर अवस्थी की नियुक्ति को राज्य के पब्लिक सर्विस लैंडस्केप में एक बड़ी कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है।

यह ऐतिहासिक पोस्टिंग पुलिस और एडमिनिस्ट्रेटिव फ्रेमवर्क में लीडरशिप और सेरेमोनियल पोजीशन पर महिलाओं की बढ़ती भूमिका को दिखाती है।

छत्तीसगढ़ व कर्नाटक के पर्यटकों की कार 500 मीटर गहरी खाई में गिरी, 8 लोगों की मौत

एजेंसी

चंबा। हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल साच पास के दीदार कर लौट रहे छत्तीसगढ़ और कर्नाटक के पर्यटकों की एक कार के गहरे नाले में गिरने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में कार सवार आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह दुर्घटना शुक्रवार शाम को हुई थी, लेकिन क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की समस्या होने के कारण इसकी जानकारी समय पर नहीं मिल सकी। जैसे ही हादसे की सूचना प्रशासन तक पहुंची, जिला प्रशासन और पुलिस की टीमें तत्काल मौके के लिए रवाना हुईं। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी अमित मेहरा तथा विजय कुमार सकलानी ने घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस, प्रशासन और स्थानीय लोगों के सहयोग से चलाए गए रेस्क्यू अभियान के दौरान लगभग 500 मीटर गहरी खाई में गिरे वाहन तक पहुंचकर सभी शवों को बाहर निकाला गया। हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोगों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज चंबा भेजा गया है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। दिन पहले हुई थी, जिसकी सूचना देर से मिली। सूचना मिलते ही प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और आज सभी शवों को सफलतापूर्वक

प्रशासन की ओर से राजस्व मैनुअल के तहत प्रभावित परिवारों को राहत राशि भी प्रदान की जाएगी। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी अमित मेहरा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि बारिश के दौरान वाहन दुर्घटना का शिकार हुआ। वाहन में सवार दो परिवार इस हादसे में काल का ग्रास बन गए। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना दो बरामद कर लिया गया।उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से आगामी सभी औपचारिकताएं पूरी कर पीड़ित परिवारों को नियमानुसार सहायता प्रदान की जाएगी। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है तथा प्रशासन ने पर्यटकों और वाहन चालकों से बरसात के मौसम में पहाड़ी सड़कों पर विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

अभिषेक बनर्जी पर हमले के मामले में टीएमसी का आरोप, 'गिरफ्तारियां सिर्फ दिखावा'

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी पर सोनारपुर में हुए हमले और दुर्व्यवहार के मामले में छह लोगों की गिरफ्तारी के बाद पार्टी ने आरोप लगाया कि पुलिस की कार्रवाई केवल औपचारिकता भर है और घटना के असली आरोपी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े हुए हैं। टीएमसी ने अभिषेक बनर्जी की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए और पूछा कि क्या एक सांसद को दी गई केंद्रीय सुरक्षा ऐसे सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान उनके साथ मौजूद रहेगी। गिरफ्तारियों पर प्रतिक्रिया देते हुए टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने कहा कि पुलिस ने घटना के मुख्य आरोपियों को नहीं पकड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन वास्तविक दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहा है। रॉय ने कहा, 'यह सिर्फ दिखावे की कार्रवाई है। असली आरोपी सक्रिय भाजपा कार्यकर्ता थे, लेकिन उनके खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया गया। जिस तरह अभिषेक के सोनारपुर दौरे के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने कोई एहतियाती कदम

नहीं उठाया, उसी तरह अब भी दोषियों की गिरफ्तारी के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। आपने देखा कि अभिषेक के पूरे शरीर पर हमला किया गया, लेकिन इसके बावजूद पर्याप्त कार्रवाई नहीं हुई।' दरअसल, शनिवार को अभिषेक बनर्जी सोनारपुर में एक मृत टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने गए थे। इस दौरान रास्ते में उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। कुछ लोगों ने उन पर अंडे और ईंट के टुकड़े फेंके, जबकि प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने उनके खिलाफ नारेबाजी भी की। टीएमसी नेता और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को मृतक कार्यकर्ता के घर तक पैदल जाते समय विरोध का सामना करना पड़ा। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने उन्हें घेरने और मुक्का मारने की भी कोशिश की, हालांकि सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें बचा लिया। भाजपा नेताओं द्वारा इस घटना को टीएमसी के खिलाफ बढ़ते जनाक्रोश का परिणाम बताए जाने पर सौगत रॉय ने इस दावे को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा राजनीतिक लाभ के लिए भ्रामक माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, 'यह पूरी तरह निराधार है। भाजपा यह नैरेटिव गढ़ रही है कि जनता में टीएमसी के खिलाफ भारी गुस्सा है। लेकिन राज्य में टीएमसी को 2.60 करोड़ वोट मिले हैं। आम लोगों के पास टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमला करने के अलावा और भी काम हैं। यह केवल भाजपा के गुंडे और असामाजिक तत्व हैं, जिन्हें उनके राज्य स्तरीय नेताओं द्वारा उकसाया जा रहा है।'

मप्र में जनगणना 2027 का प्रथम चरण संपन्न, 54923 ग्रामों एवं 425 नगरीय निकायों में मकान सूचीकरण का कार्य पूर्ण

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का फील्ड कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। प्रदेश में यह कार्य 55 जिलों, 425 नगरीय निकायों तथा 449 तहसीलों के अंतर्गत 54 हजार 923 ग्रामों में संपादित किया गया।

गृह विभाग की सचिव एवं जनगणना कार्य की नोडल अधिकारी शिल्पा गुप्ता ने बताया कि राज्यभर में 01 मई से प्रारंभ हुए इस व्यापक अभियान के दौरान प्रत्येक ग्राम एवं नगरीय क्षेत्र में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर मकानों तथा उनमें निवासरत परिवारों से निर्धारित जानकारी संकलित की गई। उन्होंने बताया कि इस चरण में भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 33 प्रश्नों के माध्यम से मकानों की स्थिति, उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं परिसंपत्तियों संबंधी जानकारी मोबाइल एप के जरिए डिजिटल रूप से एकत्रित की गई। जनगणना 2027 की यह प्रक्रिया पूर्णतः डिजिटल माध्यमों पर आधारित रही, जिसके अंतर्गत फील्ड कार्य की सतत मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से की गई। इससे कार्य की गुणवत्ता, पारदर्शिता तथा समयबद्धता सुनिश्चित हुई। नोडल अधिकारी शिल्पा गुप्ता ने बताया कि प्रदेशभर में यह कार्य मकान सूचीकरण ब्लॉकों में 1 लाख 44 हजार से अधिक प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त लगभग 15 हजार प्रगणक एवं पर्यवेक्षक रिजर्व के रूप में तैनात किए गए थे। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा में पूरे प्रदेश में मकानों की गणना का कार्य पूर्ण होना प्रशासनिक समन्वय एवं जनसहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। शिल्पा गुप्ता ने बताया कि जनगणना के दौरान संकलित की गई सभी व्यक्तिगत जानकारियां जनगणना अधिनियम, 1948 तथा जनगणना नियमावली, 1990 के प्रावधानों के तहत पूर्णतः गोपनीय रहेंगी।

सीनियर आईपीएस राजीव कृष्ण बने उत्तर प्रदेश के पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस को लगभग चार वर्षों के लंबे अंतराल के बाद स्थायी नेतृत्व मिल गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 1991 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्ण को प्रदेश का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद की ओर से जानकारी दी गई है। इसके साथ ही वर्ष 2022 में तत्कालीन डीजीपी मुकुल गोयल के पद से हटने के बाद से चला आ रहा पूर्णकालिक डीजीपी का इंतजार समाप्त हो गया। राजीव कृष्ण बीते एक वर्ष से अधिक समय से कार्यवाहक डीजीपी के रूप में प्रदेश पुलिस की कमान संभाल रहे थे। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा भेजे गए तीन वरिष्ठ अधिकारियों के पैनल पर शासन स्तर पर विचार-विमर्श के बाद उनके नाम पर अंतिम मुहर लगी। आयोग ने 26 मई को हुई बैठक के उपरांत 1990 बैच की आईपीएस अधिकारी रेणुका मिश्रा तथा 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी पीयूष

आनंद और राजीव कृष्ण के नाम राज्य सरकार को भेजे थे।

प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक अनुभव, कानून-व्यवस्था प्रबंधन और संगठनात्मक क्षमता को ध्यान में रखते हुए राजीव कृष्ण को पुलिस बल का नेतृत्व सौंपने का निर्णय लिया। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब राज्य सरकार अपराध नियंत्रण, तकनीक आधारित पुलिसिंग और निवेश अनुकूल कानून-व्यवस्था को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किए हुए है।

राजीव कृष्ण को पुलिस सेवा में तीन दशक से अधिक का व्यापक अनुभव प्राप्त है। उन्होंने खुफिया तंत्र, कानून-व्यवस्था, पुलिस आधुनिकीकरण और प्रशासनिक प्रबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। कार्यवाहक डीजीपी बनने से पूर्व वह डीजी इंटेलिजेंस तथा उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष जैसी अहम जिम्मेदारियां संभाल रहे थे।

मैदानी पुलिसिंग में भी उनका लंबा अनुभव रहा है। वह लखनऊ, आगरा, मथुरा, इटावा और गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) सहित कई महत्वपूर्ण जिलों के पुलिस प्रमुख रह चुके हैं। इटावा में तैनाती के दौरान दस्यु गिरोहों के खिलाफ चलाए गए अभियानों में उनकी भूमिका विशेष रूप से चर्चा में रही। इसके अलावा वह लखनऊ जोन के एडीजी और केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में आईजी ऑपरेशंस के पद पर भी सेवाएं दे चुके हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की पृष्ठभूमि रखने वाले राजीव कृष्ण का जन्म 26 जून 1969 को गौतमबुद्ध नगर में हुआ था। भारतीय पुलिस सेवा के 1991 बैच के अधिकारी के रूप में उन्होंने 15 सितंबर 1991 को सेवा जॉइन की थी।

अपने करियर के दौरान उन्होंने विभिन्न स्तरों पर पदोन्नति प्राप्त करते हुए फरवरी 2024 में पुलिस महानिदेशक रैंक हासिल की। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों और यूपीएससी की चयन प्रक्रिया के तहत नियुक्त स्थायी डीजीपी का न्यूनतम कार्यकाल दो वर्ष का होता है। ऐसे में राजीव कृष्ण के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस को अपेक्षाकृत स्थिर कमान मिलने की उम्मीद है।

मप्र के भोपाल में पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली विषय पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 'मेनस्ट्रीमिंग-एलआईएफई: पर्यावरण अनुकूल टिकाऊ शहरी आवासों का निर्माण' विषय पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न हुआ। इस दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर के प्रमुख वैज्ञानिक, पर्यावरणविद, शहरी योजनाकार, नीति विशेषज्ञ और जमीनी स्तर पर कार्यरत संगठन शामिल हुए।

सोसायटी ऑफ नेचर हीलर्स, कंजर्वेटर्स एंड लोकल टूरिज्म डेवलपमेंट (एसएनएचसी इंडिया) तथा मध्य प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा संयुक्त रूप से एपको (एनवाइरनमेंटल प्लानिंग एंड को-ऑर्डिनेशन ऑर्गनाइजेशन) में आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य तेजी से बढ़ते शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच जैव-विविधता संरक्षण, पर्यावरण-अनुकूल विकास और टिकाऊ शहरी नियोजन को बढ़ावा देना था। विशेषज्ञों ने इस बात पर बल दिया कि शहरों के विकास मॉडल में प्रकृति और स्थानीय पारिस्थितिकी को केंद्र में रखना समय की आवश्यकता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर

एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट ऑफ डिग्रेडेड इकोसिस्टम्स (सीईएमडीई) के प्रो. डॉ. फैयाज ए. खुसरो ने कहा कि दिल्ली सहित देश के अनेक शहरों में बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरणीय संकट शहरी नियोजन के लिए गंभीर चेतावनी है। उन्होंने स्थानीय पारिस्थितिकीय समाधानों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। पूर्व विशेष पुलिस महानिदेशक अनुराधा शंकर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। तकनीकी सत्रों में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ ह्यूमन सेटलमेंट बेंगलुरु के जगदीश कृष्णस्वामी, डॉ. चंद्रशेखर एम. बिरादर, वन्यजीव संस्थान देहरादून के डॉ. गौतम तालुकदार तथा अन्य विशेषज्ञों ने शहरी तापमान वृद्धि, हरित क्षेत्रों की कमी, जैव विविधता संरक्षण और शहरी नियोजन में प्रकृति-आधारित समाधानों की आवश्यकता पर विस्तृत विचार रखे। उन्होंने शहरों में देशी वृक्षारोपण, ब्लू-ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर और वार्ड स्तर पर जैव विविधता रजिस्टर तैयार करने की आवश्यकता जताई।

दूसरे तकनीकी सत्र में नदियों, आर्द्र भूमियों और शहरी जल प्रणालियों के संरक्षण पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने भूजल दोहन, रेत खनन और नदी संरक्षण की चुनौतियों को रेखांकित करते हुए शहरी विकास योजनाओं में जल संसाधनों और आर्द्रभूमियों के संरक्षण को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। 'सस्टेनेबल सिटी–गवर्नेंस, प्लानिंग एंड कम्युनिटी' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने शहरी नियोजन में जैव विविधता संरक्षण, पक्षी-अनुकूल भवन निर्माण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग और समावेशी विकास मॉडल को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई।

होजाई में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 20 दिवसीय कार्यकर्ता विकास वर्ग का भव्य समापन

एजेंसी

होजाई (असम)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, असम क्षेत्र द्वारा आयोजित 20 दिवसीय कार्यकर्ता विकास वर्ग (प्रथम, सामान्य) का समापन गीताश्रम, होजाई में भव्य एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। वर्ग में पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से आए 102 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन अवसर पर स्वयंसेवकों के अनुशासित एवं आकर्षक शारीरिक प्रदर्शन ने उपस्थित जनसमूह को विशेष रूप से प्रभावित किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता एवं असम क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख शंकर दास कलिता ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले सौ वर्षों से समाज संगठन एवं राष्ट्र निर्माण के कार्य में निरंतर संलग्न है। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक काल में भारतीय इतिहास, संस्कृति और परंपराओं को विकृत रूप में प्रस्तुत किए जाने के कारण नई पीढ़ी अपने सांस्कृतिक आधार से दूर हुई है। पश्चिमी भौतिकवाद, अति-व्यक्तिवाद तथा उपभोक्तावाद ने समाज और परिवार की पारंपरिक संरचनाओं को भी चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है और विभिन्न वैचारिक शक्तियां युवाओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रही हैं। तथाकथित रिडक्शनिस्ट अप्रोच समाज को जाति, भाषा, क्षेत्र और अन्य संकीर्ण पहचानों के आधार पर विभाजित करती है, जिससे सामाजिक एकात्मता कमजोर होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि साइंटिफिक सोशलिज्म तथा शहरी नक्सलवाद जैसी प्रवृत्तियां समाज में कृत्रिम विभाजन और संघर्ष की मानसिकता को बढ़ावा देती हैं।

असम की वर्तमान परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कलिता ने कहा कि एक ओर वैश्वीकरण की बात होती है, वहीं दूसरी ओर समाज को ऊपरी असम-निचला असम, बराक-ब्रह्मपुत्र, असमिया-बांग्लाभाषी, हिन्दीभाषी-गैर हिन्दीभाषी तथा विभिन्न जातीय समूहों के आधार पर विभाजित करने के प्रयास किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि विविधताओं को संघर्ष नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक समृद्धि का आधार बनाया जाना चाहिए। भाषा और लिपि से जुड़े प्रश्नों को भी समाज को बांटने का माध्यम नहीं बनने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि संघ का कार्य 'वसुधैव कुटुम्बकम्', 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' तथा 'एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति' जैसे सनातन मूल्यों के आधार पर समाज को संगठित कर विश्वबंधुत्व और सामाजिक समरसता का वातावरण निर्मित करना है। अपने आशीर्वचन में मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स स्थित पारंपरिक खासी राज्य हिमा खैरिम के उप-राजा हाबापान सिंसियेम ने स्वधर्म आधारित सेंग खासी के प्राचीन उच्च मूल्यबोध समाज एवं देश में शांति स्थापन करने में सहायक बनेगी, ऐसा आशा व्यक्त की।

यूक्रेन की कोस्त्युक ने हराया

चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक फ्रेंच ओपन से बाहर

महिला अंपायर पर कमेंट करने वाले खिलाड़ी पर जुर्माना

पेरिस (एजेंसी)। फ्रेंच ओपन 2026 के विमेंस सिंगल्स में सोमवार को बड़ा उलटफेर हुआ। यूक्रेन की 15वीं वरीय मार्ता कोस्त्युक ने चार बार की चैंपियन और तीसरी वरीय इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से हराकर बाहर कर दिया। मुकाबला 1 घंटा 39 मिनट चला।दूसरी ओर महिला अंपायर पर कमेंट करने वाले पैराग्वे के एडोल्फो डेनियल वायेहो पर जुर्माना लगाया गया है।

पुरुषों में ज्वेरेव जीते, कैस्पर रूड बाहर -पुरुष एकल वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने जेस्पर डी जोंग को सीधे सेटों में हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

कोस्त्युक का मैच स्वितोलिना होगा

क्वार्टर फाइनल में कोस्त्युक का सामना यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना से होगा। स्वितोलिना ने स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिच को हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई। इस मुकाबले की विजेता ओपन एरा में फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली यूक्रेनी महिला खिलाड़ी बनेगी।एक अन्य मैच में रोमानिया की सोराना सिर्स्तेआ ने चीन की वांग शियू को 6-3, 7-6 (4) से हराकर 17 साल बाद रोलां गैरो के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह उनके करियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। अब उनका सामना रूस की मीरा एंड्रीवा से होगा। एंड्रीवा ने जिल टाइखमान को 6-3, 6-2 से हराया।

ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका ने कैस्पर रूड को 7-5, 7-6 (6), 5-7, 6-2 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

पीएसजी बना यूरोप का बादशाह, पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल को हराकर जीता खिताब

एरिना (एजेंसी)। बुडापेस्ट के पुस्कास एरिना में खेले गए रोमांचक चैंपियंस लीग फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने आर्सेनल को पेनल्टी शूटआउट में हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम कर लिया। शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय समाप्त होने तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर थीं। इसके बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से किया गया। शूटआउट में पीएसजी ने 4-3 से जीत दर्ज की। मैच का निर्णायक पल तब आया जब आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मैगालहेस अपनी टीम की आखिरी पेनल्टी को गोलपोस्ट के ऊपर मार बैठे। उनकी यह चूक आर्सेनल पर भारी पड़ गई और पीएसजी ने खिताब जीत लिया। पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। आर्सेनल ने पीएसजी को कड़ी चुनौती दी, लेकिन पेनल्टी शूटआउट में फ्रांसीसी क्लब ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ पीएसजी ने लगातार दूसरी बार चैंपियंस लीग का खिताब जीतकर यूरोपीय फुटबॉल में अपनी बादशाहत कायम रखी।

आरसीबी ने लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतने के बाद लिया बड़ा फैसला

नहीं निकलेगी विजय परेड

अहमदाबाद (एजेंसी)। पिछले साल की भगदड़ और 11 लोगों की मौत को ध्यान में रखते हुए रॉयल चैलेंज बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दूसरी खिताबी जीत के लिए विजय परेड नहीं निकालने का फैसला किया है। रॉयल चैलेंजर्स ने रविवार को यहां गुजरात टाइटन्स को 5 विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब जीता। आरसीबी ने यह निर्णय कर्नाटक के नवनियुक्त मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह को ध्यान में रखते हुए भी लिया जो लोक भवन में आयोजित किया जाएगा। पिछले साल चार जून को जल्दबाजी में निकाले गए विजय जुलूस के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी। आरसीबी के एक सूत्र ने कहा, बेंगलुरु में किसी भी प्रकार का जश्न मनाने की संभावना बहुत कम है। कुछ दिशानिर्देश निर्धारित हैं और हमें उनका पालन करना होगा। इस बीच बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमंथ कुमार सिंह ने कहा, हम किसी भी प्रकार के सार्वजनिक समारोह की अनुमति नहीं देंगे। यदि कोई जश्न मनाना चाहता है तो वह घर के अंदर मना सकता है।

आरसीबी पर पैसों की बारिश, जीटी भी मालामाल

चैंपियन बेंगलुरु को 20 करोड़,गुजरात को 12.50 करोड़ मिले,वैभव सूर्यवंशी को 5 अवॉर्ड से 45 लाख और कार मिली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का समापन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की शानदार जीत के साथ हुआ। 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम की। इस जीत के साथ टीम ने इतिहास में अपना नाम और भी मजबूत कर लिया। खिताब के साथ-साथ आरसीबी पर इनामी राशि की भी बारिश हुई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस सीजन में भी करोड़ों रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की, जिससे शीर्ष टीमों और खिलाड़ियों को बड़ा आर्थिक लाभ मिला।

एक-दो नहीं, वैभव सूर्यवंशी ने जीते 5 अवॉर्ड्स

अहमदाबाद (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरू होने से लेकर खत्म होने तक एक नाम जो सुर्खियों में बना रहा वह है वैभव सूर्यवंशी। छोटी उम्र में प्रतिभा के साथ-साथ उसे इस्तेमाल करने की कला ने सूर्यवंशी को कई रिकॉर्ड्स तोड़ने में मदद की और अवॉर्ड्स पर अपना दबदबा बनाने में कामयाब किया। सूर्यवंशी को एक-दो नहीं बल्कि कुल पांच ऑवर्ड्स मिले जिसमें मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीज़न, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीज़न, ऑरेंज कैप विनर और सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन शामिल है। बिहार में जन्मे 15 साल के इस बल्लेबाज ने राजस्थान रॉयल्स के लिए एक शानदार टूर्नामेंट खेला। उन्होंने सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर टूर्नामेंट खत्म किया और 237.30 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से कुल 776 रन बनाए। सूर्यवंशी के 72 छक्के एक आईपीएल सीजन में किसी भी अन्य बल्लेबाज से कही ज्यादा है। पिछला रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम था जिन्होंने एक आईपीएल सीजन में 59 छक्के लगाए थे।

मुझे टेस्ट क्रिकेट खेलना है, वैभव सूर्यवंशी ने गावस्कर के सामने बताया भविष्य का लक्ष्य

आईपीएल 2026 में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचने वाले राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपने करियर को लेकर बड़ा बयान दिया है। महज 15 साल की उम्र में ऑरेंज कैप जीतने वाले वैभव ने स्पष्ट कर दिया है कि उनका अंतिम लक्ष्य सिर्फ टी20 क्रिकेट तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं। आईपीएल 2026 फाइनल के बाद अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर से बातचीत के दौरान वैभव ने अपने भविष्य की योजनाओं और लाल गेंद क्रिकेट के प्रति अपने जुनून के बारे में खुलकर बात की।

लाल गेंद से भी कर रहे हैं जमकर तैयारी – वैभव सूर्यवंशी ने खुलासा किया कि लोग उन्हें सिर्फ टी20 क्रिकेट का आक्रामक बल्लेबाज समझते हैं, लेकिन वह लंबे समय से लाल गेंद से भी अभ्यास कर रहे हैं।उन्होंने कहा, अभी अगला असाइनमेंट वनडे फॉर्मेट में है, इसलिए मुझे मैदान पर जाकर तैयारी करनी होगी।

आईपीएल 2026 अवॉर्ड्स लिस्ट

- फाइनल का 'प्लेयर ऑफ द मैच' - विराट कोहली
- सीजन का 'इमर्जिंग प्लेयर' - वैभव सूर्यवंशी
- सीजन का 'सुपर स्ट्राइकर' - वैभव सूर्यवंशी
- सीजन के 'सुपर सिक्सेस'- वैभव सूर्यवंशी
- सीजन की ग्रीन डॉट बॉल्स - मोहम्मद सिराज
- सीजन का बेस्ट कैच - मनीष पांडे
- फेयरप्ले अवॉर्ड - पंजाब किंग्स
- पर्पल कैप - कगिसो रबाडा
- ऑरेंज कैप - वैभव सूर्यवंशी
- मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर -वैभव सूर्यवंशी

व्यक्तिगत पुरस्कारों में छाए वैभव सूर्यवंशी

- ऑरेंज कैप विजेता - वैभव सूर्यवंशी- 10 लाख
- पर्पल कैप विजेता - कगिसो रबाडा- 10 लाख
- मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) - वैभव सूर्यवंशी- 10 लाख
- इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन - वैभव सूर्यवंशी- 20 लाख

भारतीय फुटबॉल फैंस के लिए खुशखबरी

लाइव देख पाएंगे फीफा विश्व कप के मैच, ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर मिला

नई दिल्ली(एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 के शुरू होने में दो हफ्तों से भी कम का समय बचा हुआ है। अब आखिरकार टूर्नामेंट को भारत में ऑफिसियल ब्रॉडकास्टर मिल गया है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने फीफा के साथ विश्व कप के आठ साल के मीडिया राइट्स के लिए समझौता कर लिया है। फीफा विश्व कप 2026 का आयोजन कनाडा, अमेरिका और मैक्सिको में होना है। 2026 के साथ ही 2030 फीफा विश्व कप का प्रसारण भी जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के पास रहेगा। इसके साथ ही 2027 और 2031 महिला फीफा विश्व कप के राइट्स भी इसमें शामिल हैं। फीफा और जी डील पक्की हो गई है, लेकिन इसकी कीमत का पता नहीं चला है।

फीफा विश्व कप 2026 में 48 टीमें

फीफा विश्व कप 2026 की 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। यह एक फीफा विश्व कप में टीमों की सबसे ज्यादा संख्या है। टीमों को 4-4 के 12 ग्रुप में बांटा गया है। हर टीम अपने ग्रुप की अन्य तीनों टीमों से एक-एक मुकाबला खेलेगी। हर ग्रुप की टॉप दो टीमों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड ऑफ 32 में जाएंगी। अभी तक ग्रुप राउंड के बाद सीधे राउंड ऑफ 16 होता था। चैंपियन बनने वाली टीम को पिछले विश्व कप के मुकाबले एक ज्यादा 8 मैच खेलना होगा।

युवाओं के लिए सबक है विराट की पारी...

फाइनल में कोहली के तूफान के बाद बचपन के कोच राजकुमार शर्मा का बड़ा बयान

नई दिल्ली(एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लगातार दूसरा आईपीएल खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली की चौतरफा तारीफ हो रही है। इसी कड़ी में उनके बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने कोहली की इस ऐतिहासिक पारी को युवा क्रिकेटरों के लिए एक बेहतरीन सबक बताया है। शर्मा का मानना है कि आईपीएल फाइनल में इस स्टार बल्लेबाज के शानदार प्रदर्शन ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में सिर्फ अंधाधुंध ताकत का इस्तेमाल ही सब कुछ नहीं है, बल्कि मजबूत तकनीक और धैर्य का भी कोई सानी नहीं है।

अच्छी तकनीक और धैर्य ही सफलता की कुंजी – राजकुमार शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में लंबी रेस का घोड़ा बनने के लिए तकनीक और मानसिक मजबूती सबसे ज्यादा जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, अगर आपके पास बेहतरीन तकनीक और मजबूत जज्बा है, और आप दबाव की स्थिति में भी मैदान पर अपना धैर्य नाए रख सकते हैं, तो आपको सफलता जरूर मिलेगी। यही वह खूबी है जो विराट इतने लंबे समय से अपनी फ्रेंचाइजी के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट टीम के लिए लगातार करते आ रहे हैं। वह आज के युवाओं के लिए एक आदर्श उदाहरण हैं कि आधुनिक टी20 क्रिकेट को कैसे समझदारी से खेला जाता है।

फाइनल में कोहली का विराट प्रदर्शन – आपको बता दें कि इस फाइनल मुकाबले में जब आरसीबी लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो विराट कोहली ने शुरू से ही मोर्चा संभाल लिया था। उन्होंने मैदान के चारों तरफ क्लासिक क्रिकेटिंग शॉट्स खेले और टूर्नामेंट की अपनी सबसे तेज फिफ्टी भी ठोकी।

- **सिर्फ छक्के मारने का नाम टी20 नहीं** – गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में विराट कोहली ने महज 42 गेंदों पर नाबाद 75 रनों की जांबाज पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 3 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी की बदौलत आरसीबी ने 156 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। कोहली की इस मैच जिताऊ पारी पर खुशी जाहिर करते हुए कोच राजकुमार शर्मा ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, आज के युवा खिलाड़ियों के लिए विराट की यह पारी एक बड़ा सबक है। युवाओं को यह समझना होगा कि टी20 प्रारूप केवल पावर हिटिंग या हर गेंद पर छक्के मारने तक ही सीमित नहीं है।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान

नई दिल्ली(एजेंसी)। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। शिमरोन हेटमायर की वनडे टीम में वापसी हुई है। माना जा रहा है कि अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए ही हेटमायर को वनडे टीम में जगह दी गई है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि हेटमायर तीसरे और आखिरी मैच से पहले टीम में शामिल होंगे। टीम में तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की भी वापसी हुई है, जो जुलाई 2025 से पीठ की चोट के कारण बाहर थे। इसके साथ ही गुडाकेश मोती को भी जगह दी गई है, जो नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में नहीं खेल पाए थे।

डैरेन सैमी ने कही ये बात – सैमी के अनुसार, वेस्टइंडीज की कोशिश निडर, लेकिन समझदारी भरा क्रिकेट खेलने की है और टीम अपनी एक मजबूत पहचान बनाना चाहती है। कोच ने आगे कहा कि उनका लक्ष्य घरेलू मैदान को टीम का मजबूत किला बनाना है, जहां विरोधी टीमों के लिए जीत हासिल करना मुश्किल हो। इसके लिए वह चाहते हैं कि पूरी टीम मिलकर लगातार अच्छा प्रदर्शन करे और जीत में अहम योगदान दे। टीम किसी एक खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन पर निर्भर रहने के बजाय सामूहिक प्रयास से सफलता हासिल करना चाहती है। उन्होंने बताया कि पिछले 18 महीनों से टीम इसी सोच के साथ काम कर रही है। 3, 6 और 8 जून को श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे मुकाबलों के बाद दोनों टीमें जमैका में ही तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेलेंगी, जिसके बाद एंटीगुआ में दो टेस्ट मैच भी खेले जाएंगे।

इंजरी के बाद जोसेफ का कमबैक

जोसेफ पीठ की चोट से उबरने के बाद पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेलने मैदान पर उतरेंगे। यह सीरीज 3-8 जून को जमैका के सबीना पार्क में होगी। इस मुकाबले के साथ वेस्टइंडीज 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अपने अभियान की अहम शुरुआत करेगा। वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी ने कहा कि श्रीलंका एक मजबूत और अनुशासित वनडे टीम है। उनके खिलाड़ी हालात के अनुसार धैर्य और समझदारी से खेलना जानते हैं। उन्होंने कहा कि यह सीरीज उनकी टीम के लिए अपने खेल का स्तर तय करने का अच्छा मौका है।

‘धुरंधर’ के बाद अर्जुन रामपाल का बड़ा धमाका, डीजे टूर का ऐलान

अर्जुन रामपाल ने हाल ही में ‘धुरंधर’ में अपने नेगेटिव किरदार से शानदार धमाका किया था, और अब वह एक और बड़ा धमाका करने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस बार एक्टिंग नहीं, बल्कि डीजे कंसोल के पीछे से। अर्जुन ने नॉर्थ अमेरिका में अपने डीजे टूर का ऐलान किया है।

कब और कहां परफॉर्म करेंगे अर्जुन रामपाल?

बड़े स्टेज, जबरदस्त एनर्जी और शानदार नाइट्स के साथ अर्जुन अपनी टूर की शुरुआत 28 मई को अटलांटा से करेंगे। इसके बाद 29 मई को सैन फ्रांसिस्को, 30 मई को ह्यूस्टन, 31 मई को डलास, 4 जून को शिकागो, 5 जून को वॉशिंगटन डीसी, 6 जून को न्यूयॉर्क, 7 जून को टोरंटो, 11 जून को वैंकूवर और 13 जून को लॉस एंजेलिस में परफॉर्म करेंगे। अर्जुन ने अपने इंस्टाग्राम पर टूर की जानकारी शेयर करते हुए लिखा, ‘नॉर्थ अमेरिका, अब तुम्हारी बारी है! यूएसए और कनाडा में रैम्पेज टूर अगले हफ्ते शुरू होने जा रहा है, और हम आपके लिए एक यादगार अनुभव लेकर पूरी तरह तैयार हैं।’

अर्जुन रामपाल का वर्कफ्रंट

अर्जुन रामपाल हाल ही में धुरंधर 2 में नजर आए थे, जिसमें उन्होंने मैजर इकबाल का किरदार निभाया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही। इस फिल्म में उनके अलावा रणवीर सिंह, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी लीड रोल में थे।

इंस्पेक्टर अविनाश 2 का रोल मेरे लिए चुनौतीपूर्ण था

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों क्राइम और एक्शन से भरपूर वेब सीरीज ‘इंस्पेक्टर अविनाश 2’ चर्चा में बनी हुई है। इस सीरीज में अभिनेत्री अकांक्षा पुरी ‘मीतू पंजाबी’ नाम की एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो पहले डांसर होती है और बाद में पुलिस की मुखबिर बन जाती है। उनके अभिनय की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है। इस बीच आकांक्षा ने अपने किरदार, अभिनय अनुभव और रणदीप हुड्डा के साथ काम करने को लेकर खुलकर बात की। अकांक्षा पुरी ने कहा, ‘’मैं लंबे समय से कुछ अलग और चुनौतीपूर्ण करना चाहती थी। ‘मीतू पंजाबी’ का किरदार निडर, मजबूत और भावनात्मक रूप से काफी गहरा है। इस किरदार ने मुझे अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका दिया। एक कलाकार के तौर पर मैंने अपने अंदर के मजबूत पहलू को इस किरदार के जरिए महसूस किया।’’

आकांक्षा ने कहा, ‘मीतू पंजाबी’ मेरे अंदर कई तरह की भावनाएं लेकर आई। इस भूमिका को निभाने के लिए मुझे किरदार की भावनाओं को गहराई से समझना पड़ा। इस किरदार ने मुझे खुद का नया रूप खोजने का मौका दिया।’’

अकांक्षा पुरी ने अपने सह-कलाकार रणदीप हुड्डा की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ‘’रणदीप हर सीन में पूरी सच्चाई और ईमानदारी के साथ अभिनय करते हैं। उनके साथ काम करते समय खुद भी ज्यादा ध्यान और मेहनत के साथ प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। वह अपने हर सीन में पूरी सच्चाई लेकर आते हैं। उनके साथ काम करना बेहद खास अनुभव रहा, क्योंकि उनके साथ अभिनय करते हुए आप खुद भी अपने काम में और ज्यादा डूब जाते हैं।’’

वहीं सीरीज के निर्देशक नीरज पाठक ने भी रणदीप हुड्डा की तारीफ की। उन्होंने कहा, ‘’रणदीप की मेहनत और काम के प्रति समर्पण देखकर अब मुझे दूसरे कलाकारों से भी वैसी ही उम्मीद होने लगी है।’’ नीरज पाठक ने बातचीत के दौरान दिवंगत अभिनेता इरफान खान को भी याद किया। उन्होंने कहा, ‘’मेरा इरफान खान के साथ बहुत पुराना रिश्ता रहा है। मैंने उनके साथ दूरदर्शन के एक पुराने शो में काम किया था। उस दौरान मैंने उनसे वादा किया था कि जब भी मैं फिल्म बनाऊंगा, उन्हें जरूर उसमें लूंगा।’’ नीरज पाठक ने फिल्म ‘राइट या रॉन्ग’ बनाई थी, जिसमें सनी देओल और इरफान खान दोनों नजर आए थे।

फिर साथ दिख सकती है माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर की सुपरहिट जोड़ी

हिंदी सिनेमा की मशहूर जोड़ी माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर ने 80 और 90 के दशक में कई सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया और अपनी शानदार केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया। अब एक बार फिर इस जोड़ी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। दरअसल, निर्देशक सुरेश त्रिवेणी ने बताया कि आने वाले समय में माधुरी और अनिल कपूर एक बार फिर एक प्रोजेक्ट में साथ नजर आ सकते हैं। सुरेश त्रिवेणी इन दिनों अपनी नई सीरीज ‘मां बहन’ को लेकर चर्चा में हैं। शो के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। इसी दौरान उन्होंने कहा, ‘’मेरे लिए यह साल बेहद खास रहा, क्योंकि मुझे एक ही साल में दो बड़े सितारों के साथ काम करने का मौका मिला। एक तरफ मैंने अनिल कपूर के साथ सीरीज ‘सूबेदार’ में काम किया, वहीं दूसरी तरफ अब मैं माधुरी दीक्षित के साथ ‘मां बहन’ में काम कर रहा हूं। यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा अनुभव है।’’ सुरेश त्रिवेणी ने माधुरी और अनिल कपूर की जोड़ी को लेकर भी दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा, ‘मैं दोनों को फिर से एक साथ पर्दे पर लाना चाहता हूं। माधुरी और अनिल कपूर की जोड़ी स्क्रीन पर कमाल लगती है, और अगर मुझे मौका मिला तो मैं जरूर दोनों को साथ लेकर कुछ नया बनाने की कोशिश करूंगा।

सिर्फ डेविड धवन की फिल्म से ही कॉमेडी जॉनर में कदम रखना थी

मृणाल ठाकुर अब पहली बार डायरेक्टर डेविड धवन की कॉमेडी दुनिया का हिस्सा बनने जा रही हैं। उनकी नई फिल्म ‘है जवानी तो इश्क होना है’ एक फुल ऑन रोमांटिक-कॉमेडी एंटरटेनर है, जिसमें मृणाल का बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिलेगा। अब तक मृणाल को ज्यादातर सीरियस, इमोशनल और थ्रिलर फिल्मों में देखा गया है। लेकिन इस बार वो कॉमेडी और मस्ती से भरी कहानी में नजर आएंगी। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान मृणाल ने बताया कि अगर उन्हें कॉमेडी जॉनर में कदम रखना था, तो वो सिर्फ डेविड धवन की फिल्म से ही करना चाहती थीं। मृणाल ने मजाकिया अंदाज में कहा, ‘डेविड सर, काश मैं आपसे अपने करियर में बहुत पहले मिली होती। तब शायद मुझे आपके साथ और भी ज्यादा फिल्में करने का मौका मिलता। मेरे मन में तो यही चल रहा था कि सर कम से कम तीन फिल्मों के लिए मुझे साइन कर लीजिए।’ एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि इस फिल्म में काम करने के बाद उनकी कॉमिक टाइमिंग पहले से काफी बेहतर हो गई है। उन्होंने इस अनुभव को अपने करियर के लिए बेहद खास बताया। फिल्म ‘है जवानी तो इश्क होना है’ में वरुण धवन, पूजा हेगड़े, मृणाल ठाकुर और मनीष कॉल पहली बार साथ नजर आने वाले हैं।

शादी और उम्र पर ट्रोल करने पर भड़कीं शमिता शेट्टी

शिल्पा शेट्टी की बहन और एक्ट्रेस शमिता शेट्टी ने सोशल मीडिया पर अपनी उम्र और शादी को लेकर कमेंट करने वाले ट्रोलर्स को कड़ा जवाब दिया है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए शमिता ने उन लोगों पर निशाना साधा जो सिंगल महिलाओं को ऐज-शेम करते हैं। 47 वर्षीय शमिता ने कहा कि वे शादी करने की किसी जल्दबाजी में नहीं हैं और अपनी जिंदगी में बेहद फिट और खुश हैं। उन्होंने ट्रोलर्स की पुरुष-प्रधान और पिछड़ी सोच पर आपत्ति जताते हुए उन्हें तुरंत अनफॉलो करने की सलाह दी है।

कमेंट करने वाले को कहा- बदलाव प्राकृतिक है शमिता शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ट्रोलर की पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया। इसमें यूजर ने लिखा था कि आपकी उम्र हो गई है और अब पहले वाली बात नहीं रही। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शमिता ने लिखा, ‘हां, मैं अब अलग दिखूंगी। समय के साथ चीजें बदलती हैं और यह जीवन का प्राकृतिक नियम है। शारीरिक बनावट सहित कुछ भी हमेशा के लिए एक जैसा नहीं रहता। लेकिन अपनी उम्र के हिसाब से मैं पूरी तरह स्वस्थ, फिट और खुश हूं। मेरे लिए सिर्फ यही मायने रखता है।’ यूजर ने शमिता की शादी को लेकर भी टिप्पणी की थी कि अगर समय पर शादी कर लेतीं तो आज बच्चे बड़े हो गए होते। इस पर शमिता ने तीखा पलटवार करते हुए पूछा, ‘तो? आपने शादी करके क्या उखाड़ लिया है भाई? सबसे जरूरी बात यह है कि आप लोग सिंगल महिलाओं को फॉलो ही क्यों करते हैं? सिर्फ इसलिए ताकि उन्हें ऐज-शेम कर सकें और उन पर अपनी पुरुष-प्रधान और आदिमानव जैसी पिछड़ी सोच थोप सकें? कृपया मुझ पर एक अहसान करें और मुझे तुरंत अनफॉलो कर दें।’

बड़ी बहन शिल्पा शेट्टी से होती है तुलना

शमिता शेट्टी की बड़ी बहन और बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी 50 साल की हैं। शिल्पा शादीशुदा हैं और उनका एक 14 साल का बेटा है। शमिता ने पहले भी कई इंटरव्यू में साफ किया है कि वे सिर्फ शादी करने के नाम पर किसी से भी शादी नहीं करना चाहतीं।

मिर्जापुर ने मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल दी

दिव्येंदु शर्मा जल्द ही तेलुगु फिल्म ‘पेड्डी’ से टॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राम चरण भी हैं।

फिल्म की खास बात क्या लगी?

मुझे इस फिल्म में सबसे खास हमारे निर्देशक साहब लगे। जब मैं उनसे मिला, तो मुझे लगा कि मैं बहुत समय बाद किसी ऐसे इंसान से मिल रहा हूं, जो सच में एक कलाकार है और जिसका पूरा ध्यान सिर्फ एक अच्छी और ईमानदार फिल्म बनाने पर है। उन्होंने मुझसे कहा कि मेरा जो किरदार है। वह इस फिल्म में उनका सबसे पसंदीदा किरदार है और वह चाहते हैं कि उसे मैं ही निभाऊं। उसी समय मैंने लगभग तय कर लिया था कि मैं यह फिल्म करूंगा।

रोल की तैयारी कैसे की थी

अगर तैयारी की बात करूं, तो मेरे लिए हर किरदार की प्रक्रिया लगभग एक जैसी रहती है। सबसे पहले मैं कहानी और अपने किरदार को बहुत ध्यान से पढ़ता हूं। जब आप किसी किरदार को पढ़ते हैं, तो धीरे-धीरे आपके दिमाग में उस इंसान की एक छवि बनने लगती है, वह कैसा होगा, कैसे बात करता होगा, उसकी सोच और व्यवहार कैसा होगा। उसके बाद कोशिश यही रहती है कि उस किरदार को पर्दे पर इस तरह उतारा जाए कि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकें और उसे वास्तविक मानें। फिल्म में काम करके काफी मजा भी आया।

राम चरण के साथ काम करके आपको कैसा लगा

राम चरण के साथ काम करने का अनुभव बेहद शानदार रहा। वह बहुत सहज, विनम्र और नर्मदिल इंसान हैं। जब मैं उनसे पहली बार मिला, तो मुझे बिल्कुल महसूस नहीं हुआ कि मैं इतने बड़े स्टार से मिल रहा हूं। उन्होंने कभी भी अपने स्टारडम को काम के बीच नहीं आने दिया और सेट पर हमेशा एक सहयोगी कलाकार की तरह पेश आए। उन्होंने मुझसे कहा कि वह प्यार का पंचनामा के समय से मेरा काम देखते आ रहे हैं।

भाषा पर कितना काम किया?

बिल्कुल, मुझे भाषा पर काफी काम करना पड़ा। मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने पूरी तरह तेलुगु भाषा सीख ली, लेकिन अपने डायलॉग्स पर मैंने बहुत मेहनत की। मैं उन्हें बार-बार याद करता था और सही तरीके से बोलने की कोशिश करता था। मेरे पास एक कोच भी थे, जो मुझे बताते थे कि किसी लाइन को सही भाव और उच्चारण के साथ कैसे बोला जा सकता है। उन्हें समझाता था मैंने अपने किरदार को अपने दिमाग में किस तरह बनाया है और मैं किसी संवाद को किस अंदाज में कहना चाहता हूं, ताकि वह उसी हिसाब से मेरी मदद कर सकें। कोच के साथ घंटों प्रैक्टिस करता था।

वेब सीरीज मिर्जापुर ने जिंदगी किस तरह बदली

'मिर्जापुर' ने मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल दी। उस सीरीज ने मुझे जितना प्यार और सम्मान दिया, वह मेरे लिए बहुत खास है। उसने मेरे अभिनय को देशभर के दर्शकों तक पहुंचाया और लोगों ने मेरे काम को दिल से सराहा। सबसे अच्छी बात यह रही कि सिर्फ दर्शकों से ही नहीं, बल्कि इंडस्ट्री के लोगों से भी मुझे बहुत प्यार मिला। उसी सीरीज की वजह से मेरे पास कई फिल्मों के प्रस्ताव आए और करियर में नए अवसर खुले। इसलिए मैं हमेशा उस शो का शुक्रगुजार रहूंगा।

फिल्मों में कंटेंट ही सब कुछ है

जी हां, मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूं। आज के समय में सिर्फ बड़ा नाम किसी फिल्म को सफल नहीं बना सकता। दर्शक अब बहुत जागरूक हो गए हैं और वे फिल्म देखने से पहले उसके ट्रेलर, कहानी और प्रस्तुति पर ध्यान देते हैं। अगर लोगों को ट्रेलर और कंटेंट पसंद आता है, तभी वे फिल्म देखने का मन बनाते हैं। उसके बाद दर्शकों की प्रतिक्रिया और ‘वर्ड ऑफ माउथ’ बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। लोग एक-दूसरे को बताते हैं कि कौन-सी फिल्म देखने लायक है और कौन-सी नहीं।

खासी मांग है देश के साथ-साथ विदेशों में भी

मेडीकल लैब टैक्नीशियन की

"मेडीकल लैब टैक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लैबोरेटरी में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टैक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडीकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टैक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते।"

नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टैक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एम.एल.टी. कुछ सैम्पलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एम.एल.टी. का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

मेडीकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट में सर्टीफिकेट डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकैमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवायरनमैंट एंड बायोमैडीकल वेस्ट मैनेजमैंट, मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजी एवं अस्पताल प्रशिक्षण दिया जाता है।

सर्टीफिकेट इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी (सी.एम.एल.टी.) छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मैडीकल लैब

टैक्नोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक वर्ष। 12वीं प्रमुख विषय के रूप में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी (पी.सी.बी.) तथा फिजिक्स, कैमिस्ट्री या मैथ्स (पी.सी.एम.) के साथ पास होना अनिवार्य है।

बी.एससी. इन एम.एल.टी. के लिए 12वीं विज्ञान विषयों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। जिसकी अवधि है 3 वर्ष। एम.एस.सी. इन मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजिस्ट (एम.एल.टी.) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोमा होना चाहिए, इसके बाद 2 साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कालेज, टैक्नीकल, स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है।

छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लैबोरेटरी कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती, लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है।

प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मैडीकल लैबोरेटरी हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी मांग रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टैंट के अलावा खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं।

सामान्य तौर पर एक एम.एल.टी. का वेतन 10 हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार रुपए से चालीस हजार रुपए तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफा होता चला जाता है। देश के साथ-साथ विदेशों में भी इनकी खासी मांग है।

आधे से ज्यादा लोग अपनी जॉब से रहते हैं नाखुश!

क्या आप जानते हैं कि आधे से ज्यादा लोग अपनी नौकरी से नाखुश रहते हैं और आधे से ज्यादा लोग इस बात को महसूस करते हैं कि वह जिस जॉब को कर रहे हैं, उसमें उनका कोई भविष्य नहीं है या उन्होंने अपनी जिंदगी में गलत करियर चुन लिया।

यह बात ब्रिटेन स्टडी में सामने आई है। स्टडी में कहा गया है कि ब्रिटेन में काम करने वाले लोग अपनी जॉब से परेशान हैं और वह मानते हैं कि वह अपने भविष्य को सही जगह नहीं ले गए। इसके साथ ही एक चौथाई लोग अपने आपको गरीब कर्मचारी मानते हैं। वह लोग ऐसा इसलिए समझते हैं, क्योंकि वह अपनी जॉब से खुश नहीं होते।

स्टडी के मुताबिक 7 में से 1 कर्मचारी ऐसा भी होता है, जो अपनी जॉब से परेशान होकर उसकी आदर नहीं करते और वह जॉब पर ध्यान नहीं देता। इसके साथ-साथ 49 फीसदी ब्रिटेन के कर्मचारी ऐसे भी हैं, जो जॉब करने के साथ साथ किसी और फिल्ड में भी अपना कैरियर तलाश करते हैं।

प्रतिद्वंद्वी को अपना अच्छा दोस्त बनाएं

जब दोस्त ईष्या करने लगे

कई बार ऑफिस में प्रमोशन मिलने से आपकी बैस्ट फ्रैंड को भी आपसे ईर्ष्या हो जाती है। ऐसे में अपनी ही दोस्त के बिहेवियर में जलन का भाव देख कर किसी को भी टैंशन होना लाजिमी है, उसे बताएं कि बहुत सी चीजें वक्त के साथ ही संभव हो पाती हैं, कल उसे भी तो प्रमोशन मिल सकता है, बस मेहनत करते रहो। इस प्रकार दो दोस्तों के दिलों में पडऩे वाली दीवार को समय रहते मिटाया जा सकता है।

शिकायत करने वालों से बचें

ऐसे दोस्तों की भी कमी नहीं जिसे हमेशा आपसे कोई न कोई शिकायत रहती हो। हर बार कमी गिनाने वाले लोग पॉजीटिव सोच वाले नहीं हो सकते। अत- जरूरी है कि उसकी अधिकांश शिकायतों को उसकी आदत जान कर नजरअंदाज करना आरंभ करें। जब भी वह आपसे शिकायत करने लगे तो बात का टॉपिक ही बदल दें, यदि फिर भी वह न समझे, तो उसे साफ.-साफ कह दें कि हर समय अपनी कमी सुनना अपको पसंद नहीं और वह भी अपने नैगेटिव थॉट्स छोड़ कर पॉजीटिव बातों की तरफ ध्यान दे।

हमेशा सलाह देने वालों से बचें

कुछ लोगों की आदत होती है कि अपने फ्रैंड्स को परेशान देख कर बिना उसकी परेशानी का सबब जाने ही उसे सलाह देने बैठ जाएंगे, बिना यह जाने कि उसे इसकी जरूरत है भी या नहीं। ऐसे दोस्तों को लगता है कि आप में किसी प्रकार का फैसला लेने की क्षमता नहीं है और आपकी भलाई हमेशा उन्हें ऐसा करने को प्रेरित करती रहती है।

अब भले ही आपको यह सब बुरा लगे, पर इतनी सी बात पर दोस्ती कोई नहीं तोड़ता। अब की बार जब वह आपको बिन मांगे सलाह देने लगे तो बड़े प्यार से उसे यह समझाएं कि आप उसकी सलाह एवं राय का आदर करती हैं पर आप भी दूसरों की तरह अपनी ही गलतियों से सीखना चाहती हैं। यदि आपको उसकी सलाह की आवश्यकता होगी तो आप स्वयं उससे सलाह मांग लेंगी, तब तक उन्हें खुद ही इसका हल ढूंढने दिया जाए।

खुद करें पहल

दोस्ती एक ऐसा फेवीकोल है जो बिखरते रिश्तों को मजबूती से जोडऩे का काम करता है। यदि आप किसी दूसरे से बेहतर बनना चाहती हैं, तो उसकी दोस्त बन जाएं, फिर आपको उससे प्रतिस्पर्धा करने में तनाव भी नहीं होगा और आपको एक नया दोस्त भी मिल जाएगा, जिससे आप प्रतिदिन कुछ नया सीखेंगी। नए रिश्ते बनाने में पहल किसी को तो करनी ही होती है, तो क्यों न आप ही शुरूआत करें क्योंकि प्रतिद्वंद्वी को ही अपना अच्छा दोस्त बनाने से बेहतर और क्या हो सकता है।

बीती बातों को भुलाना बेहतर

कभी किसी दोस्त के लिए गुस्से में अपशब्द निकल गए हों तो उसे भुला कर उससे माफी मांग लें, क्योंकि बीती बातों को दोहराने का कोई लाभ नहीं। माफी मांग लेने से आप एक अच्छे दोस्त को खोने से बच जाएंगी और साथ ही उसकी नजरों में आपका स्थान और ऊंचा हो जाएगा।

अनुवादक

कॅरियर का बेहतरीन विकल्प

आज दुनिया भर के कई देशों में डिस्कवरी सबसे लोकप्रिय चैनल है। यह चैनल दुनिया के कई देशों में उनकी भाषा में प्रसारण करता है। ऐसा संभव होता है अनुवाद के कारण। अनुवाद एक ऐसा माध्यम है जिसने ग्लोबल दुनिया को एक-दूसरे से जुडऩे में अहम भूमिका निभाई है। दुनिया की कई भाषाओं में अच्छे अनुवादकों की आज भारी मांग है। अच्छे अनुवादकों को अच्छा काम और अच्छा पैसा मिलने की चिंता नहीं करनी पड़ती है। अच्छे अनुवादक की योग्यता- यह ध्यान रखने की बात है कि अनुवाद मूल लेखन से भी मुश्किल है। सबसे पहले आपको अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा की जानकारी हो। इसके लिए महज फर्राटे से स्पैनिश और फ्रेंच बोलने से काम नहीं चल जाता। अनुवादक का मकसद एक से दूसरे भाषा क्षेत्र में जाना होता है। इसलिए इसके लिए धैर्य, स्थिरता और समय की जरूरत होती है। अनुवाद शुरू करने से लेकर खत्म करने तक में अनुवादक को कई तरह के प्रयोग करने होते हैं। शब्दों के विकल्पों में से सटीक शब्द चुनना होता है। मूल लेखन और टारगेट रीडर के बीच की दूरी खत्म करनी होती है। यह दूरी जितनी ज्यादा कम हो जाए, अनुवाद उतना सफल होता है। अवसर- शिक्षा और मीडिया से जुड़े लोगों के बीच अनुवाद के काम की बहुत मांग है। विभिन्न दूतावासों में भी अच्छे अनुवादकों की दरकार होती है। फिल्मों और धारावाहिकों में डबिंग के लिए भी अनुवादक की जरूरत होती है। एक प्रोफेशनल अनुवादक के लिए रोजगार के कई अवसर हैं। आज देश में लगभग पांच करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्हें तीन भाषाओं का ज्ञान है। आने वाले समय में यह संख्या बढ़ेगी जिसके कारण रोजगार की संख्या बढ़ेगी। जिन लोगों को दो या तीन भाषाओं की अच्छी जानकारी होती है, वे अनुवादक के रूप में अच्छा करिअर बना सकते हैं। अनुवाद का मानव सभ्यता और संस्कृति के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। अनुवाद दरअसल एक सेतु है, जो दो भाषाओं, दो संस्कृतियों और दो सभ्यताओं को आपस में जोड़ता है। भूमंडलीकरण के इस दौर में अनुवादकों की माँग बहुत ज्यादा बढ़ रही है। अनुवाद करने वालों के लिए प्रकाशन गृह में हमेशा स्थान होता है। इसके अलावा फिल्मी दुनिया में भी विदेशी फिल्मों के सबटाइटल' बनाने और

> भाषा संप्रेषण का माध्यम है लेकिन यदि भाषा पर अधिकार हो तो करिअर बनाने की डगर बहुत आसान हो जाती है। वैसे तो आप किसी भी क्षेत्र में अपना करिअर बनाएँ, दो या दो से अधिक भाषाओं पर अच्छी पकड़ आपको हर क्षेत्र में खास तवज्जो दिलाएगी। दो भाषाओं पर अच्छा अधिकार अपने आप में एक विशेषता है।

किसी अन्य भाषा में फिल्म की डबिंग करने के लिए अनुवादकों की आवश्यकता होती है। अखबार और पत्रिकाओं में भी अनुवाद का बहुत काम होता है, इसलिए प्रिंट मीडिया में भी अनुवादकों के लिए अवसर मौजूद होते हैं। निजी क्षेत्र के अलावा शासकीय क्षेत्र में भी अनुवादकों के लिए रोजगार के कई अवसर उपलब्ध होते हैं। शासकीय दूतावासों में अनुवादक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। दूतावास में काम करने वाले अनुवादकों को विदेश जाने के अवसर एवं प्रतिष्ठापूर्ण ओहदा मिलता है। कई लोग अनुवाद को केवल हिंदी और अंग्रेजी के साथ जोड़कर ही देखते हैं। जबकि ऐसा नहीं है, अनुवाद के संदर्भ में हिंदी और अंग्रेजी का क्षेत्र बहुत विस्तृत है, लेकिन अन्य भाषाओं में भी अनुवाद के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। यदि हम अपने देश के बारे में बात करें तो हिंदी के अलावा गुजराती, मराठी, कन्नड, तमिल जैसी भाषाओं में भी अनुवादकों के लिए बहुत से अवसर उपलब्ध हैं। यदि अनुवादक के रूप में नौकरी न करना चाहें तो फीलांस अनुवादक के रूप में काम किया जा सकता है। फीलांस अनुवादकों के लिए भी अवसरों की कमी नहीं है। फीलांस अनुवादकों के लिए इंटरनेट बहुत बड़ा अवसरदाता है। कई वेबसाइट अनुवादकों को अवसर मुहैया करवा रही है। इन साइटों पर अनुवादक अपना पंजीयन करवाते हैं।